MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 07 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-64

आत्मसमर्पण करो या मरो

ट्रंप ने रखी नयी शर्त, कहा- अभी तो हमले शुरू हुए हैं

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां)।

मिडिल ईस्ट में ईरान से जारी युद्ध के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर अपना रुख और सख्त कर दिया है।

ट्रंप ने स्पष्ट कहा है कि ईरान के साथ किसी भी तरह का समझौता तभी संभव होगा जब तेहरान बिना शर्त आत्मसमर्पण करे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि जब तक ईरान पूरी तरह झुक नहीं जाता, तब तक किसी भी कूटनीतिक रास्ते की गुंजाइश नहीं है।

मेक ईरान ग्रेट अगेन का नारा

ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि यदि ईरान आत्मसमर्पण करता है और वहां स्वीकार्य और मजबूत नेतृत्व का चयन होता है, तो अमेरिका और उसके सहयोगी देश मिलकर ईरान की अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करने में मदद करेंगे। उन्होंने अपने प्रसिद्ध नारे की तर्ज पर कहा कि ईरान का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है, मेक ईरान ग्रेट अगेन।

यह बयान ऐसे समय आया है जब करीब एक सप्ताह पहले अमेरिका और इज़रायल ने ईरान पर संयुक्त सैन्य हमले शुरू किए थे। इसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिससे खाड़ी क्षेत्र के कई देश इस संघर्ष की चपेट में आ गए। इस टकराव के कारण पूरे क्षेत्र में तनाव तेजी से बढ़ गया है और हालात क्षेत्रीय युद्ध की स्थिति तक पहुंचते दिखाई दे रहे हैं।

नेतृत्व परिवर्तन की सीधी दखल

ट्रंप ने एक इंटरव्यू में यह भी संकेत दिया कि वह ईरान के राजनीतिक भविष्य को तय करने में सीधे भूमिका निभाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे वे-नेजुएला के मामले में उन्होंने नेतृत्व परिवर्तन की बात की थी, वैसे ही ईरान में भी नए नेतृत्व के चयन की प्रक्रिया में उनकी दिलचस्पी है। इसी दौरान उन्होंने ईरान के मारे जा चुके सुप्रीम लीडर खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई को लेकर भी टिप्पणी की और कहा कि उनके जैसे हल्के नेता का इस्लामिक गणराज्य का नेतृत्व करना स्वीकार्य नहीं होगा।

कूटनीति की गुंजाइश बरकरार

हालांकि दूसरी ओर ईरान की तरफ से संकेत दिया गया है कि कूटनीति के लिए अभी भी गुंजाइश बनी हुई है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान ने कहा कि कुछ देशों ने युद्ध समाप्त कराने के लिए मध्यस्थता की कोशिशें शुरू कर दी हैं। हालांकि उन्होंने इन देशों के नाम स्पष्ट नहीं किए।

सूत्रों के अनुसार कतर, तुर्की, मिस्र और ओमान जैसे देशों ने इस संघर्ष को समाप्त कराने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की है। पेज़ेशकियान ने कहा कि ईरान क्षेत्र में स्थायी शांति का समर्थक है, लेकिन वह अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा करने में कोई हिचकिचाहट नहीं करेगा।

हमले और तेज करने की चेतावनी

इसी बीच क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार जारी हैं। इज़रायली डिफेंस फोर्सेज ने संकेत दिया है कि ईरान के खिलाफ उनका अभियान अब नए चरण में प्रवेश कर रहा है और आगे भी हमले तेज हो सकते हैं। वहीं अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई अभी शुरू ही हुई है और आने वाले दिनों में हमले और तेज किए जाएंगे।

खामेनेई को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

पूरा ईरान सड़कों पर उतर कर रोया, एतिहासिक नमाज़

दस-ग्यारह बजते ही तेहरान की सड़कों पर मर्दों और महिलाओं का हुजूम सा उमड़ पड़ा था। महिलाएं काले लिबास में थीं और पर्दा किए हुए थीं। लेकिन उनका गुस्सा साफ-साफ महसूस किया जा सकता था। पुरुष भी काले कपड़े में थे लेकिन वे मुखर थे और इजरायल-अमेरिका की बर्बादी के नारे जोर-शोर से लगा रहे थे।

शुक्रवार को अली खामेनेई की मौत के ठीक एक सप्ताह बाद ईरान में पहली जुमे की नमाज अदा हुई। युद्ध की आग, अमेरिका-इजरायल के लगातार एयरस्ट्राइक्स और राष्ट्रीय शोक के बीच तेहरान के इमाम खुमैनी मसल्ला, एंगेलाब स्क्वायर और सैकड़ों मस्जिदों में लाखों लोग जमा हुए। यूं लगता था शहर काले कपड़ों से ढक गया है। कुछ लोगों के हाथों में खामेनेई की तस्वीरें थीं, तो कुछ हाथ इजरायल और अमेरिका के विरोध में प्लेकार्ड लेकर अपना प्रतिरोध जाहिर कर रहे थे।

आंसू भरी आंखों और मुट्ठियां तानकर रमजान के महीने में लोग लब्बैक या खामेनेई- ऐ खामेनेई, मैं हाजिर हूं!, मर्ग बर अमेरिका-अमेरिका मुर्दाबाद, मर्ग बर इस्राइल-इजरायल मुर्दाबाद के नारे लगा र हे थे। ▶10पर

नेपाल में जेन-ज़ी सरकार, शाह लीड में

काठमांडू, 06 मार्च (एजेंसियां)।

नेपाल में पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने और जेन जी आंदोलन से चर्चित हुए बालेंद्र शाह (बालेन) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) भारी बहुमत की तरफ बढ़ती दिख रही है।

नेपाल चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार जिन 165 सीटों पर चुनाव हुए हैं उनमें से अब तक 150 संसदीय क्षेत्र के नतीजे एवं रुझान सामने आये हैं, इनमें से आरएसपी 106 सीटों पर वह आगे चल रही है और दो सीटें जीत चुकी है।

नेपाली कांग्रेस पार्टी 9 सीटों पर आगे चल रही है और दो सीट जीत चुकी है। इसके अलावा नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) 10 सीटों पर आगे चल रही है जबकि नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी 7 सीटों पर आगे चल रही है और एक सीट जीत चुकी है।

झापा-5 सीट से पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से आमने-सामने की लड़ाई में आरएसपी नेता श्री बालेन बाजी मारते दिख रहे हैं। उन्होंने सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष ओली पर करीब छह हजार की बढ़त बना रखी है। शाम छह बजे तक श्री बालेन को 10190 वोट मिले थे, जबकि श्री ओली को 4,087 वोट मिले थे।

श्री बालेन ने जनवरी 2026 में काठमांडु के महापौर पद से इस्तीफा देकर श्री ओली के खिलाफ मोर्चा खोला था। नेपाल में किसी को भी चुनाव लड़ने के लिए अपने पद से इस्तीफा देना होता है और कोई भी व्यक्ति दो जगह से चुनाव नहीं लड़ सकता है। आरएसपी नेता रवि लामिछाने चितवन-2 से 10,000 से अधिक वोटों की विशाल बढ़त के साथ जीत के करीब हैं। वहीं नेपाली कांग्रेस के नेता में गगन थापा सर्लाही-4 से फिलहाल दूसरे स्थान पर हैं। ▶10पर

मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के वित्तीय संकट की बात स्वीकारी

रेवंत ठन-ठन गोपाल

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार गंभीर वित्तीय बाधाओं का सामना कर रही है। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों से कर संग्रह में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया है। शुक्रवार को मादिगा कर्मचारी समन्वय समिति की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को सख्त कर वसूली सुनिश्चित करनी चाहिए और राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए कर चोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा, यदि करों का कुशलतापूर्वक संग्रह किया जाए और चोरी रोकी जाए, तो उस राजस्व का उपयोग गरीबों के कल्याण के लिए किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सरकार सेवानिवृत्ति लाभों के दायित्वों को पूरा करने के लिए भी संघर्ष कर रही है। औसतन हर महीने लगभग 1,000 कर्मचारी सेवानिवृत्त होते हैं। सरकार को प्रत्येक कर्मचारी को सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में लगभग 1 करोड़ रुपये का भुगतान करना पड़ता है, जो हर महीने लगभग 1,000 करोड़ रुपये बैठता है।

भूमि सुधार और पट्टा वितरण की चुनौतियां

भूमि सुधारों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी जमींदारों और जागीरदारों के पास विशाल भूमि हुआ करती थी। बाद में पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने कृषि जोत सीमा अधिनियम पेश किया। इसके माध्यम

से लगभग 25 लाख एकड़ सौंपी गई भूमि गरीबों को पट्टों के रूप में वितरित की गई। हालांकि, बाद में कई मामलों में इन पट्टों का दुरुपयोग हुआ और सरकार इस मुद्दे को हल करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, सरकार के पास गरीबों को बांटने के लिए पर्याप्त जमीन नहीं है। मैंने यह बात पहले भी उस्मानिया विश्वविद्यालय और अन्य बैठकों में कही है।

जनकल्याणकारी योजनाएं और मादिगा समुदाय का समर्थन

रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के बाद राशन कार्ड जारी करना, महीन चावल की आपूर्ति, इंदिराम्मा आवास की मंजूरी, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, ▶10पर

रियल एस्टेट भारी संकट में, गिरे रेट

तेलंगाना भर में रियल एस्टेट क्षेत्र में अनिश्चितता का माहौल गहरा गया है, जिससे जमीन की कीमतों में कमी आई है और कई क्षेत्रों में सौदों की रफ्तार धीमी हो गई है। राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद यह स्थिति उभरी है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि नीतिगत बदलावों और प्रशासनिक निर्णयों ने डेवलपर्स और खरीदारों के विश्वास को कमजोर कर दिया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, वर्तमान अनिश्चितता के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। इनमें हाईड्रा द्वारा की गई तोड़फोड़, फार्मा सिटी परियोजना को रद्द करना, जिलों के पुनर्गठन पर भ्रम, जीएचएमसी (जीएचएमसी) के प्रस्तावित विभाजन और गांधी सरोवर परियोजना जैसे मुद्दे शामिल हैं।

इन कारणों से डेवलपर्स और खरीदार सतर्क हो गए हैं। बीआरएस सरकार के दस साल के शासन के दौरान जहां जमीन 50 लाख रुपये प्रति एकड़ से अधिक में बिकती थी, अब वही जमीन 30 लाख रुपये में बेचना भी मुश्किल हो रहा है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34⁰
न्यूनतम : 21⁰

ईरानी जहाज हमले पर ओवैसी बौखलाए

भारत खामोश क्यों?

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो):

एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भारतीय जलक्षेत्र के पास ईरानी जहाज डेना पर अमेरिकी नौसेना द्वारा किए गए कथित हमले को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से इस घटना को लेकर अपनी गंभीर चिंताएं व्यक्त कीं।

ओवैसी ने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि भारतीय जलक्षेत्र के इतने करीब यह घटना कैसे हुई। उन्होंने सवाल किया कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने इस सैन्य ऑपरेशन को अंजाम देने से पहले भारत सरकार को सूचित किया था? ओवैसी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अमेरिका का एक रणनीतिक भागीदार है और क्वाड समूह का हिस्सा है, ऐसे में इतनी बड़ी

कार्रवाई की जानकारी न होना या उस पर मौन रहना चिंताजनक है।

रणनीतिक स्वायत्तता पर उठते सवाल

सांसद ओवैसी ने चेतावनी दी कि इस मुद्दे पर सरकार की चुप्पी एक रणनीतिक रूप से स्वतंत्र देश के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंचों पर भारत की छवि एक कमजोर राष्ट्र के रूप में बन सकती है। उन्होंने भविष्य के सुरक्षा जोखिमों का जिक्र करते हुए पूछा, कल को यदि चीनी नौसेना इसी तरह के उदाहरण का हवाला देते हुए इन्हीं जलक्षेत्रों में अपनी गतिविधियां शुरू कर दे, तो क्या तब भी सरकार इसी तरह खामोश रहेगी?

ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर की इस मामले पर प्रतिक्रिया न आने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश की जनता को राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जो भारतीय क्षेत्र के करीब हो रहे हैं, के बारे में पारदर्शिता जानने का पूरा अधिकार है। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह स्थिति को स्पष्ट करे और इस सैन्य प्रकरण पर अपना रुख दुनिया के सामने रखे। ओवैसी ने शुक्रवार को हैदराबाद की मस्जिद-ए-कुबा में आयोजित एक विशाल जल्सा-ए-यौम-उल-कुरान सभा को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की, जहाँ ओवैसी ने वर्तमान वैश्विक ▶10पर

ईडी ने शराब घोटाले में 441 करोड़ जब्त किए

हर महीने 100 करोड़ कमाई, हैदराबाद था अड्डा

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो):

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आंध्र प्रदेश शराब घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपियों केसिरेड्डी राजशेखर रेड्डी, बूनेती चाणक्य और दोंतीरेड्डी वासुदेव रेड्डी की 441.63 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। जब्त की गई संपत्तियों में बैंक बैलेंस, फिक्स्ड डिपॉजिट और कीमती जमीनें शामिल हैं। ईडी की जांच में सामने आया है कि 2019 से पहले आंध्र प्रदेश में शराब का व्यापार एक ऑटोमेटेड सॉफ्टवेयर सिस्टम के जरिए होता था, जिससे हर बोतल की ट्रैकिंग संभव थी। आरोप है कि वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी सरकार ने सत्ता में आने के बाद इस डिजिटल सिस्टम को जानबूझकर बंद कर दिया और मैन्युअल सिस्टम लागू किया। इससे अधिकारियों को अपनी मर्जी से सप्लाई ऑर्डर

(ओएफएस) देने की असीमित शक्तियां मिल गईं, जिसका इस्तेमाल स्थापित ब्रांडों को बाजार से बाहर करने और पसंदीदा ब्रांडों को बढ़ावा देने के जांच में खुलासा हुआ कि सिंडिकेट ने सिमिलर-साउंडिंग ब्रांड्स (एसएसबी) यानी असली ब्रांडों से मिलते-जुलते नाम वाले ब्रांड पेश किए, जिनकी कीमतें कृत्रिम रूप से बढ़ा दी गईं। शराब भट्टियों को हर केस पर 15 से 20 प्रतिशत तक किकबैक (कमीशन) देने के लिए ▶10पर

अमेरिका का बड़ा फैसला : भारत को रूसी तेल की खरीद पर मिली 30 दिनों की अस्थायी छूट

वाशिंगटन, 06 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान के साथ जारी भीषण युद्ध और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच अमेरिका ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए भारत को रूसी तेल खरीदने की विशेष छूट दे दी है। वाशिंगटन का यह फैसला वैश्विक ऊर्जा बाजार में कच्चे तेल के प्रवाह को स्थिर बनाए रखने की एक अनिवार्य कोशिश माना जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है जब कुछ समय पहले तक अमेरिका स्वयं भारत पर रूसी तेल की खरीद बंद करने का कड़ा दबाव बना रहा था। वर्तमान में स्ट्रेट आफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) में युद्ध के कारण तेल के सैकड़ों जहाजों के फंसे होने की खबरों ने दुनिया भर में ऊर्जा संकट की स्थिति पैदा कर दी है। अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, यह अस्थायी छूट 30 दिनों के लिए प्रभावी होगी। इस निर्णय का प्राथमिक उद्देश्य समुद्र में फंसे हुए उन रूसी तेल कार्गो को भारतीय रिफाइनरियों तक पहुंचने की अनुमति देना है, जो युद्ध की वजह से अधर में लटके हुए थे। अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ मंत्री स्काट बेसेंट ने इस कदम की पुष्टि करते हुए स्पष्ट किया कि ग्लोबल मार्केट में तेल की निरंतरता सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। हालांकि, अमेरिका ने यह भी साफ किया है कि यह रियायत केवल उन्हीं लेनदेन पर लागू होगी जो पहले से ही समुद्र में हैं, ताकि इससे रूस को कोई नया या बड़ा आर्थिक लाभ न मिल सके। इस कूटनीतिक नरमी के पीछे सबसे बड़ा कारण स्ट्रेट आफ होर्मुज की भौगोलिक और सामरिक स्थिति है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित यह संकरा जलमार्ग वैश्विक तेल और एलएनजी व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा नियंत्रित करता है। ईरान द्वारा इस मार्ग को आंशिक रूप से बाधित किए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल देखा गया है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है क्योंकि वह अपनी तेल जरूरतों का 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का लगभग 50 प्रतिशत आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है।अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने इस संकट के बीच भारत को दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा का आश्वासन दिया है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए वैकल्पिक स्रोतों पर विचार करना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

ईरान ने अमेरिका का वार्निंग सिस्टम किया ध्वस्त, क्या वाशिंगटन पर भारी पड़ रहा तेहरान

तेहरान। कहते हैं बंधी मुट्ठी लाख की, खुल गई तो खाक की। शायद ऐसा ही कुछ अमेरिका के साथ होता दिख रहा है। पूरी दुनिया अमेरिका की ताकत को देखते हुए दहशत में थी लेकिन जब ईरान ने चुनौती दी और जंग शुरु हुई तब यूएस की ताकत पर ही प्रश्न चिन्ह लगने लगे। जब से ईरान ने अमेरिका का वार्निंग सिस्टम ध्वस्त किया है तब से सवाल उठने लगे हैं कि क्या ईरान अमेरिका पर भारी पड़ रहा है। भीषण जंग के बीच अब यह खबर सामने आई है कि ईरान ने अमेरिका को एक गहरा जख्म दे दिया है। जानकारी के मुताबिक ईरान के हमले में कतर में मौजूद अमेरिका की एक अहम मिसाइल चेतावनी प्रणाली को नुकसान पहुंचने की खबर सामने आई है। इसे इस क्षेत्र में अमेरिका का आंख भी कहा जाता था। जानकारी के मुताबिक करीब 1.1 अरब डालर की लागत वाला यह रडार सिस्टम अमेरिकी सेना के मिसाइल रक्षा नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा था। हमले से क्षेत्र में तैनात मिसाइल रक्षा तंत्र को बड़ा झटका लगा है और इससे संभावित मिसाइल हमलों का समय रहते पता लगाने की क्षमता कमजोर हो सकती है। अमेरिकी सैन्य ढांचे को हुए नुकसान की पुष्टि सैटेलाइट तस्वीरों से भी हुई है। प्लैनेट लैब्स द्वारा जारी सैटेलाइट इमेज में अमेरिकी स्पेस फोर्स के ब्लाक 5 बैलिस्टिक मिसाइल अर्ली वार्निंग रडार सिस्टम के आसपास क्षति और आग बुझाने की गतिविधियां दिखाई दी हैं। यह रडार सिस्टम मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सेना द्वारा संचालित सबसे बड़ा मिसाइल चेतावनी रडार माना जाता है। बता दें कि ईरान पर अमेरिका और इजरायली हमलों के बाद युद्ध ने भयावह मोड़ के लिया है। जहां एक तरफ ईरान ने खाड़ी देशों पर लगातार हमले जारी रखे हैं, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने हिंद महासागर में एक ईरानी पोत को डुबो दिया है, जिसमें 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस हमले का असर सिर्फ एक सैन्य ठिकाने को नुकसान तक सीमित नहीं है।

इंसानों के खून तक पहुंच रहा है सीओ2: रिसर्च

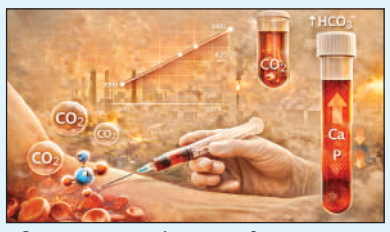

वाशिंगटन। वातावरण में बढ़ता कार्बन डाइआक्साइड (सीओ2) अब सीधे इंसानों के खून तक पहुंच रहा है। बीते 20 सालों के डेटा के विश्लेषण से पता चला है कि इंसानी ब्लड केमिस्ट्री में बड़े और खतरनाक बदलाव हो रहे हैं इतने खामोश कि व्यक्ति को इसका आभास भी नहीं होता। द किडस रिसर्च इंस्टिट्यूट और कुर्टिन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि, यदि सीओ2 का स्तर इसी गति से बढ़ता रहा, तो आगामी दशकों में हमारे शरीर के ब्लड मार्कर हेल्दी सीमा को पार कर जाएंगे। इसका सबसे गहरा असर बच्चों और किशोरों पर पड़ेगा, जिनके शरीर अभी विकासशील अवस्था में होते हैं और वे लंबे समय तक प्रदूषित हवा के प्रभाव में रहेंगे। अमेरिका के करीब 7,000 लोगों के 1999 से 2020 तक के ब्लड सैंपल्स की जांच में पाया गया कि खून में सीरम बाइकार्बोनेट का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बाइकार्बोनेट वह महत्वपूर्ण मार्कर है जो शरीर में सीओ2 की मात्रा का संकेत देता है।

एक्सोटिक मीट का व्यापार खुलेआम होता है मैक्सिको सिटी में

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको की राजधानी मैक्सिको सिटी का मशहूर मेरकाडो डे सेन जोन ऐसा स्थान है जहां

एक्सोटिक मीट का व्यापार खुलेआम होता है। यहां बाज़ार में शेर, टाइगर, मगरमच्छ, जंगली सूअर, आस्ट्रिच जैसे दुर्लभ मांस आसानी से मिल जाते हैं। वेंडर्स दावा करते हैं कि शेर का मांस पूरी तरह फार्म-रेज्ड होता है, इसलिए यह कानूनी रूप से बेचा जा सकता है। यहां आने वाले लोग इसे स्टेक, बर्गर और ग्रिल्ड डिशेज के रूप में चखना पसंद करते हैं। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, शेर का मांस वर्षों से यहां उपलब्ध है और इसकी मांग स्थिर बनी हुई है। इस मार्केट में शेर का मांस करीब 800 पेसोस यानी लगभग 4000 रुपये प्रति किलो की दर से बेचा जाता है, जबकि बर्गर या छोटे पीस 100 पेसोस में मिल जाते हैं। ग्राहकों का दावा है कि इसका स्वाद बीफ जैसा टेंडर और हल्का मीठा होता है, जो मसालों की खुशबू को अच्छी तरह सोखता है। विशेष रूप से चीनी पर्यटक और एडवेंचर पसंद खाने वाले इसे ट्राई करने में दिलचस्पी दिखाते हैं। विक्रेताओं का कहना है कि जो लोग एक बार इसे चख लेते हैं, वे अक्सर वापस लौट आते हैं। यहां टाइगर बर्गर भी उपलब्ध हैं, हालांकि इनमें ज्यादातर फ्रोजन और फार्म से आयातित मीट का उपयोग किया जाता है।

विश्व के 160 देशों में तैनात हैं 1.08 लाख से ज्यादा अमेरिकी सैनिक

पेंटागन ने कहा- ईरान से संघर्ष के साथ सेना अन्य अभियानों को बनाए रखने में भी सक्षम

वाशिंगटन, 06 मार्च (एजेंसियां)।

मध्यपूर्व में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने सैन्य अभियानों को व्यापक रूप दिया है। इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वर्तमान में 108,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक दुनिया के 160 देशों में तैनात या अग्रिम रूप से मौजूद हैं। यह तैनाती ऐसे समय में है, जब अमेरिका, ईरान के साथ जारी संघर्ष का सामना कर रहा है और चीन-रूस से बढ़ते सुरक्षा खतरों से भी निपट रहा है। पेंटागन के शीर्ष अधिकारियों ने सीनेट के समक्ष गवाही देते हुए कहा कि अमेरिकी सेना मध्य पूर्व में चल रहे सक्रिय सैन्य अभियानों के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर अपने अभियानों को बनाए रखने में सक्षम है।

अमेरिकी सेना के वाइस चीफ जनरल क्रिस्टोफर लानेव ने सीनेटरों से कहा कि अमेरिकी बल एक साथ कई क्षेत्रों में सक्रिय हैं और बदलते खतरों के बीच प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखे हुए हैं। लानेव ने कहा कि 1,08,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक 160 देशों में तैनात या अग्रिम रूप से तैनात हैं जो पश्चिमी गोलार्ध में हमारे हितों की सुरक्षा कर रहे हैं। लानेव ने कहा कि मध्य पूर्व में तैनात अमेरिकी सैनिक इस समय ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ जारी संघर्ष के बीच जटिल और खतरनाक माहौल में काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वे मिसाइलों और ड्रोन को रोकने वाली अमेरिकी सेना और साझेदारों का बचाव और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर की रक्षा कर रहे हैं। लानेव ने कहा कि अमेरिकी सैनिक खतरों का तेजी से जवाब देने के लिए इंटेलिजेंस और जाइंट फायर के साथ सहयोग करते हुए थिएटर में फ्यूल, गोला-बारूद और मेडिकल सपोर्ट पहुंचाना जारी रखे हैं। नौसेना के आपरेशंस के वाइस चीफ एडमिरल ने सांसदों को बताया कि पिछले साल अमेरिकी नेवी ने कई सैन्य मिशन चलाए और संयुक्त बलों को समर्थन दिया। उन्होंने बताया कि नेवी अपनी तैयारी मजबूत करने के लिए जहाजों की मरम्मत में हो रही देरी कम कर रही है और शिपयार्ड को आधुनिक बना रही है। साथ ही वह इस लक्ष्य की ओर बढ़ रही है कि उसके 80 फीसदी युद्ध के लिए तैयार जहाज, विमान और पनडुब्बियां हमेशा तैनाती के लिए तैयार रहें।

एयर फोर्स के वाइस चीफ आफ स्टाफ जनरल जेम्स लामोंटेग्ने ने कहा कि वायुसेना अपने विमानों को आधुनिक बना रही है और नए पायलटों को ट्रेनिंग दे रही है। उन्होंने बताया कि वायुसेना का मुख्य काम विमानों को उड़ाने और उन्हें अच्छी स्थिति में रखना है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि एयर फोर्स हर साल करीब 1,500 नए पायलटों को ट्रेनिंग दे रही है और बी-21 बाम्बर जैसे नए विमान और आधुनिक लड़ाकू प्रणालियां भी विकसित कर रही है। स्पेस फोर्स के अधिकारी जनरल माइकल गुएटलीन ने कहा कि आधुनिक युद्ध में अंतरिक्ष की भूमिका अहम हो गई है। उन्होंने बताया कि हाल ही में मिसाइल चेतावनी, नेविगेशन और अंतरिक्ष निगरानी के लिए नए उपग्रह भी लान्च किए गए हैं। जीएओ ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी सेना को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जीएओ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका के पास दुनिया की सबसे मजबूत सेना है, लेकिन पुराने हथियार, मरम्मत में देरी और स्पेयर पार्ट्स की कमी जैसी समस्याएं तैयारी को प्रभावित कर रही हैं।

हालातः ईरान पर हमले के लिए ट्रंप ने दोस्तों से मोल ले ली दुश्मनी! अब दिख रहा अकेला

वाशिंगटन, 06 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हालिया हमले ने वैश्विक राजनीति और सैन्य कूटनीति के स्थापित पैमानों को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। 1991 के खाड़ी युद्ध में जहाँ राष्ट्रपति जार्ज एच.डब्ल्यू. बुश ने एक अभूतपूर्व वैश्विक गठबंधन का नेतृत्व किया था और 2003 में उनके बेटे जार्ज डब्ल्यू. बुश ने आलोचनाओं के बावजूद कई सहयोगियों को साथ रखा था, वहीं वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस युद्ध को लगभग अकेले और इजरायल के साथ मिलकर शुरू किया है। ट्रंप की यह रणनीति दोस्त बनाने के बजाय सहयोगियों पर अत्यधिक दबाव डालने और अमेरिका फर्स्ट की नीति को आक्रामक रूप से लागू करने पर केंद्रित दिखाई दे रही है।

इस सैन्य कार्रवाई ने अमेरिका के सबसे करीबी सहयोगियों के साथ भी तनाव पैदा कर दिया है। ब्रिटेन, जो पारंपरिक रूप से अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य साझेदार रहा है, उसे ट्रंप ने असहयोगी करार देते हुए ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की तुलना विंस्टन चर्चिल के विपरीत कर डाली। ब्रिटेन ने अमेरिकी युद्धक विमानों के लिए अपने ठिकानों के उपयोग को सीमित कर दिया है, जिसका तर्क देते हुए स्टार्मर ने कहा कि वे आसमान से सत्ता परिवर्तन में विश्वास नहीं रखते। वहीं, स्पेन द्वारा सैन्य ठिकानों के उपयोग की अनुमति न देने पर ट्रंप ने व्यापार बंद करने की सीधी धमकी दे डाली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है, जबकि जर्मनी ने इस्लामिक गणराज्य के अंत की उम्मीद तो जताई, लेकिन युद्ध के जल्द खात्मे पर जोर दिया।

इस युद्ध की एक और बड़ी विशेषता संयुक्त राष्ट्र (यूएन) जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की पूर्ण अनदेखी रही है। हमले से पहले किसी भी प्रकार की अंतरराष्ट्रीय अनुमति लेने का दिखावा तक नहीं किया गया। इस कार्रवाई में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने के बाद वैश्विक विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप का अमेरिका अब खुद को अंतरराष्ट्रीय कानूनों से ऊपर देख रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, यह कदम यूरोपीय देशों की उस धारणा को और पुख्ता करता है कि अमेरिका अब वैश्विक नेतृत्व के बजाय अलगाववाद की ओर बढ़ रहा है।

अमेरिका की इस बेरुखी का असर भारत जैसे रणनीतिक भागीदारों पर भी पड़ा है। श्रीलंका के तट के पास एक ईरानी युद्धपोत को नष्ट करने की कार्रवाई, जिसमें 84 नाविक मारे गए, तब हुई जब वह भारत की सद्भावना यात्रा से लौट रहा था। यह घटना दिखाती है कि वर्तमान अमेरिकी प्रशासन सहयोगियों की संवेदनशीलता के प्रति उदासीन है। दूसरी ओर, चीन इस पूरी स्थिति को एक रणनीतिक अवसर के रूप में देख रहा है।

तेल की जिस पाइपलाइन ने ईरान-अमेरिका को बनाया था दोस्त वही बनी दुश्मनी वजह

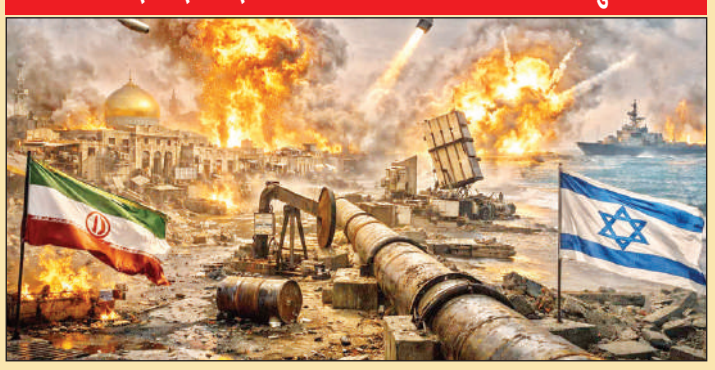

तेहरान। मिडिल ईस्ट इस वक्त बारूद के ढेर पर है। इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई समेत शीर्ष नेतृत्व का खात्मा कर ईरान में हाहाकार मचा दिया है। तेहरान की सड़कों पर बरसते बम और जवाबी कार्रवाई में इजरायल पर गिरती ईरानी मिसाइलों ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया है। खाड़ी देशों पर होते हमलों ने वैश्विक तेल बाजार में आग लगा दी है। लेकिन इतिहास के पन्नों को पलटें तो एक चौंकाने वाला सच सामने आता है आज एक-दूसरे के खून के प्यासे ये दोनों देश कभी तेल के यार हुआ करते थे। यह कहानी 1967 के छह दिवसीय युद्ध से शुरू होती है। उस वक्त इजरायल ने मिस्र, जार्डन और सीरिया को धूल चटाई थी, जिसके जवाब में मिस्र ने दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक धमनी यानी स्वेज नहर को बंद कर दिया था। स्वेज नहर बंद होने से इजरायल के पास तेल आयात का रास्ता बंद हो गया और ईरान के पास तेल निर्यात का। इसी मजबूरी ने कट्टर दुश्मनों को दोस्त बना दिया।1975 तक स्वेज नहर बंद रही, और इसी दौरान 1968 में ईरान और इजरायल ने एक ज्वाइंट वेंचर शुरू किया। उन्होंने लाल सागर के इलात बंदरगाह को भूमध्य सागर के अशकेलोन से जोड़ने के लिए एक गुप्त तेल पाइपलाइन बनाई। इस 254 किलोमीटर लंबी और 42 इंच चौड़ी पाइपलाइन को दुनिया की नजरों से छिपाने के लिए पनामा और लिक्टेंस्टीन आधारित शेल कंपनियों का सहारा लिया गया।

जीवाश्म ईंधनों को इस्तेमाल करने की इंसानों को लत लग चुकी.....जबकि दुनिया के सामने विकल्प उपलब्ध

लंदन, 06 मार्च (एजेंसियां)।

दुनिया कोयला, तेल और गैस जैसी जीवाश्म ईंधनों पर अपनी निर्भरता कम नहीं कर रही है और यह स्थिति अब लत बन चुकी है। यह कहना है ग्लोबल हेल्थ इंस्टीट्यूट में रिसर्च फेलो का हैं। रिसर्च फेलो के अनुसार, जीवाश्म ईंधन जलाने से बड़ी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है, इससे जलवायु परिवर्तन तेज होता है। यही ईंधन वायु प्रदूषण का मुख्य कारण हैं। रिसर्च फेलो के मुताबिक, हर साल करीब 20 लाख मौतें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जीवाश्म ईंधन जलाने के कारण होती हैं। इसके बावजूद, दुनिया साफ और सस्ती ऊर्जा के विकल्प उपलब्ध होने के बाद भी पारंपरिक ईंधनों पर निर्भर बनी हुई है।

रिसर्च फेलो बताती हैं कि निर्भरता के पीछे ऊर्जा कंपनियों के आर्थिक हित, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और धीमे नीतिगत बदलाव जिम्मेदार हैं। हमें नुकसान का पता है, विकल्प भी मौजूद हैं, फिर भी हम बदलाव नहीं कर पा रहे यही लत की विशेषज्ञों के मुताबिक, वायु प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर हमारे फेफड़ों पर पड़ता है। इससे निमोनिया, फेफड़ों का कैंसर और अन्य क्रानिक बीमारियों का खतरा बढ़ता है। प्रदूषित हवा में मौजूद सूक्ष्म जहरीले कण रक्त प्रवाह में घुसकर पूरे शरीर को प्रभावित करते हैं। इससे हृदय रोग और स्ट्रोक की आशंका बढ़ती है।

इसके अलावा, शोध बताते हैं कि लंबे समय तक प्रदूषण के संपर्क में रहने से दिमाग पर असर होता है, जिससे डिमेंशिया और अन्य न्यूरोलाजिकल समस्याएं होती हैं। गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के लिए यह खतरा और अधिक गंभीर है, क्योंकि विकासशील शरीर पर प्रदूषण का प्रभाव स्थायी हो सकता है।

रिसर्च फेलो के अनुसार, जीवाश्म ईंधन का बाजार वैश्विक राजनीति से गहराई से जुड़ा है। उदाहरण के तौर पर, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद गैस की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। ऊर्जा संकट से निपटने के लिए कई देशों ने हाल के वर्षों में कोयला, तेल और गैस उद्योग को लगभग एक ट्रिलियन डालर की सब्सिडी दी।

अमेरिका-इजराइल का ईरान के आजादी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स पर हमला, 12 हजार सीटों की क्षमता वाला इंडोर एरिना पूरी तरह ध्वस्त

तेहरान/वाशिंगटन, 06 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका-इजराइल के संयुक्त सैन्य अभियान से ईरान थर्रा उठा है। अमेरिका और इजराइल ने युद्ध के छठवें दिन ईरान की राजधानी तेहरान में स्थित दुनिया के बेहिसाब खूबसूरत और प्रतिष्ठित फुटबाल मैदान आजादी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स को निशाना बनाया। इस बमबारी में इसका 12 हजार सीटों की क्षमता वाला इंडोर एरिना पूरी तरह ध्वस्त हो गया।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान सरकार ने आजादी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स पर अमेरिकी-इजराइली हमले हमले की निंदा की है। ईरान ने माना है कि उस जगह पर बने 12,000 सीटों वाले इंडोर स्टेडियम को भारी नुकसान हुआ है।

खेलमंत्री अहमद दोन्यामाली ने घटनास्थल का दौरा किया और हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून और ओलंपिक चार्टर का उल्लंघन बताया। उन्होंने दुनिया भर से जवाबदेही तय करने की अपील की। अमेरिका और इजराइल ने इस दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

तेहरान का आजादी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स ईरान का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित खेल परिसर है। इस फुटबाल स्टेडियम की क्षमता लगभग 78,000 से 1,00,000 के बीच है।

इंडोर एरिना का उपयोग वालीबाल, कुश्ती, बास्केटबाल और फुटसल के लिए किया जाता रहा है। काम्प्लेक्स में अन्य सुविधाएं भी हैं। इसमें एक कृत्रिम झील (रोइंग और कयाकिंग के लिए), तैराकी केंद्र, वेलोड्रोम (साइकिलिंग) और प्रशिक्षण मैदान शामिल हैं। इसका ऐतिहासिक महत्व भी है।

मोहम्मद रजा शाह के शासनकाल में इसका निर्माण 1974 के एशियाई खेलों की मेजबानी के लिए किया गया था। इसने 1976 एएफसी एशियाई कप जैसे कई बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी की है। स्थापना के समय मूल रूप से इसे आर्यमेहर स्टेडियम कहा जाता था। 1979 की ईरानी क्रांति के बाद इसका नाम बदलकर आजादी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स कर दिया गया।

ईरान सरकार ने माना कि पांच मार्च के हवाई हमले में इंडोर एरिना के साथ साइकिलिंग फेडरेशन की नई इमारत और डारमिटरी (छात्रावास) को भी भारी क्षति हुई है। सरकार ने लोगों को इस क्षेत्र में जाने से बचने की सलाह दी है। यह काम्प्लेक्स तेहरान के पश्चिम में एकबतन जिले के पास स्थित है।

अमेरिका के रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान को चेताते हुए कहा कि अभी तो लड़ाई शुरू हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अभी और भी बड़ी काम्बैट पावर (सैन्य शक्ति) आनी बाकी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल की सेनाएं मौजूदा क्षमता से कई गुना तेज हमला करेंगी। वाशिंगटन सैन्य अभियान बंद नहीं करेगा।

किसानों का जोखिम कम करने, आय बढ़ाने के लिए किये गये पहल के दिख रहे हैं परिणाम : मोदी

नयी दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां) । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार ने किसानों का जोखिम कम करने और उनकी आय बढ़ाने के लिए जो पहल किये हैं उनके परिणाम दिख रहे हैं।

श्री मोदी ने बजट के पश्चात राष्ट्रीय वेबीनार की श्रृंखला में शुक्रवार को तीसरी वेबीनार का उद्घाटन करते हुए कहा कि करीब 10 करोड़ किसानों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की पीएम किसान सम्मान निधि मिली है। दिन भर के इस वेबीनार का विषय 'कृषि और ग्रामीण क्षेत्र' में बदलाव है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में हुए सुधारों से अब किसानों को उनकी उपज पर डेढ़ गुना तक प्रतिफल मिल रहा है। किसानों को अब तीन चौथाई कर्ज संस्थागत क्षेत्र से मिल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, संस्थागत क्रेडिट कवरेज 75 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। उन्होंने कहा कि पीएम फसल बीमा योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपये के दावों के समाधान किए गए हैं।

श्री मोदी ने कहा, ऐसे अनेक प्रयासों से किसानों का

जोखिम बहुत कम हुआ है और उन्हें एक बुनियादी आर्थिक सुरक्षा मिली है। हम फसल विविधता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। खाद्य तेल और दलहन पर राष्ट्रीय मिशन और प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन, दोनों ही कृषि क्षेत्र को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है।

उन्होंने कहा कि इस प्रगति को और आगे ले जाने के लिए हमें वैज्ञानिक प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना होगा। श्री मोदी ने कहा कि पशुधन का स्वास्थ्य भी एक महत्व-पूर्ण मुद्दा है। भारत अब टीकों के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुका है। पशुओं को खुरपका-मुँहपका (फुट एंड माउथ) रोग से बचाने के लिए अब तक 125 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं।

श्री मोदी ने कहा कि ये टेक्नोलॉजी की सदी है, और सरकार का बहुत जोर कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी संस्कृति लाने पर भी है। प्रधानमंत्री ने वेबिनार में शामिल लोगों से भारतीय कृषि के भविष्य के बारे में सोने और योजनाओं के क्रियान्वयन को कारगर बनाने की अपील की। उन्होंने कहा, आज दुनिया स्वास्थ्य के संबंध में ज्यादा सतर्क है। समग्र स्वास्थ्य और उसमें ऑर्गेनिक भोजन पर बहुत रुचि है। भारत में हमें रसायनिक मुक्त खेती पर बल देना ही होगा, प्राकृतिक खेती पर बल देना होगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से रसायनिक मुक्त उत्पाद से दुनिया के बाजार तक पहुंचने में हमारे लिए एक राजमार्ग बन जाता है। उसके लिए प्रमाणन और प्रयोगशाला की व्यवस्था करने के बारे में सरकार सोच रही है।

हिज़्बुल्लाह लेबनान की सीमा से सटे क्षेत्रों में रहने वाले इजरायली लोगों से घरों को खाली कर कहीं अन्य स्थान पर चले जाने को कहा

बेरुत 06 मार्च (एजेंसियां) । हिज़्बुल्लाह ने लेबनान की सीमा से लगे पांच किलोमीटर के दायरे में रहने वाले इजरायल के नागरिकों को शहरों को छोड़कर किसी दूसरे स्थान पर चले जाने के लिए कहा है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार हिज़्बुल्लाह ने यह चेतावनी शुक्रवार सुबह हिब्रू में अपने टेलीग्राम चैनल पर एक संदेश साझा करके दी।

हिज़्बुल्लाह ने कहा, लेबनान की आज़ादी और सुरक्षित नागरिकों के खिलाफ आपकी सेना का हमला, नागरिक बुनियादी ढांचा को नुकसान पहुंचाना और लोगों से घरों को खाली करवाने का अभियान चलाने की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उसे बिना चुनौती दिए नहीं छोड़ा जाएगा।

उधर, इज़रायली सेना ने गुरुवार देर शाम लेबनान पर हमला शुरू किया और इसके बाद लोगों को बेरूत के दक्षिणी इलाकों से निकलने के लिए कहा गया, जो हिज़्बुल्लाह का गढ़ है।

इजरायली रक्षा बलों ने कहा था कि उसने ईरान की राजधानी तेहरान में ईरानी आतंकी शासन की अवसंरचना के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले शुरू कर दिये हैं।

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत को दी पाबंदियों में ढील

वाशिंगटन 06 मार्च (एजेंसियां) । अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए कुछ समय के लिए पाबंदियों पर ढील दे दी है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने कुछ समय के लिए पाबंदियों में ढील दी है, ताकि भारत समुद्र में फंसे रूसी तेल को खरीद सके। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि 30 दिन की छूट से वैश्विक बाजार में तेल की आवाजाही बनी रहेगी ईरान की वैश्विक ऊर्जा को बंधक बनाने की

कोशिश से पैदा हुए दबाव को कम किया जा सकेगा।

श्री बेसेंट ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि यह कदम एक जानबूझकर उठाया गया अल्पकालीन है जिससे रूसी सरकार को कोई खास वित्तीय फायदा नहीं होगा क्योंकि इसमें सिर्फ वही तेल शामिल है जो पहले से समुद्र में फंसा हुआ है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी तेल पर पाबंदी लगा दी, जिससे खरीदारों को दूसरे विकल्प ढूंढने पड़े थे।भारत रूस ऊर्जा का एक बड़ा खरीदार है और अमेरिका ने भारत पर दबाव डाला है कि वह हमले के लिए पैसे का बहाव कम करने की कोशिश में उसका (रूस) तेल खरीदना बंद कर दे।

भारत को तेल खरीदने के वास्ते मांगनी पड़ रही अमेरिका से छूट

देश की के लिए हैं अपमानजनक: वेणुगोपाल

नयी दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां) । कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा है कि अमृत काल में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र को अपनी पसंद के देश से तेल खरीदने के लिए अन्य देशों के सामने गुहार लगानी पड़ रही है, जो भारत की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए बेहद अपमानजनक है।

श्री वेणुगोपाल ने शुक्रवार को कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि भारत को अपने लंबे समय से विश्वसनीय साझेदार रूस से

तेल खरीदने के लिए अमेरिका से छूट मांगनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और ऊर्जा सुरक्षा पर सवाल खड़े करती है।

गौरतलब है कि कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि श्री मोदी को अमेरिका द्वारा शर्तें थोपे जाने के खिलाफ मजबूती से खड़ा होना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय वह भारत की ऊर्जा संप्रभुता को दूसरे देशों के हाथों में सौंप रहे हैं। श्री वेणुगोपाल ने कहा कि भारत को मजबूत और स्वतंत्र रुख अपनाते हुए अपने सर्वोच्च राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्णय लेने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति किसी अन्य देश के निर्देशों पर नहीं चलनी चाहिए और न ही किसी से अनुमति लेकर फैसले किए जाने चाहिए।

भाजपा ने लोकसभा सांसदों के लिए व्हिप जारी किया 9-10 मार्च को सदन में मौजूद रहने के निर्देश

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां) । भाजपा ने शुक्रवार को अपने लोकसभा सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया, जिसमें उन्हें अगले हफ्ते सदन में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है, जब बजट सेशन का दूसरा फेज शुरू होगा। पार्टी की ओर से कहा गया है कि 9-10 मार्च को सदन में बहुत महत्वपूर्ण विधायी कार्य पर चर्चा होगी और इसलिए उनकी उपस्थिति आवश्यक है। लोकसभा में सभी भाजपा सांसदों को ये निर्देश ऐसे समय में दिए गए हैं जब सदन में विपक्ष के खिलाफ कथित भेदभाव और एकतरफा रवैये को लेकर स्पीकर ओम बिरला को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है।

भाजपा के व्हिप, जिस पर 6 मार्च की तारीख है और लोकसभा में भाजपा के चीफ व्हिप डॉ. संजय जायसवाल के साइन हैं, ने कहा, सभी भाजपा सांसदों को सूचित किया जाता है कि लोकसभा में सोमवार, 9 मार्च और 10 मार्च को कुछ बहुत जरूरी लेजिस्लेटिव काम पास होने के लिए रखे जाएंगे। इसलिए, लोकसभा के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे दोनों दिन सदन में जरूर मौजूद रहें और सरकार के रुख का

समर्थन करें।

रिपोर्ट्स के अनुसार, लोकसभा में 9 मार्च को ही स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का लाया गया प्रस्ताव चर्चा के लिए आ सकता है। इस दिन स्पीकर ओम बिरला के भी मौजूद रहने की संभावना है। हालांकि, उनके सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता करने की संभावना नहीं है क्योंकि जिस दिन विपक्ष ने उनके खिलाफ प्रस्ताव पेश किया था, उसी दिन उन्होंने कार्यवाही से खुद को अलग करने की कसम खाई थी।

तय नियमों और गाइडलाइंस के मुताबिक, स्पीकर बिरला को सदन में प्रस्ताव आने पर उसके खिलाफ वोट करने का अधिकार होगा।

बता दें कि विपक्ष के 100 से ज्यादा सदस्यों ने लोकसभा स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव का नोटिस दिया था।

कांग्रेस और विपक्ष स्पीकर के राहुल गांधी के प्रति कथित भेदभाव से गुस्से में थे, उन्होंने उन पर कई आरोप लगाए, जिसमें दावा किया गया कि विपक्ष के नेता को राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देने का मौका नहीं दिया गया, गलवान में झड़प के दौरान चीनी सैनिकों के 'आगे बढ़ने' की खतरनाक रिपोर्ट उठाने का उनका अधिकार छीन लिया गया और जब विपक्ष ने इसका विरोध किया, तो उनमें से आठ को सस्पेंड कर दिया गया। खास बात यह है कि कांग्रेस पार्टी ने भी अपने लोकसभा सांसदों को ऐसा ही व्हिप जारी किया है, जिसमें उन्हें 9 मार्च से 11 मार्च तक तीन दिनों के लिए सदन में मौजूद रहने को कहा गया है।

राजनाथ ने विमान दुर्घटना में दो पायलट की मौत पर दुख व्यक्त किया

नयी दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां) । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वायु सेना के लड़ाकू विमान सुखोई की दुर्घटना में उसके दोनों पायलट की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि संकट की इस घड़ी में देश शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ा है।

वायु सेना का लड़ाकू विमान सुखोई-30 गुरुवार को असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और इसमें सवार दोनों पायलटो की मौत हो गई थी ।

श्री सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रवेश दुर्गाकर की त्रासदी पूर्ण हादसे में मौत से बहुत दुखी हूं । उनके साहस और राष्ट्र के प्रति सेवा को हमेशा गौरव और कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं । संकट की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

वायु सेना के प्रवक्ता ने सुबह विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना में विमान के दोनों पायलटो स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रवेश दुर्गाकर की मौत हो गई है।

प्रवक्ता ने कहा कि वायु सेना दुख और संकट की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के प्रति शोक और संवेदना व्यक्त करती है।

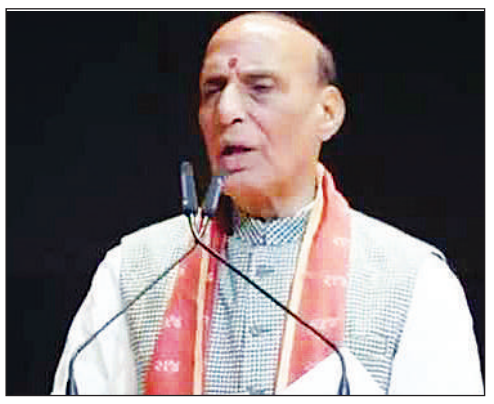

उन्होंने कहा कि दुर्घटना जोरहाट से 60 किलोमीटर दूर हुई। दुर्घटना के तुरंत बाद से वायु सेना की ओर से व्यापक बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

इससे पहले वायु सेना ने गुरुवार देर रात बताया था कि एक सुखोई विमान के निर्धारित समय पर वापस नहीं पर आने पर खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया था। प्रवक्ता ने कहा था कि एक सुखोई लड़ाकू विमान के निर्धारित समय पर वापस नहीं आने की सूचना मिली है। इस विमान ने असम के जोरहाट हवाई अड्डे से नियमित प्रशिक्षण उड़ान भरी थी और इससे गुरुवार शाम सात बजकर 42 मिनट पर अंतिम बार संपर्क हुआ था।

राहुल ने सुखोई विमान दुर्घटना में दो पायलटों के निधन पर जताया शोक

नयी दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां) । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वायु सेवा के सुखोई विमान दुर्घटना में दो पायलटों के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को अपने शोक संदेश में कहा, भारतीय वायुसेना के वीर जवान स्क्वाड्रन लीडर अनुज एवं फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरागकर का विमान दुर्घटना में शहीद होने का समाचार अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। भारत के इन वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। इस दुख की घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

गौरतलब है कि वायु सेना का सुखोई 30 गुरुवार को असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस दुर्घटना में दोनों वीर पायलटों की मौत हो गयी। वायु सेना ने शुक्रवार को इन दोनों पायलटों के निधन की पुष्टि की।

महाराष्ट्र बजट दिवंगत अजित पवार को समर्पित, उनके नाम पर स्मारक और 'गतिमान नागरी सेवा पुरस्कार' की घोषणा

मुंबई, 06 मार्च (एजेंसियां) । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2026-27 का राज्य बजट पेश किया। सीएम फडणवीस ने यह बजट दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार की स्मृति को समर्पित किया, जिनका असामयिक निधन राज्य के लिए अपूरणीय क्षति साबित हुआ है। सीएम फडणवीस ने भावुक होकर कहा कि अजित पवार ने 11 बार राज्य बजट पेश किया था और बजट के साथ उनका गहरा नाता था। उनके सख्त अनुशासन और कर्मठता के कारण महाराष्ट्र की आर्थिक स्थिति कठिन दौर में भी स्थिर रही। उन्होंने विकास की दिशा दी, जो आज भी प्रेरणा देती है। उन्होंने घोषणा की कि अजित पवार के व्यक्तित्व के अनुरूप एक भव्य स्मारक का निर्माण किया जाएगा। साथ ही, उनके नाम पर 'गतिमान नागरी सेवा पुरस्कार' स्थापित किया जाएगा, जो गतिशील और कुशल सिविल सेवकों को सम्मानित करेगा।

बजट में कृषि और किसान

कल्याण पर विशेष फोकस किया गया है और किसानों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। सीएम फडणवीस ने बताया कि राज्य की कृषि आय में पशुपालन का योगदान 25 प्रतिशत है, जिसे बढ़ाने के लिए 'मुख्यमंत्री ग्रामीण पशुधन उद्यमी योजना' शुरू की जाएगी। पशुपालन और मत्स्य पालन को कृषि के समान दर्जा दिया जाएगा, जिससे उन्हें सभी बुनियादी सुविधाएं और रियायतें मिलेंगी।सीएम फडणवीस ने बताया कि किसानों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के लिए 'वसुधा' नामक संदेश सेवा शुरू की जाएगी, खासकर उन किसानों के लिए जिनके पास स्मार्टफोन नहीं हैं। एग्रीस्टैक में 1 करोड़ से अधिक किसानों का पंजीकरण हो चुका है, जिसमें आदिवासी वन पट्टाधारक भी शामिल हैं। महाराष्ट्र प्राकृतिक खेती अभियान शुरू किया जाएगा, जिसका लक्ष्य 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लाना है।उन्होंने बताया कि कृषि अर्थव्यवस्था को 9 गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, जीडीपी को 55 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर तक ले जाना है। किसानों की उपज को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने के लिए एकीकृत मूल्य श्रृंखला तैयार की जाएगी। विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे महावेध, क्रॉपसैप, महाडीबीटी और को-ऑपरेटिव स्टैक को एकीकृत किया जाएगा। स्वर्गीय गोपीनाथ मुंडे दुर्घटना समूह अनुदान योजना में कृषि मजदूरों को भी शामिल किया जाएगा।

बजट में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) चरण-2 के तहत 27,87,000 घरों को मंजूरी मिली है, जिसमें अब तक 33,410 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। इन घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए अतिरिक्त अनुदान दिया जाएगा। पीएम जनमन आवास योजना के अंतर्गत 54,129 घर मंजूर हुए, जिनमें से 17,929 का निर्माण पूरा हो चुका है। ग्रामीण गरीब परिवारों को पक्के घरों की गारंटी दी गई है।इंफ्रास्ट्रक्चर और मेट्रो विकास पर भी ध्यान दिया गया है। प्रमुख शहरों में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। मुंबई, नागपुर और पुणे में मेट्रो लाइनों की लंबाई बढ़ाकर 490 किलोमीटर की जाएगी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन मार्ग पर स्थित तीन स्टेशनों का काम 2027 तक पूरा होगा। मुंबई में 20 लाख झुग्गी-झोपड़ियों और 10 लाख किफायती आवासों का पुनर्विकास होगा।वडाला से गेटवे ऑफ इंडिया तक मुंबई मेट्रो लाइन 11 भूमिगत परियोजना 23,487 करोड़ रुपए की लागत से शुरू होगी, जिसे धारावी पुनर्वास से बांद्रा तक विस्तारित किया जाएगा। मुंबई मेट्रो लाइन 8 (हवाई अड्डा कनेक्टिविटी) 22,862 करोड़ रुपए में शुरू होगी। तालोजा से खांडेश्वर तक मेट्रो लाइन-2 नवी मुंबई हवाई अड्डे को जोड़ेगी। गोरेगांव-मुलुंड लिंक का पहला चरण अंतिम चरण में है।बजट में उद्योग क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को 12 गुना बढ़ाने का लक्ष्य है, जीडीपी को 123 अरब डॉलर से 1500 अरब डॉलर तक ले जाना है। महाराष्ट्र को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग केंद्र बनाया जाएगा। हर उद्योग-प्रधान जिले में इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित होंगे। एमएसएमई के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी।वहीं, 'लाडकी बहिन योजना' जरूरी फंडिंग के साथ जारी रहेगी। हालांकि, वित्तीय अनुशासन पक्का करने और असली लाभार्थी को टारगेट करने के लिए एक वेरिफिकेशन किया गया है।

मैनपुरी और इटावा में विकसित होगा सारस सर्किट, सारस संरक्षण के साथ इको टूरिज्म को बढ़ावा

लखनऊ, 06 मार्च (एजेंसियां) । योगी सरकार प्रदेश के राजकीय पक्षी सारस (क्रेन) के संरक्षण और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सारस सर्किट की स्थापना कर रही है। सारस सर्किट का विकास प्रदेश के मैनपुरी और इटावा जिलों के वेटलैंड्स में किया जा रहा है, जिसके तहत मैनपुरी के किर्थुआ, सहस, कुर्रा जरावां, सौज एवं समन के साथ इटावा के सरसई नावर और परौली रामायण वेटलैंड एरिया में सारस सर्किट विकसित किया जा रहा है। सारस सर्किट में सारस पक्षी के संरक्षण के साथ इको-टूरिज्म की गतिविधियों को भी शामिल किया जा रहा

है, जिसका मुख्य उद्देश्य सारस पक्षी और वेटलैंड्स संरक्षण के साथ स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा देना है। यह स्थानीय लोगों को आय के अवसर उपलब्ध करवाएगा और सारस पक्षी और वेटलैंड्स के संरक्षण के लिए भी प्रेरित करेगा। इन परियोजनाओं का विकास ईको-टूरिज्म विकास बोर्ड के माध्यम से प्रदेश का वन विभाग कर रहा है। दुनिया में सबसे लंबी उड़ान के लिए जाना जाने वाला सारस पक्षी, उत्तर प्रदेश का राजकीय पक्षी है। इसका आवास और प्रजनन क्षेत्र विशेषतौर पर राज्य के मैनपुरी, इटावा, एटा, अलीगढ़ की वेटलैड्स में है। जिसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार सारस पक्षी के संरक्षण के लिए सारस सर्किट का विकास कर रही है। जहां प्रदेश का वन विभाग, यूपी ईको टूरिज्म विकास बोर्ड के माध्यम से क्षेत्र के उथले जलाशयों, तालाबों और अन्य वेटलैड्स को संरक्षित कर सारस पक्षी के अनुकूल बनाने का प्रयास कर रहा है। साथ ही क्षेत्र में ईको टूरिज्म की गतिविधियों को भी विकसित किया जा रहा है।इस क्रम में मैनपुरी और इटावा जिलों के सारस सर्किट में प्रवेश द्वार, व्यू पॉइंट, डेक एवं बोटिंग स्पॉट, बटरफ्लाई गार्डन, सोलर साइट लाइटिंग, इंटरप्रिटेशन सेंटर, पार्किंग जैसी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। साथ ही, सारस सर्किट में पर्यटकों की सुविधा के लिए सूचना केंद्र, ईको-टॉयलेट ब्लॉक, पार्किंग, इंटरैक्टिव साइनेज, फूड कियोस्क और ओडीओपी व स्मृति चिन्ह की दुकानें भी विकसित की जाएंगी।

कमलिनी मुखर्जी: कविताओं से शुरू हुआ सफर फिर सिनेमा की दुनिया की बनीं चर्चित अभिनेत्री

भारतीय सिनेमा की दुनिया में कई कलाकार ऐसे हैं जिनकी पहचान सिर्फ उनके अभिनय से नहीं, बल्कि उनके विचारों से भी बनती है। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं कमलिनी मुखर्जी, जिन्होंने अपनी सादगी और दमदार किरदारों से खास जगह बनाई। बहुत कम लोग जानते हैं कि कैमरे के सामने आने से पहले उनका रिश्ता शब्दों से था। बचपन में उन्हें कविता लिखना पसंद था और साहित्य उनकी पहली पसंद रहा। कमलिनी मुखर्जी का जन्म 4 मार्च 1984 को कोलकाता में हुआ। उनके पिता कारोबारी थे और उनकी मां ज्वैलरी डिजाइनर हैं। घर में रचनात्मक माहौल था, जिसका असर उन पर भी पड़ा। स्कूल और कॉलेज के दिनों में उन्हें पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। खासतौर पर अंग्रेजी साहित्य में उनकी गहरी रुचि थी। उन्होंने कोलकाता से अंग्रेजी साहित्य में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इसी दौरान वह कविताएं लिखती थीं और मंच पर नाटक भी करती थीं। बचपन से ही उन्हें अभिनय करना अच्छा लगता था। ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने दिल्ली में होटल मैनेजमेंट का कोर्स शुरू किया, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि उनकी असली रुचि अभिनय और थिएटर में है। इसके बाद वह मुंबई चली गईं और थिएटर वर्कशॉप जॉइन की। यहीं से उनके अभिनय सफर की असली शुरुआत हुई।साल 2004 में उन्होंने हिंदी फिल्म 'फिर मिलेंगे' से अपने करियर की शुरुआत की। यह फिल्म एड्स जैसे गंभीर विषय पर आधारित थी। इसमें उनका छोटा लेकिन अहम किरदार था।

उसी साल उन्हें तेलुगू फिल्म 'आनंद' का भी ऑफर मिला। इस फिल्म में उन्होंने एक ऐसी लड़की की भूमिका निभाई जो आत्मनिर्भर और मजबूत सोच की है। उनके इस किरदार को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नंदी पुरस्कार भी मिला। यह उनके करियर की बड़ी उपलब्धि थी।

नाना पाटेकर को गुरु मानती है कुब्रा सैत, बोलीं

सेट पर उनके काम को देखना किसी क्लास की तरह

फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर ने मेहनत और अभिनय के दम पर लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। उन्होंने दशकों से फिल्मों के जरिए लोगों का मनोरंजन किया। वह पूरी लगन के साथ अपना किरदार निभाते हैं और यही वजह है कि सिनेमा में कई कलाकार उन्हें अपना गुरु मानते हैं। इनमें से एक हैं अभिनेत्री कुब्रा सैत, जो इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म संकल्प को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उनके साथ नाना पाटेकर हैं।

फिल्म संकल्प का निर्देशन प्रकाश झा कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच क्रुब्रा सैत ने नाना पाटेकर के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। क्रुबा ने कहा कि उन्होंने नाना पाटेकर से अभिनय की बारीकियां सीखीं हैं, साथ ही उन्हें काम के प्रति समर्पण भी सीखने को मिला।

नाना पाटेकर की तारीफ करते हुए कुब्रा सैत ने कहा, नाना पाटेकर शानदार अभिनेता हैं। वह अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं। वह हर सीन को बहुत गंभीरता से लेते हैं और उसकी तैयारी भी उतनी ही मेहनत से करते हैं। वह अक्सर अगले दिन के सीन्स की कहानी खुद अपने हाथों से लिखते हैं और फिर उसकी हर लाइन को याद भी करते हैं।

कुब्रा ने कहा, नाना पाटेकर की लिखने की शैली बहुत प्रभावशाली है और काम करने का तरीका भी बेहद अलग है। सेट पर उन्हें काम करते हुए देखना मेरे लिए किसी सीखने वाली क्लास की तरह है। उनका ध्यान हर छोटी-छोटी बात पर रहता है। यही वजह है कि उनके साथ काम करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने वाला अनुभव साबित हुआ।सेट के बारे में बताते हुए कुब्रा ने कहा, संकल्प के सेट पर कलाकारों के बीच काफी सहयोग भरा माहौल था, जहां हर कोई एक-दूसरे से कुछ नया सीख रहा था। नाना पाटेकर जैसे कलाकार नई पीढ़ी के अभिनेताओं के लिए एक प्रेरणा हैं और उनके साथ काम करना किसी सौभाग्य से कम नहीं है।

आप हमारी यादों में हमेशा जीवित रहेंगी

अभिनेत्री शम्मी को जैकी श्रॉफ ने दी श्रद्धांजलि

हिंदी सिनेमा में करीब पांच दशकों तक अपनी सशक्त अदाकारी से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली मशहूर अभिनेत्री शम्मी की शुक्रवार को पुण्यतिथि है। इस अवसर पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जैकी श्रॉफ ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री की एक पुरानी तस्वीर साझा की। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, आप हमारी यादों में हमेशा जीवित रहेंगी। जैकी श्रॉफ की इस पोस्ट को देखकर प्रशंसक भी भावुक हो गए। कई लोगों ने कमेंट करते हुए लिखा कि शम्मी जी की मुस्कान और उनकी सहज अदाकारी आज भी लोगों के दिलों में बसती है। शम्मी करीब छह दशकों तक मनोरंजन जगत में सक्रिय रहीं। उनका असली नाम नरगिस रबादी था, लेकिन बाद में वे 'शम्मी आंटी' के नाम से बेहद लोकप्रिय हो गईं। उन्होंने फिल्मों में आंटी, नानी और परिवार की बुजुर्ग महिला जैसे अनेक किरदार निभाए, जिनकी बदौलत वे घर-घर में पहचानी जाने लगीं।

उनके 'शम्मी' नाम रखने के पीछे भी एक दिलचस्प कहानी बताई जाती है। कहा जाता है कि करियर के शुरुआती दौर में जब नरगिस रबादी काम की तलाश में थीं, तब उन्हें अपनी पहली फिल्म 'उस्ताद पेड्रो' मिली। इस फिल्म के निर्माता शेख मुख्तार ने उन्हें अपना नाम बदलने की सलाह दी थी, क्योंकि उस समय अभिनेत्री नरगिस दत्त इंडस्ट्री का बड़ा नाम थीं। नाम की समानता से बचने के लिए नरगिस रबादी ने अपना नाम बदलकर 'शम्मी' रख लिया।

अभिनेत्री ने फिल्मों के अलावा, टेलीविजन में भी काम किया है। उन्होंने टीवी पर कॉमेडी में अपनी अमिट छाप छोड़ी, जिसमें 'देख भाई देख', 'जबान संभाल के', 'श्रीमान श्रीमती', 'कभी ये कभी वो', और 'फिल्मी चक्कर' जैसे सीरियल शामिल हैं।

वे फैशन डिजाइनर मणि रबादी की छोटी बहन थीं। फिल्म निर्माता सुल्तान अहमद के साथ उनकी शादी सात साल में टूट गई। वह अभिनेत्री नरगिस दत्त की बहुत अच्छी दोस्त थीं। अभिनेत्री ने मल्हार (1951), इल्जाम (1954), हलाकू (1956), दिल अपना और प्रीत पराई (1960), हाफ टिकट (1962), कुली नंबर 1 (1991), गोपी किशन (1994), हम साथ-साथ हैं (1999), और शिरीन फरहाद की तो निकल पड़ी (2013) जैसी फिल्मों में काम कर अपने अभिनय का लोहा मनवाया था।

जर्नलिज्म छोड़ अभिनय में बनाई पहचान, साउथ ही नहीं बॉलीवुड में भी श्रद्धा दास ने छोड़ी छाप

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार ऐसे हैं, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों से आकर अभिनय की दुनिया में नाम कमाया है। ऐसी ही एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं श्रद्धा दास, जिन्होंने पत्रकारिता की डिग्री हासिल की, लेकिन किस्मत उन्हें एक्टिंग की ओर ले आई। आज वह साउथ सिनेमा का जाना-माना चेहरा हैं और बॉलीवुड में भी अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। 4 मार्च 1987 को मुंबई के एक बंगाली परिवार में जन्मीं श्रद्धा ने मुंबई विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ मास मीडिया (जर्नलिज्म) की डिग्री हासिल की। कॉलेज के दिनों में ही उन्हें अभिनय का शौक हो गया। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के कलाकारों जैसे पीयूष मिश्रा और चितरंजन गिरी जैसे एक्टर्स के साथ थिएटर वर्कशॉप की, थिएटर में अच्छी ट्रेनिंग ली और फिर एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। श्रद्धा ने साल 2008 में तेलुगू फिल्म 'सिद्धु फ्रॉम सिकाकुलम' से अभिनय की शुरुआत की, जिसमें वह अभिनेता नरेश के साथ नजर आईं। यह उनका साउथ डेब्यू था। तेलुगू के बाद उन्होंने तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली और हिंदी फिल्मों में भी काम किया। साउथ में वह 'आर्या 2', 'डार्लिंग', 'नागावल्ली', और 'गुंटूर टॉकीज' जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। वहीं, कई फिल्मों में उन्हें 'सीक्वल क्वीन' का टैग भी मिला, क्योंकि वह कई सीक्वल में नजर आईं।

श्रद्धा ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से साउथ और बॉलीवुड दोनों में मजबूत जगह बनाई। मॉडलिंग से शुरुआत करने वाली श्रद्धा ने एक्टिंग ट्रेनिंग पर खास ध्यान दिया। वह चुलबुली, तेज और रोमांटिक रोल्स में बखूबी जंचती हैं। श्रद्धा के बॉलीवुड में काम की बात करें तो उन्होंने डेब्यू साल 2010 में फिल्म 'लाहौर' से किया, जिसमें उन्होंने इदा का किरदार निभाया था। इसके बाद 'दिल तो बच्चा है जी', 'लकी कबूतर', 'सनम तेरी कसम', 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' जैसी फिल्मों में काम किया।

'सनम तेरी कसम' में उनका किरदार दर्शकों को खासा पसंद आया। फिल्म में उनके किरदार का नाम रूबी रहता है। बॉलीवुड में वह सपोर्टिंग रोल्स में ज्यादा नजर आईं, लेकिन अपनी खूबसूरती, तेज-तर्रार अंदाज और रोमांटिक भूमिकाओं से दर्शकों के बीच प्रभाव छोड़ा। श्रद्धा दास अब तक 50 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जो अलग-अलग भाषाओं में हैं। बेहतरीन एक्टिंग के साथ ही श्रद्धा एक शानदार डांसर भी हैं, जो उनके परफॉर्मेंस को और आकर्षक बनाता है। फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज और टीवी शोज में भी काम कर चुकी हैं।

महिलाओं के लिए खास मुहिम

'सेल्फी लो, शाइन करो' में दिखेंगी शिल्पा शिंदे

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे इन दिनों टेलीविजन सीरियल 'भाभी जी घर पर हैं' को लेकर चर्चा में हैं। अब वे विमेंस डे के मौके पर एंड टीवी की एक खास पहल में शामिल हो रही हैं। इस पहल का नाम है सेल्फी लो, शाइन करो। यह अभियान महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ाने और खुद को सेलिब्रेट करने के लिए बनाया गया है। शिल्पा शिंदे इस मुहिम में हिस्सा लेंगी और महिलाओं को प्रोत्साहित करेंगी। यह कार्यक्रम 7 और 8 मार्च को लखनऊ के एक बड़े मॉल में होगा। शिल्पा वहां पहुंचकर लोगों से बात करेंगी, सेल्फी लेने में मदद करेंगी और इस पहल की भावना को फैलाएंगी।

शिल्पा शिंदे ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, मैं सच में मानती हूं कि कॉन्फिडेंस इस बात से शुरू होता है कि हम खुद को कैसे देखते हैं। मुझे बहुत खुशी है कि एंड टीवी ऐसा प्लेटफॉर्म बना रहा है, जहां महिलाओं को न सिर्फ सेलिब्रेट किया जाता है, बल्कि उन्हें देखा और पहचाना भी जाता है।उन्होंने आगे कहा, मैं लखनऊ में सभी से मिलने और इस खूबसूरत पहल का हिस्सा बनने का इंतजार कर रही हूं। यह महिलाओं को अपने तरीके से चमकने के लिए प्रोत्साहित करता है।

सेल्फी लो, शाइन करो, स्टार बन जाओ का यह अभियान महिलाओं के लिए मजेदार और अच्छा महसूस कराने वाला है। महिलाएं मॉल में खास इंस्टॉलेशन पर सेल्फी क्लिक कर सकती हैं और एंड टीवी को टैग करके शेयर कर सकती हैं। इससे उन्हें चमकने का मौका मिलेगा।

8 मार्च को चुनी गई कुछ महिलाओं को शिल्पा शिंदे से मिलने का मौका मिलेगा। एक लकी विनर को एंड टीवी के आने वाले एपिसोड में दिखाया जाएगा, जो उनकी सेल्फी को स्टार मोमेंट में बदल देगा।

एंड टीवी की चीफ चैनल ऑफिसर और जी5 की हिंदी बिजनेस हेड कावेरी दास ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, एंड टीवी में हम सिर्फ मजबूत महिलाओं की कहानियां नहीं दिखाते, बल्कि उनके लिए असली प्लेटफॉर्म बनाते हैं। यह विमेंस डे इनिशिएटिव सेलिब्रेशन से आगे बढ़कर असली विजिबिलिटी लाने का हमारा तरीका है। उन्होंने आगे जोड़ते हुए कहा, महिलाओं को चैनल पर फीचर होने और दिखाए जाने का मौका देकर हम एम्पावरमेंट को और मजबूत कर रहे हैं। यह कॉन्फिडेंस, मौके और ऐसे पलों के बारे में है जो सच में मायने रखते हैं।

26 को राम नवमी

राम नवमी का त्योहार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम को समर्पित है। पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के रुप में मनाया जाता है। इस दिन 9 दिनों तक चलने वाली चैत्र नवरात्रि का समापन भी होता है। भगवान विष्णु के सातवें अवतार श्री राम का जन्म अयोध्या नगरी में नवमी तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र और कर्क लग्न में हुआ था। भक्त इस दिन को बड़े ही उत्साह के साथ मनाते है और मंदिरों में भजन, कीर्तन और पाठ का आयोजन किया जाता है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, भगवान श्री राम का जन्म चैत्र शुक्ल नवमी को दोपहर के समय हुआ था। इसलिए, रामनवमी का व्रत उसी दिन किया जाता है जब नवमी तिथि मध्याह्न काल में व्याप्त हो। इस बार नवमी तिथि 26 मार्च 2026, गुरुवार को सुबह 11 बजकर 49 मिनट से लेकर अगले दिन 27 मार्च 2026, शुक्रवार को सुबह 10 बजकर 08 मिनट तक रहेगी। ऐसे में 27 मार्च को नवमी तिथि मध्याह्न काल को स्पर्श नहीं कर रही है, इसलिए 26 मार्च का दिन ही राम नवमी मनाई जाएगी।

राम नवमी का शुभ मुहूर्त

भगवान श्री राम के जन्म के समय पुनर्वसु नक्षत्र था। यदि नवमी तिथि के साथ पुनर्वसु नक्षत्र का योग हो तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। हालांकि इस बार इस बार नवमी पर आर्द्रा नक्षत्र का संयोग रहेगा। भगवान राम का जन्म दोपहर में हुआ था। इसलिए राम नवमी के दिन पूजा करने का सबसे अच्छा समय शास्त्र सम्मत दोपहर का माना गया है। इस लिए पुजा का शुभ मुहूर्त मध्याह्न काल सुबह 11 बजकर 21 मिनट से दोपहर 1 बजकर 46 मिनट तक रहेगा।

रामनवमी पर पूजा विधि

रामनवमी के दिन स्नान करने के बाद भगवान श्री राम का ध्यान करें।

पूजा सामग्री के साथ पूजा स्थल पर बैठ जाएं और व्रत का संकल्प लें।

भगवान की पूजा के लिए तुलसी पत्ता और कमल का फूल अवश्य रखें।

राम दरबार की तस्वीर पर गंगाजल से छीटें दें और धूप-दीप दिखाएं।

इसके बाद सोलह चरणों वाली षोडशोपचार से भगवान राम की पूजा करें।

भगवान राम की आरती उतारें और खीर, फल समेत अन्य प्रसाद चढ़ाएं।

आरती के बाद राम रक्षास्त्रोत या विष्णु सहस्रनाम का पाठ करना शुभ माना जाता है।

चैत्र कृष्ण चतुर्थी पर अमृतकाल और सर्वार्थ सिद्धि योग

सनातन धर्म में पंचांग का बहुत महत्व होता है। यह रोजाना के शुभ-अशुभ समय बताता है ताकि महत्वपूर्ण काम सही मुहूर्त में हो सके। 7 मार्च को चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि है। इस दिन दो बहुत बड़े शुभ योग एक साथ आ रहे हैं अमृतकाल और सर्वार्थ सिद्धि योग। यह संयोग खास माना जाता है, क्योंकि सर्वार्थ सिद्धि योग में लगभग सभी प्रकार के काम सफल होते हैं और अमृतकाल में किए गए कार्यों का फल अमृत जैसा मिलता है। सर्वार्थ सिद्धि योग 7 मार्च की सुबह 11 बजकर 15 मिनट से शुरू होकर अगले दिन, यानी 8 मार्च की सुबह 6 बजकर 39 मिनट तक रहेगा। अमृतकाल सुबह 3 बजकर 53 मिनट से 5 बजकर 38 मिनट तक रहेगा। यानी 7 मार्च दोपहर से लेकर पूरी रात और अगली सुबह तक यह शुभ समय उपलब्ध रहेगा। इस योग में नए काम शुरू करना, पूजा-पाठ, मंत्र जाप, दान-पुण्य, विवाह जैसे शुभ संस्कार या कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेना बहुत शुभ माना जाता है। खासकर यदि आप कोई नया व्यवसाय, शिक्षा या धार्मिक कार्य शुरू करना चाहते हैं तो यह समय बहुत अनुकूल है। शनिवार को सूर्योदय 6 बजकर 40 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 25 मिनट पर होगा। चित्रा नक्षत्र सुबह 11 बजकर 15 मिनट तक, फिर स्वाती शुरू होगा। वहीं, तिथि चतुर्थी रहेगी जो शाम 7 बजकर 17 मिनट तक रहेगी, उसके बाद पंचमी शुरू। हालांकि, उदयातिथि के हिसाब से पूरे दिन चतुर्थी का मान होगा।

शनिवार श्रीराम भक्त हनुमान, सूर्यपुत्र शनिदेव और माता दुर्गा को समर्पित है। इस दिन भगवान की भक्ति-भाव के साथ पूजन करने से शनि ग्रह शांत होते हैं। साथ ही सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

शनिवार को शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 2 मिनट से 5 बजकर 51 मिनट तक रहेगा। वहीं, अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 9 मिनट से 12 बजकर 56 मिनट तक, विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से 3 बजकर 17 मिनट तक और गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 22 मिनट से 6 बजकर 47 मिनट तक रहेगा।

चतुर्थी तिथि पर अशुभ समय भी हैं, जिनका विचार महत्वपूर्ण है। इस दिन राहुकाल सुबह 9 बजकर 36 मिनट से 11 बजकर 4 मिनट तक यमगण्ड दोपहर 2 बजे से 3 बजकर 28 मिनट तक रहेगा और गुलिक काल सुबह 6 बजकर 40 मिनट से 8 बजकर 8 मिनट तक है।

सूर्य गोचर मीन राशि में

15 मार्च से वृषभ और कर्क समेत इन पांच राशियों को त्रिग्रह योग का मिलेगा लाभ

सूर्य गोचर मीन राशि में 15 मार्च को होने जा रहा है। गुरु की राशि मीन में सूर्य का गोचर होगा जो सूर्य के मित्र गुरु की राशि है। इस दौरान मीन राशि में शुक्र, शनि और सूर्य के बीच युति संबंध बनने से त्रिग्रही योग बनेगा। सूर्य यहां से अपनी राशि पर दृष्टि डालेंगे जबकि गुरु और सूर्य एक दूसरे से केंद्र भाव में रहेंगे। ऐसे में सूर्य का मीन राशि में गोचर करना वृषभ और कर्क समेत 5 राशियों के लिए कई मामलों में लाभदायक रह सकता है।

वृषभ – वृषभ राशि के जातकों के 11वें भाव यानी लाभ भाव में सूर्य का गोचर होगा। यह आय, धन वृद्धि और इच्छाओं की पूर्ति से जुड़ा भाव है। इस दौरान आपका सामाजिक मेलजोल बढ़ेगा। दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में आपको सफलता मिलेगी। सूर्य का योग गोचर व्यापार और करियर के लिहाज से अनुकूल रहने वाला है। गैर सरकारी पदों और बड़े संस्थानों से जुड़े लोगों को इस अवधि के दौरान भरपूर लाभ मिलेगा। प्रमोशन और बोनस के योग बनते दिख रहे हैं। इसके साथ ही विवाहित जातकों को जीवनसाथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में बड़े भाई या बहन से आपका सहयोग बढ़ेगा।

उपाय– रोजाना सूर्य को जल अर्पित करें और सूर्य गायत्री मंत्र 'ओम आदित्याय विद्महे, दिवाकराय धीमहि, तन्नो सूर्यः प्रचोदयात' का जप करें। इसके साथ ही रविवार को जरूरतमंद को भोजन और अनाज का दान करें।

मिथुन – सूर्य का मीन राशि में गोचर आपके 10वें भाव यानी कर्म भाव में हो रहा है। यह भाव करियर, मान-सम्मान और उपलब्धियों का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में करियर के लिहाज से यह समय आपके लिए बेहद ही मंगलकारी रहने वाला है। इस दौरान आपको प्रमोशन प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा कुछ बड़ी जिम्मेदारियां बी आपको मिल सकती हैं। करियर में उन्नति होने से आपकी आय में इजाफा होगा और दूसरों के मार्गदर्शन से आप सफलता की नई ऊंचाइयां छुएंगे। विवाहित जातकों को इस दौरान अपने जीवनसाथी का अच्छे से ध्यान रखना होगा। इश अवधि के दौरान आपको अहंकार से बचना होगा।

उपाय– प्रतिदिन सूर्य को जल अर्पित करें और रविवार के दिन जरूरतमंद को दवाइयां, किताबें और स्कूल बैग दान करें।

कर्क – कर्क राशि के जातकों के 9वें भाव में यानी भाग्य भाव में सूर्य का गोचर हो रहा है। यह आपके भाग्य, नियति, आध्यात्मिकता और उच्च शिक्षा से संबंधित मामलों को प्रभावित करेगा। इस दौरान आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आध्यात्मिक और शिक्षा से संबंधित मामलों में आपको सफलता मिलती दिख रही है। जीवन साथी के साथ संबंध मजबूत होंगे। सूर्य गोचर के दौरान आपको लंबी दूरी की यात्राओं या विदेश यात्रा का अवसर भी मिल सकता है। परिवार के बड़े सदस्यों के आशीर्वाद से आपको सफलता मिलेगी। शिक्षा, कानून और अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़े लोगों के लिए यह अवधी अनुकूल रहने वाली है। आर्थिक रुप से यह समय वृद्धि का है।

उपाय– रोजाना सुबह सूर्य को अर्घ्य दें और आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। रविवार के दिन पीले रंग की वस्तुओं का दान करें।

वृश्चिक –सूर्य का गोचर आपके पंचम भाव में होने जा रहा है। कुंडली का यह भाव शिक्षा, प्रेम और बच्चों से जुड़ा होता है। इस दौरान आपको पूर्व कर्मों का फल प्राप्त होगा। व्यापारियों के लिए यह अवधि उत्तम रहने वाली है। जोखिम भरे कार्यों को करने के लिए समय अनुकूल रहेगा। हालांकि, जोखिम भरे कार्यों में आपको सावधानी से काम लेना होगा। बच्चों से संबंधित मामलों पर आपका ध्यान रहेगा। इस अवधि में ज्योतिष और चिकित्सा से जुड़े लोगों को जबरदस्त लाभ की संभावना है। बुद्धि से जुड़े कार्यों में आपको सफलता मिलेगी और लाभ होगा। पारिवारिक जीवन आपका सुखद रहेगा। विवाहित जातकों को सुख का अनुभव होगा।

उपाय– प्रतिदिन आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें और रविवार के दिन पीले रंग के सामान और किताबें जरूरतमंद लोगों को दान करें।

मकर – मकर राशि के जातकों के तीसरे भाव में सूर्य का गोचर होने जा रहा है। इसे पराक्रम का भाव कहा जाता है, जो साहस, संवाद, भाई-बहनों और छोटी यात्राओं से संबंधित होता है। इस गोचर के दौरान जीवनसाथी के साथ आपका तालमेल बेहतर होगा। छोटी-छोटी यात्राओं के भी आपको अवसर प्राप्त होंगे। मीडिया, लेखन और परामर्श के क्षेत्र से जुड़े जातकों के लिए यह समय अनुकूल रहने वाला है। सरकारी मामलों में आपको सफलता मिलेगी। भाई-बहन के साथ आपके रिश्तों में सुधार होगा। कौशल से जुड़े कार्यों से आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य में भी सुधार होता महसूस होगा।

उपाय– सूर्योदय से समय सूर्य को जल अर्पित करें और रविवार के दिन छात्रों को पुस्तकें और स्टेशनरी की सामग्री दान में दें।

राहु, मंगल और बुध का कुंभ में संयोग

अप्रैल तक इन तीन राशियों के लिए बढ़ सकती हैं चुनौतियां

ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार इस समय कुंभ राशि में राहु, मंगल और बुध का विशेष संयोग बना हुआ है। शनि की राशि कुंभ में इन ग्रहों की मौजूदगी से एक खास ग्रह स्थिति बन रही है, जिसका प्रभाव कई राशियों के जीवन पर अलग-अलग रूप में देखने को मिल सकता है। यह ग्रह योग 11 अप्रैल तक प्रभावी रहने वाला है। ऐसे में कुछ राशियों के लिए यह समय सावधानी बरतने का संकेत दे सकता है, खासकर निर्णय लेने, आर्थिक मामलों और बातचीत से जुड़े विषयों में। ज्योतिष शास्त्र में बुध को बुद्धि, वाणी और व्यापार का कारक माना जाता है, जबकि मंगल ऊर्जा, साहस और कार्यक्षमता का प्रतिनिधित्व करता है। जब ये दोनों ग्रह राहु के साथ एक ही राशि में आते हैं तो कई बार मानसिक भ्रम की स्थिति बन सकती है। ऐसे समय में व्यक्ति जल्दबाजी में फैसले ले सकता है या परिस्थितियों का सही आकलन करने में कठिनाई महसूस कर सकता है। यही कारण है कि इस अवधि में कई लोगों को अपने निर्णयों और व्यवहार में अधिक सावधानी रखने की सलाह दी जाती है।

कर्क राशि –कर्क राशि के जातकों के लिए यह समय कुछ मामलों में चुनौतीपूर्ण रह सकता है। विशेष रूप से बातचीत और निर्णय लेने से जुड़े मामलों में संयम बरतना आवश्यक होगा। जल्दबाजी में लिए गए फैसले भविष्य में परेशानी का कारण बन सकते हैं। कार्यक्षेत्र या व्यक्तिगत जीवन में किसी भी विषय पर प्रतिक्रिया देने से पहले स्थिति को अच्छी तरह समझना लाभदायक रहेगा। धैर्य और संतुलित सोच के साथ काम करने से कई संभावित समस्याओं से बचा जा सकता है।

कुंभ राशि –कुंभ राशि के लोगों के लिए यह ग्रह स्थिति धीमी प्रगति का संकेत दे सकती है। जिन कार्यों में जल्दी सफलता मिलने की उम्मीद थी, उनमें अपेक्षा से अधिक समय लग सकता है। इसलिए इस दौरान धैर्य बनाए रखना जरूरी रहेगा। आर्थिक मामलों में भी सावधानी बरतने की आवश्यकता हो सकती है। बड़े निवेश या महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय स्थिति का गहराई से आकलन करना बेहतर रहेगा। धीरे-धीरे किए गए प्रयास आगे चलकर बेहतर परिणाम दे सकते हैं।

सिंह राशि–सिंह राशि के जातकों के लिए इस अवधि में संवाद और संबंधों के मामलों में सतर्कता रखने की जरूरत हो सकती है। बातचीत के दौरान छोटी-छोटी बातों पर मतभेद बढ़ने की संभावना बन सकती है, जिससे विवाद की स्थिति भी पैदा हो सकती है। इसलिए शब्दों का चयन सोच-समझकर करना जरूरी रहेगा। आर्थिक मामलों में लाभ और खर्च दोनों की स्थिति बन सकती है, इसलिए संतुलित योजना बनाकर आगे बढ़ना बेहतर होगा। निरंतर प्रयास और संयम से परिस्थितियों को संभालना आसान हो सकता है।

19 से चैत्र नवरात्रि प्रारंभ

जानें घट स्थापना का शुभ मुहूर्त

मां दुर्गा को समर्पित चैत्र नवरात्रि शुरु होने में कुछ ही दिन बचे हैं। हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से इसकी शुरुआत होती है। हिंदू धर्म के इस सबसे पवित्र त्योहार के पहले दिन घटस्थापना और अगले 9 दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों यानी मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कुष्मांडा, मांस्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से पूजा की जाती है।इस बार चैत्र नवरात्रि की तारीख को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र नवरात्रि की शुरुआत चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है। इस साल प्रतिपदा तिथि 19 मार्च 2026, गुरुवार को सुबह 6 बजकर 53 मिनट से शुरु होकर अगले दिन 20 मार्च 2026, शुक्रवार की सुबह 4 बजकर 53 मिनट पर समाप्त होगी। 19 मार्च को सूर्योदय के बाद प्रतिपदा तिथि लग रही है और अगले दिन सूर्योदय से पहले समाप्त हो रही है। इस कारण प्रतिपदा तिथि का क्षय हो रहा है। ऐसे में 19 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत मानी जाएगी।

चैत्र नवरात्रि कैलेंडर

नवरात्रि का पहला दिन	प्रतिपदा	मां शैलपुत्री पूजा और घटस्थापना	19 मार्च 2026, गुरुवार
नवरात्रि का दूसरा दिन	द्वितीया	मां ब्रह्मचारिणी पूजा	20 मार्च 2026, शुक्रवार
नवरात्रि का तीसरा दिन	तृतीया	मां चंद्रघंटा पूजा	21 मार्च 2026, शनिवार
नवरात्रि का चौथा दिन	चतुर्थी	मां कुष्मांडा पूजा	22 मार्च 2026, रविवार
नवरात्रि का पांचवां दिन	पंचमी	मां स्कंदमाता पूजा	23 मार्च 2026, सोमवार
नवरात्रि का छठा दिन	षष्ठी	मां कात्यायनी पूजा	24 मार्च 2026, मंगलवार
नवरात्रि का सातवां दिन	सप्तमी	मां कालरात्रि पूजा	25 मार्च 2026, बुधवार
नवरात्रि का आठवां दिन	अष्टमी	मां महागौरी पूजा, दुर्गा अष्टमी	26 मार्च 2026, गुरुवार
नवरात्रि का नौवां दिन	नवमी	मां सिद्धिदात्री पूजा, नवरात्रि पारण	27 मार्च 2026, शुक्रवार

घट स्थापना का शुभ मुहूर्त

चैत्र नवरात्रि 2026 में इस बार घट स्थापना के लिए दो अत्यंत शुभ मुहूर्त बन रहे हैं। पहला मुहूर्त है चौघड़िया मुहूर्त, जो सुबह 6 बजकर 53 मिनट से शुरु होकर सुबह 7 बजकर 56 मिनट तक रहेगा। दूसरा मुहूर्त दोपहर बाद का बन रहा है। दोपहर 12 बजकर 05 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 53 मिनट तक अभिजीत मुहूर्त बन रहा है, जो कलश स्थापना के लिए शुभ है। इसके अलावा दोपहर 12 बजकर 26 मिनट से लेकर 12 बजकर 53 मिनट तक लाभ चौघड़िया होने से ये समय सबसे उत्तम रहेगा।

किस वाहन पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा?

शशि सूर्ये गजारुढा शनि भौमे तुरंगमे। गुरौ शुक्रे च ढोलायां बुधे नौका प्रकीत्रिता।।

इस बार मां दुर्गा डोली पर सवार होकर आएंगी। देवी भागवत पुराण के श्लोक में कहा गया है कि अगर नवरात्रि की शुरुआत रविवार या सोमवार से होती हैं तो मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती हैं। शनिवार या मंगलवार को पूजा होने पर मां घोड़े पर सवार होकर आती हैं, गुरुवार या शुक्रवार को पालकी और अगर बुधवार को पूजा प्रारंभ होती है तो मां दुर्गा नौका पर सवार होकर आती हैं।

गजे च जलदा देवी क्षत्र भंग स्तुरंगमे। नोकायां सर्वसिद्धि स्या ढोलायां मरणं ध्रुवम्।।

इक अन्य श्लोक के अनुसार, मां के हाथी पर सवार होकर आने से बाढ और वर्षा में बढ़ोतरी होती है। मां के घोड़े पर सवार होकर आने से युद्ध की आशंका रहती है। वहीं, अगर मां नौका पर आती हैं तो मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मां के डोली पर आने को उत्तम और फलदायी नहीं माना जाता है। मां के डोली पर आने से रोग और मृत्यु का भय बना रहता हैं।

संपादकीय

युद्ध में फंसे ट्रंप

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान अमरीका पर हमला करने वाला था, लिहाजा हमने ही आक्रमण कर उसे कुचल दिया। ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग नष्ट कर दी गई हैं। दूसरी तरफ अमरीकी युद्ध विभाग 'पेंटागन' ने वहां की संसदीय समिति को ब्रीफ किया है कि उसे ऐसी खुफिया लीड की जानकारी नहीं है कि ईरान की अमरीका पर हमले की कोई योजना थी। दरअसल यह कोई सामान्य विरोधाभास नहीं है। एक पक्ष सफेद झूठ बोल रहा है और ट्रंप झूठ बोलने के आदी हैं। यह 'टाइम' पत्रिका की कवर स्टोरी से भी स्पष्ट है। बहरहाल अब अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने तो यहां तक खुलासा किया है कि ईरान राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या कराना चाहता था, लेकिन हमने ही उनके क्रूर, तानाशाह नेता खामेनेई को मार दिया। रक्षा मंत्री का यह भी दावा है कि एक सप्ताह में ईरान के आसमान पर अमरीका का कब्जा होगा। लेकिन रक्षा विशेषज्ञों और विख्यात राजनयिकों के आकलन हैं कि ऐसा नहीं होगा। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध में, इजरायल के उकसावे में आकर, फंस गए हैं। अब वह चाह कर भी युद्ध से अलग नहीं हो सकते। इसकी बुनियादी दलील यह है कि सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की हत्या के बावजूद ईरान अब भी जम कर लड़ रहा है। वह खामेनेई की हत्या का बदला लेने पर आमादा है। ईरान में फिलहाल कोई विद्रोह नहीं है। अलबत्ता अमरीका और इजरायल को सबक सिखाने के 'हुंकारी आग्रह' जरूर गूंज रहे हैं। बेशक ईरान में मरने वालों का आंकड़ा 1145 तक पहुंच चुका है। यह भयावह और खौफनाक आंकड़ा है, जो लगातार बढ़ रहा है। ईरान के शीर्ष 48 नेता और सैन्य कमांडर मारे जा चुके हैं। उसके 24 प्रांतों पर 1200 से अधिक मिसाइल हमले किए गए हैं। ईरान के 153 शहरों की 504 जगहों पर बमबारी की गई है। उसके कमोबेश 20 युद्धपोत और 14 लड़ाकू विमान नष्ट किए जा चुके हैं। ईरान के चारों ओर खंडहरी इमारतें, मिट्टी-मलबा देखे जा सकते हैं, लेकिन ईरान की मिसाइलों और ड्रोनों ने अरब देशों के 27 अमरीकी बेस पर तबाही मचा रखी है। आग के गोले और धुएं के गहरे-काले गुब्बार दुनिया के सामने हैं। इजरायल में येरुशलम और राजधानी तेल अवीव जैसे शहरों में पचासियों इमारतें ध्वस्त कर दी गई हैं। रिहायशी इलाकों पर भी मिसाइलें दागी जा रही हैं। चीख-पुकार सुनी जा सकती हैं। सऊदी अरब की दुनिया की सबसे बड़ी 'अरामको' रिफाइनरी पर दो बार हमले कर ईरान ने उसे पंगु बना दिया है। यहां 30 लाख बैरल तेल हर रोज रिफाइन किया जाता रहा है, लेकिन अब उत्पादन बंद करना पड़ा है। ईरान ने साइप्रस और तुर्किए में भी मिसाइल-ड्रोन हमले किए हैं। ईरान की हजारों बैलेस्टिक, क्रूज मिसाइलें अब भी बंकरों के नीचे मौजूद हैं। अब भी 6-7 यूनिट्स उत्पादन कर रही हैं। ईरान 20 फीसदी सवंद्र्धित यूरेनियम से ही परमाणु बम बना सकता है, जबकि उसके पास करीब 469 किग्रा सवंद्र्धित यूरेनियम है। बेशक वह 10-12 परमाणु बम बनाने की स्थिति में है। रूसी विदेश मंत्री के बयान से भी संकेत मिले हैं कि ईरान को परमाणु बम बनाने को बाध्य किया जा रहा है। एक आकलन सामने आया है कि अमरीका पर इस युद्ध से 19 लाख करोड़ रुपए तक का बोझ पड़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुकी हैं। 100 डॉलर तक पहुंचने में देर नहीं लगेगी, नतीजतन 50-210 अरब डॉलर की चोट लग सकती है। हालांकि तेल 147 डॉलर तक पहुंचने में देर लगेगी। जब ईरान ने जुलाई, 2008 में 'शाहाब-3' मिसाइल का परीक्षण किया था, जिसकी रेंज 2000 किमी बताई गई थी, तब तेल 147 डॉलर तक उछला था। बहरहाल भारत को बेचैन नहीं होना चाहिए, क्योंकि हम 41 देशों से तेल आयात करते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के अलावा भी कई रास्ते हैं, जिनके जरिए भारत तेल मंगवा सकता है।

ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग नष्ट कर दी गई हैं। दूसरी तरफ अमरीकी युद्ध विभाग 'पेंटागन' ने वहां की संसदीय समिति को ब्रीफ किया है कि उसे ऐसी खुफिया लीड की जानकारी नहीं है कि ईरान की अमरीका पर हमले की कोई योजना थी। दरअसल यह कोई सामान्य विरोधाभास नहीं है। एक पक्ष सफेद झूठ बोल रहा है और ट्रंप झूठ बोलने के आदी हैं। यह 'टाइम' पत्रिका की कवर स्टोरी से भी स्पष्ट है। बहरहाल अब अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने तो यहां तक खुलासा किया है कि ईरान राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या कराना चाहता था, लेकिन हमने ही उनके क्रूर, तानाशाह नेता खामेनेई को मार दिया। रक्षा मंत्री का यह भी दावा है कि एक सप्ताह में ईरान के आसमान पर अमरीका का कब्जा होगा। लेकिन रक्षा विशेषज्ञों और विख्यात राजनयिकों के आकलन हैं कि ऐसा नहीं होगा। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध में, इजरायल के उकसावे में आकर, फंस गए हैं। अब वह चाह कर भी युद्ध से अलग नहीं हो सकते। इसकी बुनियादी दलील यह है कि सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की हत्या के बावजूद ईरान अब भी जम कर लड़ रहा है। वह खामेनेई की हत्या का बदला लेने पर आमादा है। ईरान में फिलहाल कोई विद्रोह नहीं है। अलबत्ता अमरीका और इजरायल को सबक सिखाने के 'हुंकारी आग्रह' जरूर गूंज रहे हैं। बेशक ईरान में मरने वालों का आंकड़ा 1145 तक पहुंच चुका है।

कुछ अलग

नहीं नहाने का फैशन

अलबेलों और मस्तानों का भारत देश अपनी गौरवशाली परंपराओं के लिए विश्वविख्यात है। हमारे यहां भांति-भांति के लोग हैं, जिनकी अपनी मौलिक विशेषताएं हैं। इन्हीं लोगों से एक प्रजाति है नहीं नहाने वालों की। नहीं नहाने वाले ये लोग खैर सर्दियों में तो नहाते ही नहीं, अपितु ग्रीष्म ऋतु में भी प्रमाद उन्हें इस क्रिया को सचेष्ट नहीं करता। पानी काया पर डालने से मौत आती है और वर्तमान में पानी उनका जानी दुश्मन हो रहा है। इधर सर्दी का तापमान नीचे आता है, इधर उनके प्राण हलक में आने लगते हैं। ड्राइक्लीन के नए फैशन ने ऐसे लोगों की बड़ी हौसला अफजाई की है। हालत यह है कि इनके सामने नहाने वाले भी फीके पड़ जाएं। नहाने वाले से ये कहें कि यार कभी तो नहा लिया करो और इनसे ये कहो कि यार बड़ा रेगुलर नहाते हो। सौंदर्य प्रसाधनों के आविष्कार ने इनके साथ बड़ा न्याय किया है। ऊपर से चेपाचापी की और नए संस्करण में प्रस्तुत। हमारे बरखुरदार कुलदीपक का भी इन दिनों यह आलम चरम पर है। जींस में सज-धज कर जब ये घर से बाहर निकलते हैं तो ठंडे पानी से सुबह-सुबह विहान में नहाए लोगों के सिर शर्म से झुक जाते हैं। लेकिन पास में खड़े होकर बात करो तो पसीना अपनी गंध की वास्तविकता का बखान करने लगता है। एक दिन जब यह गंध असहाय हो गई तो मैंने कहा- 'अरे कुलदीपक आज तो नहा लो लाला। संडे है, धूप भी खिल रही है, तापमान भी आज थोड़ा बढ़ा हुआ है।' बहुत ही मोहक अंदाज में वह बोला- 'ओह डैड आप भी हद करते हैं। जरा गौर से देखिये मैं आपको कैसे बिना नहाए दिखाई दे रहा हूं। इस घर में रहने का मतलब यह तो नहीं कि आप वास्तविकता को जानकर मुझ पर अंगुली उठाएं। बाहर तो मुझसे कोई कुछ नहीं कहता।'

1906 में ईरानियों ने मोर्चा संभाल लिया कि देश में राजशाही की जगह लोकतांत्रिक व्यवस्था हो

ईरान की ऐतिहासिक उथल-पुथल

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

पश्चिमी ताकतें मिलजुल कर अपनी शक्ति का प्रयोग करती हैं और वृक्षों को काट देती हैं। लेकिन बीज कभी सूखता नहीं। फिर अंकुरित हो जाता है। यदि बहुत पीछे जाना जरूरी हो तो अरबों और ईरानियों की प्रतिद्वन्द्विता इस्लाम के आने से भी पूर्व की है। पहले खलीफा और दूसरे खलीफा के नेतृत्व में अरबों ने ईरानियों को पराजित तो कर दिया था और वहां अपना राज भी स्थापित कर लिया। इतना ही नहीं, उन्हें किसी न किसी तरह इस्लाम में मतान्तरित भी कर लिया था। लेकिन ईरान के मन में अरबों से पराजित हो जाने की टीस कभी गई नहीं। इसलिए जब करबला के मैदान में मुसलमानों ने हजरत मोहम्मद के दामाद हुसैन को धोखे से घेर कर सभी सगे संबंधियों समेत कत्ल कर दिया था, तब अली के अनुयायियों ने एक नया शिया पंथ बना लिया था। ईरान मौका पाकर शिया पंथ में खिसक गया। अब अरबों का इस्लाम पंथ हुआ और ईरानियों का शिया पंथ हुआ।

इस समय ईरान अपने दौर की ऐतिहासिक उथल पुथल का शिकार है। इस उथल पुथल के बीज ईरान के इतिहास में छिपे हुए हैं। ये बीज अंकुरित होकर बड़े वृक्ष बनने की ओर अग्रसर होते हैं। जब ज्यादा बड़े होने लगते हैं तो यूरोप की ताकतें उनसे अपने को खतरा महसूस करती हैं। पश्चिमी ताकतें मिलजुल कर अपनी शक्ति का प्रयोग करती हैं और वृक्षों को काट देती हैं। लेकिन बीज कभी सूखता नहीं। फिर अंकुरित हो जाता है। यदि बहुत पीछे जाना जरूरी हो तो अरबों और ईरानियों की प्रतिद्वन्द्विता इस्लाम के आने से भी पूर्व की है। पहले खलीफा और दूसरे खलीफा के नेतृत्व में अरबों ने ईरानियों को पराजित तो कर दिया था और वहां अपना राज भी स्थापित कर लिया। इतना ही नहीं, उन्हें किसी न किसी तरह इस्लाम में मतान्तरित भी कर लिया था। लेकिन ईरान के मन में अरबों से पराजित हो जाने की टीस कभी गई नहीं। इसलिए जब करबला के मैदान में मुसलमानों ने हजरत मोहम्मद के दामाद हुसैन को धोखे से घेर कर सभी सगे संबंधियों समेत कत्ल कर दिया था, तब अली के अनुयायियों ने एक नया शिया पंथ बना लिया था। ईरान मौका पाकर शिया पंथ में खिसक गया। अब अरबों का इस्लाम पंथ हुआ और ईरानियों का शिया पंथ हुआ। लेकिन ईरान का पश्चिमी ताकतों से वैर कब से है? जब पता चला कि ईरान के नीचे तेल है। लेकिन यहां हम बहुत पीछे नहीं जाएंगे। 1906 में ईरानियों ने मोर्चा संभाल लिया कि देश में राजशाही की जगह लोकतांत्रिक व्यवस्था हो। उस समय ईरान में कजार वंश का शासन था। राजा ने संसद की स्थापना कर दी जिसे मजलिस कहा गया। उसके लिए बाकायदा चुनाव होने लगे। प्रधानमंत्री तक बनने लगा। लेकिन राजशाही बनी रही। मजलिस बनने पर लोगों का राजशाही से विरोध भी खत्म हो गया था। राजशाही का विरोध चाहे उतना न रहा हो, लेकिन ब्रिटेन और रूस का प्रभाव बढ़ता जा रहा था। रूस वैसे भी कहीं न कहीं से ईरान का पड़ोसी था। ब्रिटेन का कभी सूरज नहीं डूबता था। 1921 में ईरान की सेना के एक अधिकारी रजा शाह ने विद्रोह कर दिया। राजा ने उसे शांत करने के लिए युद्ध मंत्री बना दिया। वह प्रधानमंत्री भी बन गया। लेकिन उसने

संसद में ही प्रस्ताव पारित करवा कर कजार वंश के राजा को 1925 में हटा दिया और स्वयं राजा बन गया और उसने अपना नाम रखा रजा शाह पहलवी। इस प्रकार पहलवी वंश के शासन की शुरुआत हुई। कहा जाता है कि रजा शाह भी तुर्की के कमाल पाशा अता तुर्क की तरह ईरान को गणतंत्र घोषित करना चाहता था, लेकिन इंग्लैंड ने और मौलवियों ने इसका विरोध किया। अलबत्ता 1906 में बनी संसद चलती रही। बाकायदा चुनाव होते थे, लेकिन ताकत राजा के हाथों में सिमटती गई। इतना कहना पड़ेगा कि रजा शाह ने ईरान के आधुनिकीकरण में एक नया युग शुरू किया। वह मुल्ला मौलवियों के बहुत खिलाफ था। 1941 में विश्व युद्ध शुरू हो गया। रूस और ब्रिटेन ने ईरान पर हमला कर दिया। सबसे पहले रजा शाह पहलवी को गद्दी से उतारा और उसके बेटे मोहम्मद रजा पहलवी को नया राजा बनाया। इसमें कोई शक नहीं कि पहलवी वंश ईरान का आधुनिकीकरण कर रहा था लेकिन अब तक दुनिया को पता चल चुका था कि ईरान और अरेबिया के नीचे तेल है और आने वाले समय में तेल के बिना काम चलने वाला नहीं है। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में सब जानते हैं कि मित्र राष्ट्रों का पलड़ा भारी हो गया था। इसलिए उन्होंने अपनी सुविधा और हितों के अनुसार कई नए देश बनाए और कई खत्म किए। नए देश बनाने में यह ध्यान जरूर रखा कि ये देश पश्चिमी ताकतों के हितों की पूर्ति करते रहें। पर ईरान तो नया देश नहीं था। सभ्यता के लिहाज से वह बहुत ही पुराना देश था। सभ्यता और चिन्तन के मामले में भी पश्चिम से आगे ही था। लेकिन अब तो अरब और ईरान में तेल की एक नई सभ्यता निकल आई थी। विश्व युद्ध ने छोटे मोटे कई अरब देश भी बना दिए थे। ब्रिटेन और अमेरिका ने तेल के लिहाज से इन सभी देशों में अपना वर्चस्व बनाए रखना जरूरी समझा। इस जरूरी समझने में एक समझ यह भी थी कि इन सभी देशों में राजशाही बनी रहे। राजा को काबू करना आसान होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में तो नित प्रधानमंत्री बदलते हैं। नए वाला पुराने के विरोध में ही होता है। किस किस को पटाते रहेंगे। जाहिर है इसके खिलाफ सबसे पहला मोर्चा ईरान में ही लगता। 1951 में राष्ट्रवादी ताकतों ने जोर पकड़ा और मुसद्दिक प्रधानमंत्री चुने गए। मुसद्दिक ने एंग्लो ईरानी आयल कम्पनी का राष्ट्रीयकरण कर लिया। यह कम्पनी इंग्लैंड की थी। ईरान का तेल ले जाती थी और राजस्व के नाम पर थोड़ा ही ईरान को देती थी। मुसद्दिक ने घोषणा कर दी, तेल ईरान का है, इंग्लैंड को नहीं ले जाने देंगे। स्वाभाविक ही इससे इंग्लैंड और अमेरिका को चिन्ता हुई। इस प्रकार की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक हवा बहने लगी तो कल अरब देश भी हत्थे से उखड़ जाएंगे। उधर अरब देशों के बादशाहों को भी चिन्ता हुई कि ईरान की यह हवा हमारे देश में भी आ गई तो उनके सिंहासन उखड़ जाएंगे। संकट के इस काल में अमेरिका और इंग्लैंड दोनों इक_ हुए। सीआईए सक्रिय हुआ। मुल्ला मौलवियों को भी काफी पैसा दिया गया। ईरान में सीआईए की सहायता से मुल्ला मौलवियों का भी एक सशक्त संगठन खड़ा हो गया। उन्होंने हवा फैलाई कि मुसद्दिक शिया पंथ के खिलाफ है। तब जाकर 1953 में मुसद्दिक को बंदी बना लिया गया। मोहम्मद शाह पहलवी को फिर से सारी ताकत मिली। उसने मजलिस की शक्तियों को भी अपने में ही सोख लिया। मजलिस केवल नाम की रही। पहलवी वंश 1979 तक चला। अब तक पहलवी वंश की पहचान बन गई थी कि उसने ईरान जैसी पुरानी सभ्यता को अमेरिका का उपनिवेश बना कर रख दिया है। 1979 तक आते आते मोहम्मद रजा पहलवी के खिलाफ विद्रोह बहुत तेज हो गया। ईरानियों की निगाह में अमेरिका 'शैताने बुजुर्ग', यानी सबसे बड़ा शैतान हो गया था। अब ईरान के पक्के दो दुश्मन हो गए। अमेरिका तो इसलिए कि वह ईरान को अपनी कालोनी बनाना चाहता है और आर्थिक साधनों का दोहन करना चाहता है। अरबों से दुश्मनी तो पुरानी है। ईरान इसलिए भी ताकतवर बनना चाहता है ताकि सभी अरबी उसकी ताकत को स्वीकार कर लें। सासानी ईरानी वंश को अरबों द्वारा हरा दिए जाने का बदला ले लिया जाएगा जब कमजोर अरब देश रक्षा के लिए ईरान की शरण में आएंगे। अमेरिका ईरान को इतना ताकतवर बनने नहीं देगा कि अरब देश अमेरिका का रक्षा कवच छोड़ कर ईरान का रक्षा कवच ले लें। रहा इजराइल, उसे तो अपने अस्तित्व के लिए अरबों से भी लडना है और ईरानियों से भी, क्योंकि दोनों आपस में चाहे लड़ते रहें, लेकिन इजराइल को दुनिया के नक्शे से मिटाने की दोनों कसमें खाते हैं।

देश दुनिया से

निर्यात बढ़ाने को जरूरी खास रणनीतिक उपाय

ईरान और इस्राइल-अमेरिका के बीच युद्ध से निर्मित हालात से भारतीय निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव पर संबंधित मंत्रालयों, निर्यातक संगठनों और शिपिंग कंपनियों द्वारा जारी विचार मंथन में दो अहम बातें सामने आ रही हैं। एक, इस युद्ध से भारत के सामने निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की नई चुनौती खड़ी हो गई है। दो, युद्ध के दौर में सरकार द्वारा निर्यातकों को हरसंभव सहयोग- प्रोत्साहन, व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन और सुधारों की डगर पर आगे बढ़ना होगा। उल्लेखनीय है कि भारत के लिए अमेरिका, इस्राइल और ईरान तीनों ही निर्यात के अहम बाजार हैं, ऐसे में न केवल इन तीनों देशों में, बल्कि युद्ध प्रभावित पश्चिम एशियाई और यूरोपीय देशों में भी भारत से होने वाले निर्यात प्रभावित होंगे। विभिन्न देशों में भारत से निर्यात होने वाले खाद्य उत्पाद, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग सामान, बासमती चावल, चाय, मशीनरी, फार्मास्युटिकल्स, रत्न-आभूषण, प्लास्टिक और रबर जैसे क्षेत्रों में निर्यात प्रभावित हो सकते हैं। युद्ध के बीच ईरान द्वारा दुनिया के सबसे अहम तेलमार्ग होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने से विभिन्न देशों के बाजारों में माल ढुलाई और बीमा प्रीमियम की लागत बढ़ने से भी भारतीय निर्यात प्रभावित हो सकते हैं। इतना ही नहीं, युद्ध के कारण सोने-चांदी की कीमतों में भारी उछाल से इनके आयात के बढ़े हुए मूल्य के कारण भारत का व्यापार घाटा और बढ़ता नजर आ सकता है। ऐसे में अब युद्ध के कारण निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की नई चुनौती के मद्देनजर भारत द्वारा निर्यात बढ़ाने व व्यापार घाटा नियंत्रित रखने को रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। इसके मद्देनजर चार महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना होगा। पहला,

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत तेजी से कारोबार और निर्यात बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम आगे बढ़ाना। दूसरा, व्यापार समझौतों का पूरा लाभ उठाने के लिए देश में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और नए सुधारों पर ध्यान केंद्रित करना। तीसरा, निर्यात के नए बाजारों में प्रवेश करना। चौथा, आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए हाल में पेश केंद्रीय बजट के तहत घोषित निर्यात प्रोत्साहनों के क्रियान्वयन पर नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही ध्यान दिया जाना। गौरतलब है कि भारत द्वारा कई देशों के साथ जो एफटीए किए गए हैं, उन्हें शीघ्रता से क्रियान्वयन की डगर पर आगे बढ़ाना होगा। इनमें 27 जनवरी को भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के शिखर सम्मेलन के दौरान घोषित एफटीए सबसे महत्वपूर्ण है। यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का शानदार उदाहरण है और भारत के लिए अत्यधिक लाभप्रद है। इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की जननी यानी मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स कहते हुए रेखांकित किया गया है कि दुनिया के वर्तमान 'ग्रोथ सेंटर' और इस सदी के आर्थिक पॉवर हाउस भारत के साथ यह एफटीए यूरोप को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते आर्थिक क्षेत्रों में पहली बढ़त दिलाएगा। पिछले वर्ष 2025 में भारत द्वारा ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ किए गए एफटीए का वर्ष 2026 में कार्यान्वयन अहम होगा। इन सबके साथ-साथ मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टीन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। साथ ही इस वर्ष पेरू, चिली, आसियान, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इस्राइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी नए एफटीए को आकार देने की पहल की जानी होगी। ईरान और इस्राइल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं। ऐसे में भारत द्वारा निर्यात बढ़ाने के लिए चिन्हित किए गए करीब 200 देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। एक फरवरी को वित्तमंत्री द्वारा पेश केंद्रीय बजट 2026-27 में विनिर्माण, वस्त्र, चमड़ा और समुद्री भोजन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्यात बढ़ाने के लिए जो कई रणनीतिक उपाय किए गए हैं, उन पर नए वित्तीय वर्ष में शुरुआत से ध्यान देना होगा। निःसंदेह, इस समय वैश्विक व्यापार और वैश्विक निर्यात में कमी की चुनौतियां सामने खड़ी है, तब भारत से निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं वरन एंटी-डंपिंग शुल्क से भी संबंधित हैं। घरेलू कच्चे माल की ऊंची लागत और ईंधन की उच्च कीमतों के कारण भी भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले उत्पाद वैश्विक स्तर से करीब 15-20 फीसदी की अधिक लागत पर दिखाई देते हैं। निर्यात बढ़ाने के लिए राज्यों में मान्यताप्राप्त आधुनिक प्रयोगशालाएं भी जरूरी हैं। घरेलू ढांचागत सुधारों के प्रति भी नए सिरे से प्रतिबद्धता आवश्यक होगी। इस हेतु देश में नियमों और नियामक संस्थाओं के कामकाज में मूलभूत बदलाव की जरूरत है। कर सुधारों को और गहराई देने के साथ जीएसटी प्रणाली को प्रभावी बनाया जाये। सिस्टमैटिक्स ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत द्वारा व्यापार समझौतों का अधिकतम लाभ लेने के लिए घरेलू कंपनियों को गुणवता, तकनीक और कुशल कर्मियों के साथ आगे बढ़ना होगा। हमें घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक ताकत बढ़ाने, एफटीए के लिए जागरूकता में इजाफे, गैर-टैरिफ बाधाएं दूर करने, सेवा क्षेत्र का लाभ उठाने, निर्यात में विविधता, कृषि और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा करने के साथ-साथ, पर्यावरण और श्रम मानकों के परिपालन पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

आप का नज़रिया

महिला सैलानियों के लिए

अपने पर्यटन के बीच खास पर्यटन की खोज में हिमाचल ने 'शी-स्टे' योजना के आरंभिक मानचित्र पर काम करना शुरू किया है। तीन चरणों की योजना में महिला सैलानी के अनुभव में सुरक्षित वातावरण, चुस्त मेहमाननवाजी, अलंकृत व्यवस्था तथा महिलाओं की भागीदारी से सहजता प्रदान की जा रही है। शी-स्टे की संपत्तियों का चयन व प्रमाणिकता के साथ आश्वासन के हस्ताक्षर करती यह योजना 'शी शील्ड मोबाइल एप' के जरिए लोकेटर, यात्रा प्लानर, विविधताओं और आकर्षणों की पेशकश, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा महिला सशक्तिकरण का अनूठा पथ विकसित कर रही है। स्वतंत्र महिलाओं के एकल कदम हिमाचल को चिन्हित करते हैं, तो राज्य की अधोसंरचना विकास तथा निजी क्षेत्र के साथ सहयोग भी अलग तरह की संभावनाओं का आकाश खोल सकता है। वास्तव में 'शी-स्टे' की अवधारणा युवा पर्यटन की ही एक ब्रांच है, जो पिछले दशक से हिमाचल के भीतरी, कबायली और ग्रामीण इलाकों में विश्रांति का रास्ता खोज रहा है। यह वर्ग हिमाचल की शांति में आध्यात्मिक ऊर्जा का संवाहक बन रहा है, तो संस्कृति के अछूतेपन को महसूस कर रहा है। ऐसे कई युवा ग्रुप या तो अपने प्रोफेशन के प्रोजेक्ट्स के साथ दो-तीन महीने गुजारने की अनूठी पहल से आते हैं या शिक्षा के हर दौर से गुजरे याराना को फिर से बसाने के लिए हिमाचल में जगह खोजते हैं। ज्यादातर आईटी प्रोफेशनल कारपोरेट जगत के तनाव और दबाव से दूर रह कर पहाड़ की संगत में मौसम, प्रकृति की निर्मलता, सौम्यता व प्रदूषण रहित माहौल की दरियादिली में खुद में ताजगी लेकर लौटना चाहते हैं। ऐसे में युवा महिलाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाते हुए हिमाचल एक कदम और आगे जाना चाहता है, तो प्रदेश के कई रेस्ट हाउसों, सरकारी होटलों, होम स्टे व निजी पर्यटन इकाइयों में नए परिचय के साथ यह सुनिश्चित होना चाहिए कि इन्हें 'शी-स्टे' के लिए अधिकृत किया गया है। यह कार्य आसानी से हो सकता है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी का सबब बनती है महिला ट्रैवलिंग। बेशक हिमाचल परिवहन निगम इस दिशा में कई सफल प्रयोग कर सकता है, लेकिन यात्रा से स्थानीय साइट सीईंग तक की बुकिंग में पर्यटन तथा परिवहन निगमों को पैकेज के तहत सारे स्टे का सुरक्षित प्रबंधन करना पड़ेगा। शी-स्टे की जरूरतों में बजटीय इकाइयों में से एक तो एचआरटीसी के मॉडर्न बस स्टैंड ही हो सकते हैं। बस स्टैंड परिसर में अगर होटल संभव नहीं तो विशेष हॉस्टल बनाए जा सकते हैं। इसके अलावा एचआरटीसी पर्यटक टैक्सियों का संचालन निजी क्षेत्र के सहयोग से कर सकता है, जहां प्री पेड टैक्सी सेवा के जरिए हिमाचल के भीतर घूमना आसान हो सकता है। मंदिर ट्रस्ट भी अपने परिसर में धार्मिक यात्रा के पड़ाव की तरह विशेष छात्रावास बनाकर महिला यात्रियों को सुरक्षित पनाह दे सकते हैं। पर्यटक स्थलों के स्थानीय निकायों को अब अपने दायरे में पर्यटन का राजदूत बनना पड़ेगा। पर्यटक केंद्रों के स्थानीय निकाय अपनी संभावनाओं के अक्स में ऐसी संपत्तियां विकसित कर सकते हैं, जहां किसी महिला सैलानी को सुरक्षित पनाह मिल सके। प्रदेश के भाषा-संस्कृति विभाग व ट्राइबल महकमे को ऐसे प्रयोग करने चाहिएं ताकि महिला यात्रियों के पड़ाव बढ़ें और इनकी सुरक्षित निगरानी भी हो सके। तमाम विश्वविद्यालयों, मेडिकल कालेजों व आईटी से संबद्ध शिक्षण संस्थानों में युवा उद्यमियों, अध्ययनकर्ताओं, शोधार्थियों और प्रोफेशनल की स्टे में महिला पात्रों को वरीयता देने के इंतजाम हो सकते हैं। डेढ़ साल से बनकर तैयार चैतड़ू का आईटी पार्क अगर अपने आंचल में आईटी कंपनियों को जगह नहीं दे पा रहा है, तो कम से कम इसे भारत भर से धर्मशाला आ रहे घुम्मकड़ आईटी युवा प्रोफेशनल के लिए 'वर्क फ्रॉम होम' की तरह इस्तेमाल और रहने की जगह में बदल देना चाहिए। हिमाचल युवा पर्यटकों के कारण चर्चित हो रहा है और आने वाले फूड व ट्रैवल ब्लागर्स में महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ी है। ऐसे में हिमाचल में आने वाले युवाओं के साथ मिलकर कई इवेंट प्लान किए जा सकते हैं।

शी-स्टे की संपत्तियों का चयन व प्रमाणिकता के साथ आश्वासन के हस्ताक्षर करती यह योजना 'शी शील्ड मोबाइल एप' के जरिए लोकेटर, यात्रा प्लानर, विविधताओं और आकर्षणों की पेशकश, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा महिला सशक्तिकरण का अनूठा पथ विकसित कर रही है। स्वतंत्र महिलाओं के एकल कदम हिमाचल को चिन्हित करते हैं, तो राज्य की अधोसंरचना विकास तथा निजी क्षेत्र के साथ सहयोग भी अलग तरह की संभावनाओं का आकाश खोल सकता है। वास्तव में 'शी-स्टे' की अवधारणा युवा पर्यटन की ही एक ब्रांच है, जो पिछले दशक से हिमाचल के भीतरी, कबायली और ग्रामीण इलाकों में विश्रांति का रास्ता खोज रहा है। यह वर्ग हिमाचल की शांति में आध्यात्मिक ऊर्जा का संवाहक बन रहा है, तो संस्कृति के अछूतेपन को महसूस कर रहा है। ऐसे कई युवा ग्रुप या तो अपने प्रोफेशन के प्रोजेक्ट्स के साथ दो-तीन महीने गुजारने की अनूठी पहल से आते हैं या शिक्षा के हर दौर से गुजरे याराना को फिर से बसाने के लिए हिमाचल में जगह खोजते हैं। ज्यादातर आईटी प्रोफेशनल कारपोरेट जगत के तनाव और दबाव से दूर रह कर पहाड़ की संगत में मौसम, प्रकृति की निर्मलता, सौम्यता व प्रदूषण रहित माहौल की दरियादिली में खुद में ताजगी लेकर लौटना चाहते हैं।

दृष्टि कोण

अकादमियों के लिए बजट में धन का प्रावधान हो

2030 अहमदाबाद राष्ट्रमंडल खेलों व 2036 में होने वाले ओलंपिक को देखते हुए बजट 2026 में सरकार प्रतिभा व सुविधा के अनुसार हिमाचल प्रदेश के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में भी सरकार खेल विंग, स्कूलों में और अधिक खेलों के लिए छात्रावास तथा जिला व उपमंडल स्तर पर खेल अकादमियां खोलती है, तो भविष्य में हिमाचल के खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के कई महाविद्यालयों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल ढांचा तैयार खड़ा यूं ही बेकार हो रहा है। इस कॉलम के माध्यम से पहले भी इस विषय पर बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर सरकार का रवैया उदासीन रहा है। खेल विंगों के लिए सरकार को न तो खेल ढांचा खड़ा करना पड़ता है और न ही नया छात्रावास बनाना पड़ता है। केवल खेल विशेष का प्रशिक्षक और खिलाडियों के लिए खुराक व रहने का प्रबंध करना होता है जो आसानी से बहुत कम धन राशि खर्च करके हो सकता है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद काफी सुधरा है। स्कूली स्तर पर खेल छात्रावासों को आज से तीन दशक पहले शुरू कर दिया गया था। पपरोला का बास्केटबॉल खेल छात्रावास तत्कालीन भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षक जन्म चंद कटोच के प्रशिक्षण में काफी फला फूला था। स्कूली स्तर पर एशियाई प्रतियोगिता में कई खिलाडियों ने शिरकत की थी। सुरेश व सुरजीत जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इसी प्रशिक्षण की देन हैं। हाकी में माजरा स्कूली खेल छात्रावास की लड़कियों ने पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय स्कूली खेलों में हिमाचल प्रदेश को पदक तालिका में स्थान दिलाया है। इन लड़कियों को ऐस्ट्रो टर्फ मिले तो यहां से और भी अच्छे परिणाम आ सकते हैं। क्या इस खेल छात्रावास को फीडिंग रख कर अच्छे खिलाडियों को ऐस्ट्रो टर्फ पर प्रशिक्षण के लिए ऊना में एक और नया स्कूल स्तर पर लडक़े व लड़कियों के लिए छात्रावास जल्द ही हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग को खोलना चाहिए। हिमाचल प्रदेश के स्कूली लडक़ों ने भी कुछ वर्ष पहले अंडर 17 वर्ष आयु वर्ग में हिमाचल प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक हासिल किया था। स्कूल स्तर की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिमाचल प्रदेश का प्रदर्शन सम्मानजनक खेल छात्रावासों के कारण रहता है। हिमाचल प्रदेश में स्कूली स्तर पर पपरोला में लडक़ों के लिए बास्केटबॉल, सुंदरनगर व नादौन में लडक़ों की हाकी, माजरा में लड़कियों के लिए हाकी में खेल छात्रावास चल रहे हैं। वालीबाल में स्कूली स्तर पर प्रशिक्षण का अच्छा प्रबंध है। मतियाणा व रोहड़ू में लडक़ों को तथा कोटखाई में लड़कियों के लिए खेल छात्रावासों को वर्षों पहले से शुरू किया गया है। रोहड़ू में फुटबॉल का भी खेल छात्रावास है। पिछले कुछ वर्षों में भी स्कूली स्तर पर कई जगह खेल छात्रावास खोले हैं। इन सब नए पुराने छात्रावासों में अच्छे प्रशिक्षकों के साथ साथ खेल सुविधाओं में काफी सुधार की जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में भारतीय खेल प्राधिकरण ने तीस वर्ष पहले शिलारू में विशेष खेल क्षेत्र योजना के अंतर्गत खेल छात्रावास शुरू किया था, जो राष्ट्रीय स्तर पर अच्छे परिणाम देने के बावजूद बंद हो गया था। उसी समय बिलासपुर व धर्मशाला में भारतीय खेल प्राधिकरण ने खेल छात्रावासों की शुरुआत की और ये आज तक चल रहे हैं। बिलासपुर में साई के तत्कालीन वालीबाल प्रशिक्षक स्वर्गीय एनके शर्मा ने बंगाणा क्षेत्र के सुरजीत सहित कई अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को तराश कर भविष्य के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। शाम के वक्त सेहत गड़बड़ हो सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप महसूस करेंगे कि आस-पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज का दिन समझ-बूझ के क़दम उठाने का है, इसलिए तब तक अपने विचार व्यक्त न करें जब तक आप उनकी सफलता के लिए आश्वस्त न हों। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सेहत बढ़िया रहेगी। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। एक मज़ेदार शाम के लिए दोस्त आपको अपने घर पर बुलाएंगे। आपका साथी आपसे आज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षा करेगा। आप बहुत कठिन काम पूरा करने में क़ामयाब रहेंगे। दीर्घ-विधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। अगर आप कार्यक्षेत्र में बेहतर करना चाहते हैं तो अपने काम में आधुनिकता लाने की कोशिश करें। इसके साथ ही नई तकनीक से अपडेटेड रहें। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताज़ा करने का दिन है। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फ़ुर्सत के पल मिल सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपमें आज चुस्ती-फ़ुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अटके कामों के बावजूद रोमांस और बाहर घूमना-फिरना आपके दिलो-दिमाग़ पर छाया रहेगा। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे– लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक-झोंक हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कुछ रचनात्मक करने के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अगर आप परिवार के सदस्यों के साथ समय नहीं बिताएंगे, तो आप घर पर समस्याओं की उम्मीद कर सकते हैं। अपने प्रिय की पुरानी बातों को माफ़ करके आप अपनी ज़िंदगी में सुधार ला सकते हैं। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी– लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। कामकाज के सिलसिले में आपके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। परिवार वालों का हँसी-मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। किसी की प्यार में क़ामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। साझीदारी में किसी नई परियोजना को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। इससे सभी को मुनाफ़ा होगा। लेकिन साझीदार से हाथ मिलाने से पहले भली-भांति विचार कर लें। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 मार्च 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 07:20 तक
नक्षत्र : चित्रा प्रातः 11:16 तक
योग : वृद्धि प्रातः 06:51 तक
करण : बव प्रातः 06:34 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:30, सूर्यास्त 06:24 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:32, सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:25, सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:21 , सूर्यास्त 06:15 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चतुर्थी शनिवार सिद्धि योग रात्रि 07:20 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का श्रेय कांग्रेस सरकार को : अशोक गहलोत

जयपुर, 06 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के शिलान्यास समारोह से एक दिन पहले इस परियोजना की शुरुआत का श्रेय पिछली कांग्रेस सरकार को दिया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए भूमि आवंटन और प्रारंभिक स्वीकृतियों सहित महत्वपूर्ण कदम उनके कार्यकाल के दौरान हवाई अड्डे को वास्तविकता बनाने के लिए उठाए गए थे। कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे की आधारशिला शनिवार को शंभूपुरा में नए हवाई अड्डे के स्थल पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में रखी जाएगी। यह हाड़ौती क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है।

इसी अवसर पर, क्षेत्र के लिए दो प्रमुख पेयजल परियोजनाओं नवनेरा मेगा पेयजल परियोजना और परवन-अकावड मेगा पेयजल परियोजना के लिए भूमि पूजन समारोह भी आयोजित किए जाएंगे। इस हवाई अड्डे का निर्माण लगभग 1,507 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से किया जाएगा और इसकी व्यस्त समय में लगभग 1,000 यात्रियों की क्षमता होगी। इस परियोजना में 20,000 वर्ग मीटर का टर्मिनल भवन, 3,200 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा रनवे, एयरबस ए-321 श्रेणी के विमानों के

लिए पार्किंग सुविधाएं और विमान पार्किंग के लिए सात एप्रन बे शामिल होंगे।

इस एयरपोर्ट से कोटा, बूंदी और पूरे हाड़ौती क्षेत्र के लिए हवाई संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है, जिससे पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। अशोक गहलोत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक जनसभा में कोटा के लोगों से हवाई अड्डे का वादा किया था, जिसके बाद कांग्रेस सरकार ने परियोजना को लागू करने के लिए ठोस कदम उठाए।

गहलोत ने कहा, 2021 में हमारी सरकार ने कोटा में एयरपोर्ट की परियोजना के लिए 1,250 एकड़ जमीन मुफ्त में आवंटित की थी।उन्होंने आगे कहा कि 2022 में इसके निर्माण के लिए आवश्यक बिजली लाइनों को स्थानांतरित करने के लिए 120 करोड़ रुपए का बजट भी स्वीकृत किया गया था।गहलोत ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की देरी के कारण यह परियोजना लगभग चार वर्षों तक ठप रही। अब जब आधारशिला रखी जा रही है, तो उम्मीद है कि निर्माण कार्य तेजी से और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा हो जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार ने कोटा को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए काम किया था। उन्होंने चंबल रिवरफ्रंट जैसी परियोजनाओं का उदाहरण दिया, जिसे क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए बनाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार की उपेक्षा के कारण रिवरफ्रंट पर रेस्तरां और अन्य सुविधाओं का विकास अभी तक नहीं हुआ है।

गहलोत ने कहा कि राजस्थान सरकार को नदी तट का और अधिक विकास और उचित रखरखाव करना चाहिए ताकि हाड़ौती क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिल सके और हवाई अड्डे की परियोजना भी अधिक सार्थक बन सके। इस बीच, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, पीएचईडी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री और कोटा जिले के प्रभारी गौतम कुमार डाक और ऊर्जा राज्य मंत्री और बूंदी जिले के प्रभारी हीरालाल नागर सहित कई लोगों के इस कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है।

तमिलनाडु में सांडों की लड़ाई के दौरान बड़ा हादसा

सुवाणा के युवक की मौत, पेट में सींग घुसने से तोड़ा दम

भीलवाड़ा/शिवगंगा (तमिलनाडु), 06 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में आयोजित एक पारंपरिक आयोजन के दौरान भीलवाड़ा के सुवाणा निवासी एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। सांडों की लड़ाई (मंजू विरट्टू) के दौरान एक सांड ने युवक पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही जान चली गई। जानकारी के अनुसार, तमिलनाडु के शिवगंगा जिले के सिंगम पुनारी कस्बे में 'मंजू विरट्टू' का आयोजन किया जा रहा था। इस पारंपरिक खेल में सैकड़ों की संख्या में सांड भाग लेते हैं। भीलवाड़ा के सुवाणा निवासी जमना लाल नायक (37), जो पिछले कई वर्षों से तमिलनाडु में नौकरी कर रहे थे, इस आयोजन को देख रहे थे। इसी दौरान एक अनियंत्रित सांड ने जमना लाल के पेट में सींग घोंप दिया।

इस भीषण हादसे में जमना लाल नायक के अलावा मदुरै के रामनाथ (23) और पुदुक्कोट्टई के सुंदर राजन (34) की भी मौत हो गई। घटना के दौरान मची अफरातफरी में लगभग 95 लोग घायल हुए हैं। भीलवाड़ा निवासी युवक की मौत की खबर जैसे ही उसके पैतृक कस्बे सुवाणा पहुंची, वहां शोक की लहर दौड़ गई।

तमिलनाडु में होली के आसपास आयोजित होने वाला यह एक पारंपरिक खेल है, जिसमें सांडों के प्रशिक्षण और उनकी लड़ाई का प्रदर्शन किया जाता है। शिवगंगा जिले के इस आयोजन में 500 से अधिक सांडों ने हिस्सा लिया था। सुरक्षा के इंतजामों के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में लोगों का हताहत होना प्रबंधन पर सवाल खड़े कर रहा है।

जुमे की नमाज के दौरान मस्जिद की दीवार गिरी, तीन साल के बच्चे सहित 12 से अधिक घायल

जयपुर, 06 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां शुक्रवार की नमाज के दौरान फिरदौस मस्जिद की एक दीवार गिर गई, जिससे तीन साल के बच्चे समेत 12 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में से आठ की हालत गंभीर है और उन्हें सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना दोपहर करीब 2:30 बजे भट्टा बस्ती थाना क्षेत्र में स्थित फिरदौस मस्जिद में हुई। शुक्रवार की नमाज के लिए मस्जिद में सैकड़ों नमाजी मौजूद थे, तभी पहली मंजिल की बालकनी की दीवार अचानक गिर गई, जिससे कई लोग मलबे के नीचे दब गए और वहां

मौजूद लोगों में दहशत फैल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हादसा नमाज अदा करने के बाद मस्जिद से बाहर निकलते समय हुआ।पहली मंजिल की बालकनी पर भारी भीड़ के कारण दीवार पर दबाव बढ़ गया, जिससे वह अचानक गिर गई। पास खड़े कुछ बच्चे भी ढहती हुई इमारत के साथ गिर गए। स्थानीय निवासियों और पुलिस ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और मलबे के नीचे से घायलों को बाहर निकाला।

सभी घायलों को प्रारंभिक उपचार के लिए कनवाटिया अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। इनमें से आठ को गंभीर चोटों के कारण एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायलों में रुस्तम (40), ईशान (34), खुर्शीद (25), सुहैल (25), इमाम जफर (20), इकबाल (18), और दो अन्य शामिल हैं।

तीन घायलों का इलाज कनवाटिया अस्पताल में चल रहा है, जबकि कई अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। कनवाटिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आरएस तनवर ने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद लगभग 15 घायलों को अस्पताल लाया गया।

सचिव रेखा यादव ने सखी वन स्टॉप सेंटर, बाल संप्रेषण एवं किशोर गृह का किया निरीक्षण

धौलपुर, 06 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजीव मागो के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव ने सखी वन स्टॉप सेंटर तथा बाल संप्रेषण एवं किशोर गृह का संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरान बालक-बालिकाओं को दी जा रही सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, भोजन, स्वास्थ्य सेवाओं एवं अधोसंरचना की स्थिति का मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के दौरान सखी वन स्टॉप सेंटर एवं बाल संप्रेषण एवं किशोर गृह में भवन की संरचनात्मक स्थिति, वेंटिलेशन एवं प्राकृतिक प्रकाश की व्यवस्था, परिसर में सामान्य स्वच्छता का स्तर, निर्धारित मानकों के अनुरूप पर्याप्त स्थान, सुरक्षा हेतु बाउंड्री वाल एवं प्रवेश नियंत्रण की व्यवस्था, आवासीय सुविधाओं के अंतर्गत डॉरमेट्री, कमरों की उपलब्धता, पर्याप्त छात्रावास, कमरे, आयु के अनुसार अलग-अलग आवास, बिस्तर सुविधाएं, भंडारण व्यवस्था, स्वच्छता एवं स्वास्थ्यकर व्यवस्था शौचालय एवं स्नानगृह, बाथरुम एवं कार्यशील स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, कचरा निस्तारण प्रणाली, भोजन एवं पोषण भोजन की गुण-वत्ता कच्चे खाद्य पदार्थों के पृथक भंडारण की व्यवस्था, भोजन रजिस्टर संधारित बीमार बालिकाओं हेतु विशेष आहार की व्यवस्था उपलब्धता, रसोईघर में स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाएं प्राथमिक उपचार किट, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अस्पताल के साथ साझेदारी, सीसीटीवी कैमरे, आगंतुक रजीस्टर का रखरखाव, शिकायत पेटिका, शिकायत निवारण तंत्र एवं अन्य आवश्यक बिंदुओं पर सचिव द्वारा बारिकी से निरीक्षण किया गया साथ ही निरीक्षण दौरान वन स्टॉप सेंटर में एक बालिका उपस्थित मिली एवं एक बालिका को मेडिकल के लिए एवं एक अन्य को बयान के लिए ले जाया गया था।

ग्रीन बेल्ट को डंपिंग प्वाइंट बनाने पर नाराज सैलजा, अधिकारियों को लगाई फटकार

सिरसा, 06 मार्च (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने शुक्रवार को पंचायत भवन में आयोजित 'दिशा' बैठक के दौरान शहर की सफाई व्यवस्था और सिविल अस्पताल के सामने स्थित ग्रीन बेल्ट को डंपिंग प्वाइंट में तब्दील किए जाने पर अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ग्रीन बेल्ट में कचरा डालना ही है तो फिर पंचायत भवन के पार्क में ही डंपिंग प्वाइंट बना लिया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रीन बेल्ट का उद्देश्य शहर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाना होता है, लेकिन उसे कचरा फेंकने की जगह बना देना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। कुमारी सैलजा ने नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस स्थान से तुरंत कचरा हटाकर इसे दोबारा ग्रीन बेल्ट के रूप में विकसित किया जाए। बैठक में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फैल रही गंदगी और सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। सांसद ने अधिकारियों से सवाल किया कि बार-बार सफाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति लगातार खराब क्यों होती जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर की सफाई व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए और सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

पंचायत भवन में आयोजित 'दिशा' बैठक में शहर में चल रही रेलवे परियोजनाओं की धीमी प्रगति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने निर्माणाधीन फुट ओवरब्रिज सहित अन्य रेलवे परियोजन-

ाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि शहर में निर्माणाधीन फुट ओवरब्रिज का कार्य अभी तक लगभग 50 प्रतिशत ही पूरा हुआ है। इस पर सांसद ने अधिकारियों से पूछा कि जब पिछले तीन महीनों में मात्र 10 प्रतिशत कार्य हुआ है तो शेष कार्य निर्धारित समय सीमा तक कैसे पूरा होगा। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट कार्य योजना प्रस्तुत करने और कार्य की गति तेज करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त कोर्ट रोड पर निर्माणाधीन रेलवे अंडरब्रिज (आरयूबी-144) के कारण शहर के यातायात पर पड़ रहे प्रभाव पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पेयजल लाइन का कार्य पूरा होने के बाद अब लंबित सीवरेज लाइन का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए ताकि परियोजना समय पर पूर्ण हो सके। सांसद ने चत्तरगढ़पट्टी रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की प्रगति पर भी जानकारी ली और निर्माण कार्य के दौरान शहरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक मार्ग विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हिसार रोड, कोर्ट रोड और चत्तरगढ़पट्टी रोड शहर को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग हैं, इसलिए निर्माण कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए उचित प्रबंध किए जाएं।

बैठक में सिरसा क्षेत्र की विभिन्न विकास परियोजनाओं तथा जनसुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सिरसा के उपायुक्त शान्तनु शर्मा, जिला परिषद के अध्यक्ष करण चौटाला सहित केंद्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा विधान सभा के बजट सत्र में हैट्रिक

लगातार तीसरे दिन प्रश्नकाल में सभी 20 प्रश्नों के जवाब, सार्थक चर्चा भी हुई

चंडीगढ़, 06 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा के बजट सत्र 2026 के दौरान कार्यवाही में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई है। सदन में प्रश्नकाल के दौरान लगातार तीसरे दिन भी निर्धारित सभी 20 प्रश्नों के उत्तर दिए गए, जिससे प्रश्नकाल के प्रभावी संचालन की हैट्रिक लग गई। सदन की कार्यवाही के दौरान सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों पर संबंधित मंत्रियों ने विस्तार से जवाब दिए। इसके साथ-साथ प्रश्नों के पूरक प्रश्नों पर भी सार्थक चर्चा हुई, जिससे जनहित से जुड़े अनेक विषय सदन के माध्यम से सामने आए। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने प्रश्नकाल के सफल संचालन के लिए सभी सदस्यों तथा मंत्रियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रश्नकाल अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह वह माध्यम है जिसके जरिए जनप्रतिनिधि सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं और जनता की समस्याओं को सदन के पटल पर रखते हैं और यह सदस्यों और मंत्रियों की कार्यकुशलता का प्रदर्शन जैसा है।

मुख्यमंत्री सैनी से मिले सिंगापुर इंडिया बिज़नेस फोरम के अध्यक्ष प्रसून मुखर्जी

चंडीगढ़, 06 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शुक्रवार को सिंगापुर इंडिया बिज़नेस फोरम के अध्यक्ष प्रसून मुखर्जी ने मुलाकात की। इस दौरान हरियाणा में औद्योगिक निवेश, व्यापारिक सहयोग तथा सिंगापुर की कंपनियों के लिए उपलब्ध अवसरों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिंगापुर इंडिया बिज़नेस फोरम और सिंगापुर के निवेशकों को हरियाणा में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने तथा निवेशकों को अनुकूल माहौल प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सरकार पारदर्शी नीतियों, सरल प्रक्रियाओं और बेहतर बुनियादी ढांचे के माध्यम से निवेश को प्रोत्साहित कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। हरियाणा में

निवेश करने के लिए आने वाले निवेशकों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी और उनके हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में उद्योगों के विस्तार से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और प्रदेश की आर्थिक प्रगति को और गति मिलेगी।बैठक के दौरान गुरुग्राम में सिंगापुर इंडिया बिज़नेस फोरम का बिज़नेस सेंटर स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम में बिज़नेस सेंटर स्थापित होने से सिंगापुर की कंपनियों को हरियाणा में अपने कार्यालय खोलने और निवेश करने के लिए एक बेहतर मंच मिलेगा।

पब्लिक गवर्नेंस – प्रोग्रेस प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर

आदिलाबाद जिले के जॉइंट इंचार्ज मिनिस्टर जुपल्ली कृष्ण राव ने दिया निर्देश

आसिफाबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के टूरिज्म, कल्चर और एक्साइज मिनिस्टर तथा आदिलाबाद जिले के इंचार्ज मिनिस्टर जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 99-दिन की 'पब्लिक गवर्नेंस - प्रोग्रेस प्लान' (प्रजा पालना - प्रगति प्रणालिका) को जॉइंट जिले में असरदार तरीके से लागू किया जाना चाहिए।

शुक्रवार को आदिलाबाद के सांसद गोदाम नागेश, चङ- पायला शंकर, अनिल जाधव, वेदमा बोज्जू, आदिलाबाद म्युनिसिपल चेयरपर्सन अनुषा, आदिलाबाद कलेक्टर राजर्षि शाह, ड.झ. अखिल महाजन समेत दूसरे अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए कुमरामभीम आसिफाबाद, निर्मल और मंचेरियल जिलों के कलेक्टरों, अधिकारियों और पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव के साथ रिव्यू मीटिंग की।

इस मौके पर बोलते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि आदिलाबाद जिले में सिंचाई प्रोजेक्ट से जुड़े पेंडिंग कामों में तेज़ी लाई जाए, ज़मीन अधिग्रहण पर खास ध्यान दिया जाए, अगर कोई मरम्मत करनी है तो उसे तुरंत युद्धस्तर पर पूरा किया जाए, और कम खर्च में ज़्यादा से ज़्यादा आयाकटों में सिंचाई की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में पीने के पानी की कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए, और उचठ केस में मिलर्स से अनाज की रिकवरी और केस की प्रोग्रेस जैसे मुद्दों पर 30 अप्रैल तक पूरी रिपोर्ट जमा की जाए।

उन्होंने अधिकारियों को आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की लिस्ट को आधार और बैंक अकाउंट से जोड़ने, बिना किसी गड़बड़ी की गुंजाइश के कार्रवाई करने, ड्रग्स पर सख्ती करने, और गैर-कानूनी रेत की तस्करी और माइनिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा के विकास के लिए कई कदम उठाएगी, और सुझाव दिया कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में स्टूडेंट्स की संख्या बढ़ाई जाए, और स्टूडेंट्स के माता-पिता के साथ मीटिंग की जाए। उन्होंने कहा कि वेलफेयर स्कीमों के लिए बेनिफिशियरी चुनने और उन्हें लागू करने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जनता से मिली अर्जी का 10-15 दिन में हल किया जाए, अधिकारी अपने अधिकार क्षेत्र की समस्याओं का हल करें और जो समस्याएं उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं हैं, उन्हें उच्च अधिकारियों को रिकमेंड करें, जिससे पीड़ितों को समय पर राहत मिल सके। उन्होंने सुझाव दिया कि कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ जाति, आवासीय और दूसरी अर्जी की नियमों के अनुसार जांच करके उन्हें समय पर ऑनलाइन उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जाएं।

उन्होंने आदेश दिया कि बसारा सरस्वती मंदिर में सभी सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएं और बसारा खखखढ में समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाए जाएं।

मुख्यमंत्री के विचारों के अनुसार, अधिकारियों को जनता सरकार के लक्ष्यों को पाने के लिए कमिटमेंट के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जिलों में विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों को लागू करने की गति बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि लोगों को सरकारी सेवाएं जल्दी मिलें।उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए कि राज्य में जनता की सरकार बनने के बाद पिछले 2 सालों में लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों का लाभ योग्य लाभार्थियों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार को ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी के साथ काम करना चाहिए और लोगों का सरकार पर भरोसा बढ़ाना चाहिए।

मंत्री ने अधिकारियों को जिलों में एनवायरनमेंट क्लीनिंग प्रोग्राम, सरकारी ऑफिस में पेंडिंग फाइलों का जल्दी सॉल्यूशन, लोगों के लिए बेहतर हेल्थ सर्विस, रोड सेफ्टी, सेफ ट्रैवल के उपाय, वेलफेयर स्कीम्स का सही लोगों तक पहुंचना, बच्चों की सेफ्टी, ड्रग्स रोकने के अवेयरनेस प्रोग्राम, एजुकेशन, यूथ-स्पोर्ट्स डेवलपमेंट, महिला एम्पावरमेंट और एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन जैसे मुद्दों पर खास ध्यान देने का निर्देश दिया।

उन्होंने सुझाव दिया कि गांव, मंडल, चुनाव क्षेत्र और जिला लेवल पर कोऑर्डिनेशन से काम किया जाना चाहिए, लोगों को पार्टनर बनाया जाना चाहिए और रिजल्ट दिखने चाहिए।

डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर के. हरिथा, जिला अधिकारियों और पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव के साथ डिस्ट्रिक्ट सेंटर में इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट कलेक्ट्रेट बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स से शामिल हुए। इस मौके पर बोलते हुए, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने कहा कि सरकार के आदेश के अनुसार अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन करके जिले में पब्लिक गवर्नेंस-प्रोग्रेस प्लानिंग प्रोग्राम को असरदार तरीके से लागू करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। इस प्रोग्राम में संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

किनवट, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । नांदेड लायन्स नेत्रालय एवं श्री साईबाबा श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर संस्थान किनवट के संयुक्त तत्वावधान में एक नि:शुल्क नेत्रजांच, मोतियाबिंद सर्जरी, और दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किनवट स्थित ओमसाई कल्याण मंडप में किया गया। इस शिविर में 41 लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 11 मरीज मोतियाबिंद से प्रभावित पाए गए।

इन सभी मरीजों को नांदेड लायन्स नेत्रालय की वाहन से मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए भेजा जाएगा, और उपचार के बाद उन्हें वापस लायन्स नेत्रालय की वाहन से किनवट लाया जाएगा। इस शिविर की शुरुआत शिविरार्थियों द्वारा श्री साईबाबा एवं श्री नर्मदेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना से की गई।

शिविर में विशेषज्ञों ने नि:शुल्क सेवाएं प्रदान की, जिसमें नेत्र परीक्षण के लिए नेत्रतज्ज्ञ डॉ. अमोल पवले और डॉ. अभिजित ओव्हल ने बीपी एवं शुगर की जांच की। इसके बाद 11 मरीजों को मोतियाबिंद सर्जरी के लिए नांदेड रवाना किया गया। वहीं, दंततज्ज्ञ डॉ. बालाजी धर्मकारे द्वारा दंत जांच की गई।

शिविर को मंदिर संस्थान के सच्चिदानंद पवार गुरु स्वामी के मार्गदर्शन में और लायन्स क्लब किनवट के पूर्व अध्यक्ष मूर्ती अण्णा की प्रमुख उपस्थिती में सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर कृउबा संचालक बालाजी बामणे, अमित पुजारी, अशोक गाडेकर, गणेश झलके, प्रेमसिह चव्हाण, निलकंठ भंडारे, लेखक शंकर भातनासे, सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे। मंदिर संस्थान की ओर से उपस्थित शिविरार्थियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी।

आयोजकों के अनुसार, यह शिविर पिछले कई वर्षों से हर महीने के पहले गुरुवार को नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है।

रमजान के पावन अवसर पर रोजा इफ्तार का आयोजन

किनवट, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । पवित्र रमजान उल मुबारक माह के पावन अवसर पर शिव-सेना ठाकरे गुट के युवा नेता करण एड्लवार की ओर से जामा मस्जिद किनवट परिसर में गुरुवार को रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न समाजों के प्रमुख गणमान्य, पुलिस अधिकारी, रोजा दार, और नागरिक भी शामिल हुए।

रोजा इफ्तार दावत के समय एक-दूसरे को खजुर और फल खिलाकर धार्मिक सद्भाव और एकता की मिसाल प्रस्तुत की गई। यह दृश्य आपसी सम्मान और भाईचारे का एक सुंदर उदाहरण बना।

इस इफ्तार दावत कार्यक्रम में आयोजक युवा नेता करण एड्लवार, उपनगराध्यक्ष हसनलाला पठाण, पुलिस निरीक्षक गणेश कराड, पार्षद अभय महाजन, पूर्व नगराध्यक्ष अरुण आलणे, पार्षद प्रविण राठोड, राकाशप तहसील अध्यक्ष प्रकाश राठोड, पूर्व नगराध्यक्ष मूर्ती अण्णा, अनवरभाई मिर्झा, मुकद्दर अली, माजीद भाई चव्हाण, निसार भाटी, शहाबाज खान, रशीद कुरेशी, बाबु कोल्हे, हसन कुरेशी, मजहर शेख, नौशाद खान, और प्रकाश बोदमवाड सहित कई मुस्लिम रोजेदार व अन्य नागरिक उपस्थित थे।

नगर आयुक्त को गाली देने के आरोप में कांग्रेस नेता पर मामला दर्ज

मंचेरियाल, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । एक कांग्रेस नेता के खिलाफ चेन्नूर नगर आयुक्त को गाली देने और सोशल मीडिया पर नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ निराधार आरोप फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि आयुक्त से मिली शिकायत के बाद कांग्रेस के नगर स्तरीय नेता और एक पार्षद के पति, सुद्दापेल्ली सुशील के खिलाफ कार्रवाई की गई।

शिकायत में कहा गया है कि सुशील ने तेलंगानाकु हरित हरम योजना के तहत लगाए गए पौधों की लागत से संबंधित अनुदान स्वीकृत करने के लिए आयुक्त के कक्ष में आयोजित एक बैठक के दौरान आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया।

इस दौरान उन्होंने आयुक्त को अपशब्द कहे और नगर निगम के अधिकारियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने हाल ही में हुए नगर निगम चुनावों में भाग लेने वाले उम्मीदवारों द्वारा जमा की गई धनराशि का दुरुपयोग किया है।

बेल्लमपल्ली में सड़क गड्ढों पर अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे

बेल्लमपल्ली, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । नगर पालिका अधिकारी गड्ढों की वजह से खराब हो रही सड़क पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। बेल्लमपल्ली बस्ती से गुरजाला जाने वाली सड़क की मरम्मत अधिकारियों को तुरंत करवानी चाहिए, यह मांग शुक्रवार को एमसीपीआईयू पार्टी के जिला सहायक सचिव पासुलेटी वेंकटेश ने की।

उन्होंने बताया कि बेल्लमपल्ली बस्ती से अलग-अलग मंडलों तक जाने वाली पूरी सड़क खराब हो गई है। गड्ढे और बड़े गड्ढे बन गए हैं, और यह बहुत दुख की बात है कि अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। छात्र प्रतिदिन उसी सड़क से कॉलेज और हॉस्टल जाते हैं।

यदि बाइक या ऑटो के टायर उन गड्ढों में फंसकर फिसल जाएं, तो बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना है। पासुलेटी वेंकटेश ने कहा, यह शर्म की बात है कि अधिकारी उस सड़क पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। हम संबंधित अधिकारियों से अपील करते हैं कि वे इस पर ध्यान दें और गड्ढों वाली सड़क की मरम्मत तुरंत करें, ताकि लगातार अलग-अलग मंडलों में आने-जाने वाले लोगों को किसी दुर्घटना का सामना न करना पड़े।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस कार्यक्रम में एमसीपीआईयू पार्टी बेल्लमपल्ली मंडल सचिव अरेपल्ली सतीश, नगर सचिव अरेपल्ली रमेश और अन्य लोगों ने भाग लिया।

आदिलाबाद में एक महीने बाद बाघ की हलचल से दहशत

आदिलाबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

थम्सी मंडल के विभिन्न गांवों में एक महीने के अंतराल के बाद बाघ की हलचल ने ग्रामीणों के बीच दहशत पैदा कर दी है। गुरुवार और शुक्रवार को गुंजाला और धनोरा गांवों के बाहरी इलाकों में खेतों की ओर जाने वाली सड़क पर बाघ के पदचिह्न (पगमार्क) देखे गए।

स्थानीय किसानों ने बताया कि उन्होंने दो गांवों के बीच की सड़क पर बाघ के पगमार्क देखे हैं। उन्हें संदेह है कि बाघ जंगलों में घूम रहा है और शिकार की तलाश में खेतों के बीच से गुजर सकता है। किसानों ने स्थानीय वन अधिकारियों को सतर्क कर दिया है और कैमरा ट्रैप लगाने

तथा एनिमल ट्रैकर्स (पशु ट्रैकर्स) का उपयोग करके इसकी गतिविधियों पर नज़र रखने का आग्रह किया है।

ग्रामीणों ने याद दिलाया कि 3 फरवरी को गोलाघाट गांव में एक बाघ ने एक बछड़े को मार डाला था। उस समय वन अधिकारियों ने बाघ का पीछा करने के लिए सीसीटीवी कैमरे और ट्रैकर तैनात किए थे। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि बाघ बाद में गायब हो गया, जिससे यह संदेह पैदा हुआ कि वह पड़ोसी महाराष्ट्र के जंगलों में चला गया होगा।

वन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यवतमाल जिले के तिपेश्वर वन्यजीव अभयारण्य का एक बाघ पखवाड़े भर पहले पेनगंगा नदी पार कर आया होगा। उनका संदेह है कि यह बाघ निर्मल, निजामाबाद और करीमनगर जिलों को पार करने के बाद यदाद्रि-भोंगिर जिले में चला गया होगा।

अधिकारियों के अनुसार, अभी यह सुनिश्चित किया जाना बाकी है कि यदाद्रि में देखा गया बाघ वही है जो थम्सी में देखा गया था। वे जगतिआल जिले के अपने समकक्षों से भी संपर्क कर रहे हैं, जहाँ कुछ दिन पहले बाघ देखा गया था।

स्वच्छता पर क्रांतिकारी प्रगति होनी चाहिए : हरिता

आसिफाबाद/कुमराम्भीम, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिलाधिकारी के. हरिता ने कहा कि स्वच्छता पर क्रांतिकारी प्रगति होनी चाहिए। लोक प्रशासन-प्रगति योजना कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को अपर समाहर्ता एम. डेविड ने जिले के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ एकीकृत समाहरणालय के आसपास के क्षेत्रों में कचरा संग्रहण किया।उन्होंने सरकारी कर्मचारियों को कार्यालयों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और लोगों को जागरूक करने की सलाह दी। हरिता ने कहा कि प्लास्टिक का उपयोग कम किया जाना चाहिए, क्योंकि प्लास्टिक कचरा न केवल स्वच्छता की कमी का कारण बनता है बल्कि पर्यावरण पर भी गंभीर प्रभाव डालता है।

मंचेरियाल की मां-बेटी मास्टर शेफ इंडिया सीज़न में टॉप पर

मंचेरियाल, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

तेलुगु राज्यों की शान, मंचेरियाल निवासी राचकोंडा रवि चंदर और उनकी बेटी राचकोंडा चंदना, मशहूर मास्टर शेफ इंडिया प्रोग्राम में तेलुगु राज्यों से पहली जोड़ी के रूप में चुनी गई हैं। इस सीजन में, मास्टर शेफ इंडिया में पहली बार जोड़ी सिस्टम शुरू किया गया, जिसमें साई श्री और चंदना ने मां-बेटी की जोड़ी के तौर पर पांच ऑडिशन में हिस्सा लिया और चुन ली गईं।

साई श्री (24) ने बी.टेक इंजीनियरिंग की है और खाना पकाने में अपनी दिलचस्पी और जुनून के साथ, उन्होंने तेलुगु मास्टर शेफ सीजन-1 में हिस्सा लेकर टॉप-6 सेमीफाइनल लिस्ट में जगह बनाई। वर्तमान में, वह हैदराबाद में एलिपायकरम रेस्टोरेंट की को-फाउंडर हैं और फैमिली बिजनेस सिरी केटरिंग को भी प्रबंधित करती हैं।चंदना वनिता वाक्कू रूरल सोसाइटी की अध्यक्ष हैं, जो नैचुरल और ऑर्गेनिक खेती करती हैं। उन्होंने पूरे देश में हिस्सा लेकर टॉप 25 में जगह बनायी और फिर से टॉप 12 में बनी रहीं, जिससे वे मास्टर शेफ इंडिया में हिस्सा लेने वाली तेलुगु राज्यों की पहली जोड़ी बन गईं।मास्टर शेफ इंडिया में जोड़ी ऑडिशन के माध्यम से तेलंगाना के खाने के कल्चर को इंटरनेशनल लेवल पर ले जाने का प्रयास किया

गया है। उन्हें जज शेफ विकास खन्ना, शेफ रणवीर बराड़ और शेफ कुणाल कपूर से तारीफें प्राप्त हो रही हैं। इस जोड़ी ने मास्टर शेफ कार्यक्रम में हिस्सा लेकर विनर बनने का गौरव भी हासिल किया।

वे टॉप फाइनल में पहले और दूसरे रनर-अप रहे, साथ ही उन्हें 5 लाख की प्राइज मनी मिली, जिससे तेलंगाना को बहुत पहचान दिलाई। मास्टर शेफ की शूटिंग लगातार मुंबई में चलती रही।एंडमोल शाइन इंडिया द्वारा आयोजित इस मास्टर शेफ इंडिया सीज़न-10 में, साई श्री और चंदना मां-बेटी फॉर्मेट में चुनी गईं। सोनी टीवी द्वारा आयोजित मास्टर शेफ में अपनी काबिलियत के साथ शामिल होने पर मंचेरियाल जिले के निवासियों ने उन्हें बधाई दी।

बेल्लमपल्ली में लोक प्रशासन प्रगति योजना कार्यक्रम

बेल्लमपल्ली, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

बेल्लमपल्ली में लोक प्रशासन-प्रगति योजना 99 कार्यक्रम बड़े पैमाने पर आयोजित किया गया। नगर पालिका चेयरपर्सन दावा स्वाति ने शुक्रवार को नगर पालिका कार्यालय में इस पब्लिक लोक प्रशासन-प्रगति योजना कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस मौके पर पार्षदों से शपथ दिलाई गई। सांसद दावा स्वाति ने कहा कि यह विशेष प्रगति योजना कार्यक्रम 10 दिनों तक चलेगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने शहर को योजनाबद्ध तरीके से विकसित करने के मुख्य मकसद से पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन-प्रोग्रेस प्लान प्रोग्राम शुरू किया है।कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका कार्यालय के सामने मानव हार बनाया गया। पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन-प्रोग्रेस प्लान 99 प्रोग्राम के तहत पहले दिन वार्ड 1, 7, और 25 में विशेष सेनिटेशन ड्राइव चलाई गई और सेनिटेशन का कार्य प्रारंभ किया गया।इस कार्यक्रम में बेल्लमपल्ली नगर पालिका के नगर आयुक्त जे संपत, वाइस चेयरमैन रागमसेट्टी सत्यनारायण, पार्षद, म्युनिसिपल अधिकारी, मिपमा और सफाई कर्मचारियों ने भी हिस्सा लिया।

नितिका पंत ने होम गार्ड दानजी के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की

आसिफाबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के लिंगापुर मंडल के मोतीपातर गांव में होम गार्ड के रूप में कार्यरत दानजी (42 वर्ष) की हाल ही में एक सड़क दुर्घटना में गंभीरसळल मृत्यु हो गई। उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई।जिला एसपी नितिका पंत ने दानजी के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनका साथ दिया जाएगा।

अपर कलेक्टर ने कक्षा 10 के वार्षिक प्रश्न पत्रों की जांच की

आसिफाबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड ने जिला केंद्र के आईडीओसी कार्यालय में कक्षा 10 की वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों की जांच की। उन्होंने स्ट्रांग रूम में रखे गए प्रश्नपत्रों की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया और अधिकारियों को इस बात का ध्यान रखने की सलाह दी कि परीक्षा के संचालन में कोई त्रुटि न हो।इसके बाद, प्रश्नपत्रों

को जिला केंद्र के स्ट्रांग रूम से विभिन्न परीक्षा केंद्रों में वितरित किया गया। संबंधित अधिकारियों को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से परीक्षा आयोजित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया गया।

इस कार्यक्रम में डीईओ कार्यालय के कर्मचारी एवं अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

ईरान के फीफा विश्वकप में भाग लेने की संभावना नहीं, इराक या यूएई को मिल सकता है अवसर

लास एंजिल्स, 06 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और इजरायल से जारी संघर्ष को देखते ईरान का आगामी फीफा विश्व कप फुटबाल से हटना तय है। ईरान को विश्व कप के ग्रुप जी चरण में रखा गया है और उसके तीनों ही मैच अमेरिका में होने हैं और अभी के हालातों कों देखते हुए ये संभव नहीं है कि ईरान अपनी टीम भेजे। उसके मैच कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ रखे गये हैं। इसके बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मुकाबला खेलना है। विश्व कप का कार्यक्रम जब बना था तब हालात अलग थे पर जिस प्रकार से अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किये है और जवाबी कार्रवाई में ईरान ने भी इजरायल और खाड़ी में अमेरिकी ठिकाने को निशाना बनाया है उससे हालात काफी खराब हो गये हैं। एशियाई फुटबाल महासंघ के उपाध्यक्ष और ईरान के शीर्ष फुटबाल अधिकारी मेहदी ताज ने कहा, निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने की उम्मीद नहीं कर सकते।

अभी यह तय नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए अपनी टीम भेजेगा या नहीं या अमेरिका की सरकार उसकी टीम को अपने यहां आने की अनुमति देती है या नहीं। फीफा ने अभी तक मामले पर कोई बयन नहीं दिया है। ईरान ने पिछले आठ विश्व कप में से छह के लिए क्वालीफाई किया है। वह 211 टीमों की फीफा विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर है। अगर ईरान विश्व कप से हट जाता है तो उसके फुटबाल महासंघ को कम से कम 10.5 मिलियन डालर का नुकसान होगा। इसके अलावा उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यदि ईरान विश्व कप से हटता है तो एशिया से उसके संभावित विकल्प इराक या यूएई को शामिल कर सकता है। इराक और यूएई एशियाई क्वालीफाइंग में नौवें और दसवें स्थान पर रहे थे।इराक ने प्लेआफ में यूएई को हरा दिया था और अब विश्व कप में जगह बनाने के लिए उसे 31 मार्च को बोलीविया या सूरीनाम के खिलाफ मैच में खेलना है। इस मैच में जीत से वह विश्व कप में खेल सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

सैमसन ने जीत का श्रेय बुमराह को दिया

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज संजू सैमसन को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में उनकी 89 रनों की शानदार पारी के लिए मैन आफ द मैच का अवार्ड मिला। अवार्ड लेने के बाद सैमसन ने टीम की जीत का श्रेय जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी को देते हुए कहा कि उनके जैसे गेंदबाज पीढ़ी में एक बार ही आते हैं ऐसे में इस अवार्ड पर उनका अधिकार है। सैमसन ने कहा कि अगर बुमराह ने डेथ ओवर्स में कसी हुई गेंदबाजी नहीं की होती तो आज परिणाम कुछ और होता। बुमराह ने 15 वें से लेकर 19 वें ओवर के बीच बुमराह ने 2 ओवरों में एक भी बाउंड्री नहीं जाने दी। उनका साथ हार्दिक ने दिया। इससे मैच भारतीय टीम की पकड़ में आ गया। इंग्लैंड को जीत के लिए अंतिम 5 ओवर में 69 रन चाहिए थे और जैकब बेथेल काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। ऐसे में मैच बराबरी पर था पर इसके बाद गेंदबाजी के लिए आये बुमराह ने अपने अगले ओवर में केवल 8 रन दिये। इससे इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा जिस कारण दूसरे बल्लेबाजी सैम करन बड़ शाट लगाने के फेर में आउट हो गये। इसके बाद बुमराह ने 18 वे ओवर में भी केवल 6 रन देकर विरोधी टीम के लिए लक्ष्य का पीछा असंभवी सा बना दिया। बुमराह के इन दो ओवरों से ही मैच में अंतर आया। सैमसन ने कहा कि पांड्या ने भी 19वां ओवर काफी अच्छा किया। हार्दिक ने 19वें ओवर में मात्र 9 रन दिए थे। हार्दिक के इस ओवर की वजह से इंग्लैंड को आखिरी ओवर में 30 रन बनाने थे, जो एक बेहद कठिन लक्ष्य था जिसका पीछा करते हुए इंग्लैंड 22 रन बना सकी और 7 रन से मैच हार गयी। बुमराह ने 4 ओवर में 33 रन देकर 1 जबकि हार्दिक पांड्या ने 4 ओवर में 38 रन देकर 2 विकेट लिए।

भारत-इंग्लैंड मैच में धोनी रहे आकर्षण का केन्द्र

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां हुए दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर टी20 विश्वकप के फाइनल में पहुंच गयी है। जहां अब उसका मुकाबला रविवार को न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय टीम का गत दिवस इंग्लैंड से हुआ सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और इसमें भारतीय टीम 7 रनों से जीत हासिल करने में सफल रही। सेमीफाइनल मुकाबले में पूर्व भारतीय कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी स्टेडियम में उपस्थित थे और ऐसे में वह सभी के आकर्षण का केन्द्र रहे। भारतीय टीम की जीत के साथ ही सोशल मीडिया पर थाला फार अ रीजन की वायरल फ्रेज सोशल मीडिया में आने लगी। गौरततब है कि धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में थाला के नाम से जाना जाता है। उनकी जर्सी सात भी इसके बाद प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय रही। ऐसे में भारतीय टीम की जीत के साथ ही सोशल मीडिया पर धोनी की मौजूदगी को जीत का कारण बताते हुए पोस्ट की बाढ़ आ गई। कई यूजर्स ने थाला फार अ रीजन फ्रेज को बार-बार दोहराया, जो रातभर ट्रेंड करता रहा। भारतीय टीम की इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में जो जीत के दौरान नंबर 7 का संयोग सुखद रहा। भारतीय टीम ने 7 विकेट खोकर 253 रन बनाए। इंग्लैंड की टीम भी 7 विकेट पर 246 रन बनाने में सफल रही। भारतीय टीम 7 रन से जीती। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से संजू सैमसन ने 7 छक्के लगाये। इंग्लैंड के लिए शतक लगाने वाले जैकब बेथल ने भी 7 छक्के लगाये। धोनी की जर्सी नंबर और इस फ्रेज को लेकर पिछले कुछ सालों में कई मीम्स वायरल हुए हैं, जो आम तौर पर क्रिकेट या अन्य संदर्भों में नंबर सात के दिखने पर सामने आते हैं।

आईपीएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी आरसीबी : प्रसाद

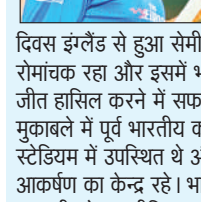

मुम्बई। गत विजेता रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीलएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में उतरेगी। अभी राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) इस स्टेडियम में सभी तैयारियों को पूरा करने के इंतजाम कर रहा है। केएससीए के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद को उम्मीद है कि 15 मार्च को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम के एकत्रित होने से पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सभी जरुरी इंतजाम पूरे कर लिए जाएंगे। आरसीबी ने इससे पहले कहा था कि वह आईपीए 2026 के शुरुआती मैच सहित पांच लीग मैच इस स्टेडियम में खेलेगी जिसके साथ ही घरेलू मैदानों को लेकर जारी संदेश दूर हो गया था। प्रसाद ने कहा, हां, अब भी स्टेडियम में कुछ काम बचा हैं और जहां तक हमारा सवाल है यह तय समय सीमा के अंदर पूरा हो जाएगा जो हमने महेश्वर राव की अध्यक्षता वाली (राज्य द्वारा नियुक्त) विशेषज्ञ समिति को दी है। उन्होंने कहा, हमने उन्हें जितना हो सका उतना संतुष्ट कर दिया है।गौरतलब है कि पिछले साल आरसीबी के आईपीएल खिताब जीतने के बाद हुए समारोह में हुड़दंग मचने के बाद से ही चिन्नास्वामी स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे ।

खो-खो के मैदान से भारतीय महिला हाकी टीम तक : छोटे गांव की बेटी रुताजा दादासो पिसाल की प्रेरणादायक उड़ान

आगामी एफआईएच हाकी महिला विश्व कप 2026 क्वालीफायर, हैदराबाद (तेलंगाना) के लिए भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां)।

महज 23 वर्ष की उम्र में रुताजा दादासो पिसाल भारतीय सीनियर महिला हाकी टीम की नियमित खिलाड़ी बन चुकी हैं। मिडफील्ड में अपनी मजबूत उपस्थिति के लिए पहचानी जाने वाली रुताजा को एफआईएच हाकी महिला विश्व कप 2026 क्वालीफायर, हैदराबाद (तेलंगाना) के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 8 से 14 मार्च तक आयोजित होगा। महाराष्ट्र के सतारा जिले के छोटे से कस्बे फलटन से आने वाली रुताजा का हाकी तक का सफर थोड़ा अलग रहा। उन्होंने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, हाकी से पहले हम स्कूल में खो-खो खेलते थे। महाराष्ट्र में यह खेल काफी लोकप्रिय है। हमारे शिक्षकों ने देखा कि हमारी दौड़ अच्छी है और स्टैमिना भी अच्छा है, इसलिए उन्होंने हमें हाकी खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं से मेरी हाकी की यात्रा शुरू हुई।

रुताजा ने आगे कहा, मैंने करीब 12 साल की उम्र में हाकी खेलना शुरू किया। पुणे की अपनी अकादमी में प्रवेश के लिए मुझे फिटनेस और एंड्योरेंस टेस्ट देना पड़ा था। मैं उस टेस्ट में पास हो गई और वहीं से मेरा हाकी करियर आगे बढ़ा।

ऐसे गांव से आने वाली रुताजा के लिए यह रास्ता आसान नहीं था, जहां लड़कियों का खेलों में आगे आना आम बात नहीं थी।

उन्होंने कहा, मेरे गांव में लड़कियों का हाकी खेलना बहुत सामान्य नहीं था। उस समय परिवार भी सोचते थे कि बच्चों को खेल के लिए बाहर भेजना चाहिए या नहीं। लेकिन गांव के एक कोच ने हमारा समर्थन किया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इसके बाद रुताजा ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों में शानदार प्रदर्शन किया और जूनियर महिला हाकी टीम में जगह बनाई। उन्होंने 2023 में महिला जूनियर एशिया कप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहीं, जिसके बाद उन्हें सीनियर टीम के कैंप में मौका मिला। पिछले दो वर्षों से रुताजा सीनियर राष्ट्रीय कैंप का हिस्सा हैं और उनका मानना है कि इससे उनके खेल में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, जूनियर और सीनियर कैंप में कई समानताएं हैं, लेकिन सीनियर खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण की तीव्रता कहीं ज्यादा होती है। पिछले कुछ वर्षों से कैंप में रहने से मेरे खेल में काफी सुधार हुआ है। मिडफील्ड में खेलने के बावजूद सर्कल के अंदर उनकी समझ और मूवमेंट उन्हें गोल करने के मौके दिलाती है। सीनियर टीम के लिए 20 मैचों में वह अब तक सात गोल कर चुकी हैं। इसका एक कारण यह भी है कि वह पहले फारवर्ड के रूप में भी खेल चुकी हैं।

उन्होंने कहा, फिलहाल मैं मिडफील्डर के रूप में खेल रही हूं, लेकिन पहले मैं फारवर्ड की भूमिका निभाती थी। टीम में कभी-कभी किसी एक पोजिशन पर ज्यादा खिलाड़ी होते हैं और दूसरी जगह कम, इसलिए हमें टीम की जरूरत के अनुसार खुद को ढालना पड़ता है। टीम के मौजूदा लक्ष्य के बारे में रुताजा ने कहा, इस समय हमारा मुख्य लक्ष्य एफआईएच हाकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना है। इसके बाद सबसे बड़ा सपना लास एंजिलिस ओलंपिक में खेलना है। हम हर बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करना और अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। अपनी व्यक्तिगत तैयारी पर उन्होंने कहा, मेरी ताकत गोल करना और पेनल्टी कार्नर बनवाना है, इसलिए मैं उसी पर काम कर रही हूं। इसके अलावा गेंद को जल्दी वापस हासिल करने और ड्रिब्लिंग की गति बढ़ाने पर भी ध्यान दे रही हूं। मुझे खुद को और बेहतर बनाना है और मुश्किल परिस्थितियों में अपने साथियों का साथ देना है, ताकि टीम लगातार बेहतर प्रदर्शन कर सके।

इंडियन वेल्स 2026 : वीनस विलियम्स पहले दौर में बाहर

इंडियन वेल्स, 06 मार्च (एजेंसियां)। सात बार की ग्रैंड स्लैम विजेता वीनस विलियम्स का बीएनपी परिबास ओपन 2026, जिसे इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के नाम से भी जाना जाता है, में अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया। फ्रांस की डायने पैरी ने गुरुवार को खेले गए मुकाबले में वीनस को 3-6, 6-7 (4), 1-6 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

45 वर्षीय वीनस विलियम्स को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के सिंगल्स और डबल्स ड्रा में वाइल्ड कार्ड दिया गया था। यह उनके इंडियन वेल्स में पदार्पण के 30 साल बाद की वापसी थी। उन्होंने पहली बार 1996 में 15 वर्ष की उम्र में इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

मुकाबले में पहले सेट में पिछड़ने के बाद वीनस ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया, लेकिन 23 वर्षीय डायने पैरी (विश्व रैंकिंग 111) ने तीसरे सेट में पूरी तरह नियंत्रण स्थापित करते हुए आसानी से जीत दर्ज कर ली।

यह वीनस विलियम्स की इस टूर्नामेंट में 10वीं उपस्थिति थी और 2024 के बाद उनकी पहली वापसी भी। 2024 में भी वह वाइल्ड कार्ड के जरिए खेलते हुए पहले ही दौर में हार गई थीं। पिछले वर्ष उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला था, लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया था।

मैच से पहले वीनस ने कहा था, मैं इंडियन वेल्स लौटने को लेकर बहुत उत्साहित हूं और कैलिफोर्निया में खेलने के लिए घर वापसी जैसा महसूस कर रही हूं।

अब डायने पैरी दूसरे दौर में अमेरिका की 15वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ से शनिवार को मुकाबला करेंगी।

वीनस विलियम्स लगातार आठवां डब्ल्यूटीए सिंगल्स मुकाबला हार गई हैं। पिछले वर्ष वाशिंगटन में वापसी के दौरान उन्होंने एकमात्र जीत दर्ज की थी।

जनवरी में उन्होंने आस्ट्रेलियन ओपन 2026 में हिस्सा लिया था, जहां वह सिंगल्स और डबल्स दोनों में पहले दौर में हार गई थीं। उस समय वह आस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रा में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बनी थीं, उन्होंने जापान की किमिको दाते का रिकार्ड तोड़ा था, जिन्होंने 2015 में 44 वर्ष की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। वीनस ने हाल ही में टेक्सास के आस्टिन में आयोजित एटीएक्स ओपन में भी वाइल्ड कार्ड के जरिए भाग लिया था, जहां वह पहले दौर में आस्ट्रेलिया की अजला टोमल्यानोविच से हार गई थीं।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में लवलीना और निकहत से रहेंगी पदकों की उम्मीद

नई दिल्ली। 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन रही निकहत ज़रीन करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने कड़ी चयन प्रणाली के आधार पर इस चैम्पियनशिप के लिए अपनी टीम का चयन किया है। एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए चयनित किये गये संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था। एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में अवसर मिलेगा। इस कारण इस चैंपियनशिप का महत्व और बढ़ गया है। लवलीना को 75 किग्रा वर्ग में महिला टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी मिली है। स्पेन में स्वर्ण जीतने वाली प्रीति 54 किग्रा, अरुंधति चौधरी 70 किग्रा और प्रिया 60 किग्रा को भी शामिल किया गया है। विश्व चैंपियन मीनाक्षी 48 किग्रा और जैस्मीन 57 किग्रा भी टीम का हिस्सा हैं। महिला वर्ग में निकहत जरीन 51 किग्रा में अगुवाई करेंगी। उनके साथ अंकुशिता बोरो 65 किग्रा, पूजा रानी 80 किग्रा, अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान 80 किग्रा रहेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने को उम्मीद है कि भारतीय खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

फीफा विश्व कप 2026 से पहले मोरक्को के कोच वालिद रेग्रागुई ने दिया इस्तीफा

रबात, 06 मार्च (एजेंसियां)। मोरक्को की राष्ट्रीय फुटबाल टीम के मुख्य कोच वालिद रेग्रागुई ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन्होंने फीफा विश्व कप 2026 से कुछ महीने पहले लिया है। पिछले कई हफ्तों से उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, जिसके बाद उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया। रेग्रागुई ने अपने इस्तीफे का कारण थकान बताया है। 50 वर्षीय रेग्रागुई ने 2022 में फीफा विश्व कप 2022 में मोरक्को को ऐतिहासिक सेमीफाइनल तक पहुंचाया था। यह किसी भी अफ्रीकी देश का विश्व कप में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इसके अलावा इसी साल जनवरी में उन्होंने टीम को अफ्रीका कप आफ नेशंस के फाइनल तक भी पहुंचाया था, जहां मोरक्को को सेनेगल के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब मोरक्को टीम की कमान मोहम्मद औहबी संभाल सकते हैं। उन्होंने पिछले साल चिली में आयोजित अंडर-20 विश्व कप में मोरक्को की टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सितंबर 2022 में कोच बनने के बाद रेग्रागुई का रिकार्ड बेहद शानदार रहा। उनके कार्यकाल में मोरक्को ने 49 मैचों में 36 जीत दर्ज की, 8 मुकाबले ड्रा रहे और सिर्फ 5 में हार मिली। इसी दौरान टीम ने जून 2024 से दिसंबर 2024 के बीच लगातार 19 जीत दर्ज कर राष्ट्रीय टीमों के बीच लगातार सबसे अधिक जीत का विश्व रिकार्ड भी बनाया। बताया जा रहा है कि जनवरी में नेशंस कप के विवादित फाइनल में हार के बाद ही रेग्रागुई इस्तीफा देना चाहते थे। लगभग चार साल तक टीम की जिम्मेदारी संभालने के बाद वह मानसिक और शारीरिक रूप से काफी थक चुके थे। हालांकि मोरक्को फुटबाल संघ ने उनसे नए कोच के चयन तक पद पर बने रहने का अनुरोध किया था। मोरक्को की टीम इस महीने दो अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच खेलेगी। टीम 27 मार्च को मैड्रिड में इक्वाडोर से भिड़ेगी, जबकि चार दिन बाद फ्रांस के लेंस में पैराग्वे के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। आगामी फीफा विश्व कप 2026 में मोरक्को को ग्रुप-ष्ट में ब्राज़ील, स्काटलैंड और हैती के साथ रखा गया है। मोरक्को के कप्तान अशरफ हकीमी ने सोशल मीडिया पर रेग्रागुई को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी नेतृत्व क्षमता, जुनून और विजन ने खिलाड़ियों के साथ-साथ पूरे देश और दुनिया भर के प्रशंसकों को प्रेरित किया।

फार्मूला वन आस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स के कार्यक्रम में बदलाव नहीं : औल्ड

मेलबर्न, 06 मार्च (एजेंसियां)। खाड़ी में जारी संघर्ष के बाद भी फार्मूला वन आस्ट्रेलियन ग्रैंड प्रिक्स का आयोजन तय समय पर ही किया जाएगा। इसकी अभ्यास रेस 6 मार्च से शुरु होगी। वहीं मुख्य रेस 8 मार्च को होगी। आस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स कार्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ट्रैविस औल्ड ने कहा है कि अधिकारियों, टीम सदस्यों और ड्राइवरों पर इस संघर्ष का कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है। ऐसे में सत्र की इस पहली रेस के कार्यक्र में बदलाव नहीं होगा। औल्ड ने माना है कि ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के करण बड़े स्तर पर उड़ानों के रद्द होने से कुछ टीमों को अपनी यात्रा योजनाएं बदलनी पड़ी हैं। इसी को देखते हुए कि फार्मूला वन टीम के अधिकारी इस प्रयास में लगे हैं कि ड्राइवर और टीम के लोग वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित रुप से मेलबर्न पहुंच सकें। औल्ड ने कहा, हर कोई रेस के लिए यहां आने तैयार है , इससे प्रशंसकों को तय

कार्यक्रम के अनुसार ही रेस देखने को मिलेगी जो उनके लिए भी राहत की बात है । उन्होंने कहा, कुछ ड्राइवर और कुछ टीम सदस्य पहले से ही आस्ट्रेलिया में हैं पर ब्रिटेन और यूरोप से कई सदस्यों को आना है जिसमें रेसर भी शामिल हैं। ऐसे में इन्हें कोई अन्य वैकल्पिक रास्ता देखना होगा। मुझे भरोसा है कि वे लोग भी इस बारे में विचार कर रहे होंगे। वहीं स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो हजार एफ वन कर्मचारियों को पश्चिम एशिया में फंसने से बचने के लिए यूरोप से मेलबर्न के लिए अपनी उड़ानों को फिर से पुर्नप्रबंधित करना होगा।

आल इंग्लैंड ओपन में लक्ष्य की जीत से शुरुआत, गत विजेता यूकी को हराया

लंदन। भारत के लक्ष्य सेन ने आल इंग्लैंड बैडमिंटन ओपन 2026 में जीत के साथ शुरुआत की है। लक्ष्य ने पुरुष एकल के अपने पहले ही मुकाबले में गत विजेता चीन के शी यूकी को 23-21, 19-21, 21-17 से पराजित कर दिया। लक्ष्य ने पुरुष सिंगल्स के पहले दौर में यूकी को एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 19-21, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य ने मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी खिलाड़ी पर दबाव बनाया। इससे लक्ष्य ने 17-10 की बढ़त ले ली पर इसके बाद शी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-17 पर ला दिया। लक्ष्य ने फिर से बेहतर खेल दिखाते हुए हुए तीन गेम अंक हासिल किए पर चीनी खिलाड़ी ने एक और मैच अंक बचाकर अपने को खेल में बनाने का प्रयास किया । दूसरे गेम में यूकी ने आक्रामक रुख अपनाया पर लक्ष्य ने 13-19 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी की। उनका प्रयास मैच को निर्णायक मुकाबले तक ले जाने का था पर तीसरे और अंतिम गेम में भारतीय खिलाड़ी ने जबरस्त प्रदर्शन करते हुए 16-11 की बढ़त हासिल की और चार मैच अंक बटोरे। यूकी ने एक अंक बचाया पर वह अपनी हार नहीं टाल पाये। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत की ही मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनिशा क्रास्टो भी जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गई है। इस जोड़ी ने मलेशिया की हू पेंग रान और चेंग सु यिन की जोड़ी को 21-17, 21-19 से हराया।

कतर से एलएनजी आपूर्ति रुकी, भारत में औद्योगिक गैस पर पड़ सकता है असर

घरेलू पीएनजी-सीएनजी की आपूर्ति सुरक्षित रहेगी

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कतर से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति रुकने का असर भारत पर पड़ने लगा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार यदि यह व्यवधान लंबे समय तक जारी रहता है तो गैस कंपनियां औद्योगिक उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति की समीक्षा कर सकती हैं। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और वाहनों के लिए कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आपूर्ति में कटौती नहीं की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक भारत प्रतिदिन लगभग 19.5 करोड़ मानक घन मीटर प्राकृतिक गैस की खपत करता है। इसमें से करीब 6 करोड़ मानक घन मीटर गैस फिलहाल उपलब्ध नहीं है क्योंकि कतर की सरकारी कंपनी कतर एनर्जी ने अपने संयंत्र में एलएनजी उत्पादन अस्थायी रूप से रोक दिया है। कतर भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता है, इसलिए इसका सीधा प्रभाव भारतीय ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ सकता है। गैस कंपनियों ने औद्योगिक इकाइयों को संभावित कटौती के बारे में पहले ही सूचित कर दिया है। उन्हें आवश्यकता पड़ने पर एलपीजी, तेल या अन्य वैकल्पिक ईंधन का उपयोग करने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। इस बीच गैल (इंडिया) लिमिटेड ने बताया कि वह संभावित आपूर्ति कटौती का आकलन कर रही है। वहीं पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के साथ कतर एनर्जी के अनुबंध के तहत 4 मार्च से एलएनजी आवंटन शून्य कर दिया गया है। यह संकट पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बाद उत्पन्न हुआ है, जहां इरान की जवाबी कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ गई है। एलएनजी कार्गो की आवाजाही मुख्य रूप से स्ट्रेट आफ होर्मुज से होती है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का अहम मार्ग है। भारतीय अधिकारी इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा और बीमा कवर को लेकर अमेरिकी अधिकारियों से भी बातचीत कर रहे हैं, ताकि ऊर्जा आपूर्ति में किसी बड़े व्यवधान से बचा जा सके।

न्यूज ब्रीफ

सोना 1.61 लाख के पार और चांदी 2.67 लाख के करीब, सोना 1,360 रुपए तेज, चांदी में 4,982 रुपए की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी की कीमतों में मजबूती देखने को मिली। दोनों की कीमतें तेजी के साथ खुलीं और कारोबार के दौरान भी बढ़त के साथ ट्रेड करती रहीं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कान्ट्रैक्ट 1,367 रुपये की तेजी के साथ 1,61,040 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इससे पहले पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,59,673 रुपये पर बंद हुआ था। इस समय सोना लगभग 1,360 रुपये की तेजी के साथ 1,61,033 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,61,250 रुपये का दिन का उच्च स्तर और 1,60,893 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल अब तक सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुके हैं। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी मजबूत तेजी दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कान्ट्रैक्ट 5,759 रुपये की तेजी के साथ 2,67,950 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 2,62,191 रुपये था। इस समय यह करीब 4,982 रुपये की तेजी के साथ 2,67,173 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान चांदी ने 2,68,991 रुपये का दिन का उच्च स्तर छुआ, जबकि निचला स्तर 2,67,173 रुपये रहा। इस साल चांदी के वायदा भाव 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी मजबूती के साथ कारोबार कर रहे हैं। कामेक्स पर सोना 5,099.70 डालर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने के समय 62.70 डालर की तेजी के साथ 5,141.40 डालर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी 82.55 डालर प्रति औंस पर खुली और बाद में 84.61 डालर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गई।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच बढ़ने लगे हवाई ईंधन के दाम.....भारत तक भी पहुंच सकती हैं आंच

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव पश्चिम एशिया में ऊर्जा संकट को बढ़ा रहा है, इसका सीधा असर हवाई ईंधन यानी जेट फ्यूल की कीमतों पर दिखाई दे रहा है। सिंगापुर, जो एशिया का प्रमुख ट्रेडिंग हब है, में जेट ईंधन की कीमतें बुधवार को 72 प्रतिशत बढ़कर 225.44 डालर प्रति बैरल के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गईं। यह उछाल मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से रोजाना करीब 2 करोड़ बैरल कच्चे तेल और रिफाइंड उत्पादों की सप्लाई बाधित होने के कारण आया है। जेट केरोसीन की स्पाट कीमत 27 फरवरी के 93.45 डालर प्रति बैरल से अब 140 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। बात दें कि हवाई ईंधन की कीमत बढ़ने की ये आंच भारत तक भी पहुंच सकती है। देखना यह हैं कि भारत सरकार इस पर क्या कदम उठाती है।

जेट फ्यूल का बाजार सबसे संवेदनशील होता है, क्योंकि इसका स्टाक बहुत सीमित होता है और इस ईंधन को विशेष टैंकों में ही रखा जा सकता है। कच्चे तेल के संकट का असर सबसे पहले जेट फ्यूल पर ही पड़ता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आश्वासन दिया है कि टैंकर संकरे जलमार्ग से गुजर सकते हैं, लेकिन बाजार अभी पूरी तरह आश्वस्त नहीं है।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि दुबई क्रूड से एक बैरल जेट केरोसीन बनाने का मुनाफा अब 100 डालर से अधिक हो गया है, जो बाजार की चिंता को दर्शाता है। इसका मतलब है कि आने वाले हफ्तों में जेट फ्यूल की भारी कमी की संभावना है। एशियाई रिफाइनरियां पहले से ही तनाव में हैं, कुछ प्लांट्स कच्चे तेल का स्टाक बचाने के लिए अपने उत्पादन को कम कर रहे हैं, जबकि कुछ ने नेटेनेंस का समय जल्दी कर लिया है।

भारत, जो अपनी कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है, इस संकट से अछूता नहीं रहेगा। मध्य पूर्व से तेल आयात पर निर्भरता के कारण भारतीय रिफाइनरियां वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता ढूंढने में कठिनाई का सामना कर सकती हैं। इस स्थिति में, भारत की मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स ने अपने ईंधन निर्यात को रोक दिया है। कर्नाटक स्थित इस सरकारी रिफाइनरी का उत्पादन 3 लाख बैरल प्रतिदिन है और यह अपने कुल उत्पादन का लगभग 40 प्रतिशत अन्य देशों में निर्यात करती है। अन्य भारतीय रिफाइनरियां भी एमआरपीएल के कदम का पालन कर सकती हैं। चीन ने भी अपने फर्मों को नए रिफाइंड फ्यूल निर्यात अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने से रोक दिया है और पहले से तय शिपमेंट्स रद्द करने का प्रयास कर रही है। इससे वैश्विक बाजार में और अस्थिरता बढ़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर होर्मुज जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है, तो जेट फ्यूल की कीमतें और बढ़ सकती हैं। हवाई यात्रा करने वाले उपभोक्ताओं को इस उछाल का असर सीधे टिकट कीमतों में महसूस होगा। वर्तमान स्थिति यह संकेत देती है कि ऊर्जा उपभोक्ताओं को जल्द ही महंगी हवाई यात्रा के लिए तैयार रहना होगा। कुल मिलाकर, ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष ने जेट फ्यूल की कीमतों को रिकार्ड स्तर तक पहुंचा दिया है। भारत सहित एशियाई देशों में रिफाइनरियां अपने उत्पादन और निर्यात रणनीतियों को बदल रही हैं, जिससे हवाई ईंधन की आपूर्ति और महंगी होने की संभावना बढ़ रही है। यह संकट केवल हवाई यात्रा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ऊर्जा उपभोक्ताओं और उद्योगों पर भी प्रभाव डालेगा।

ग्राहकों की पहली पसंद बन रही छोटी इलेक्ट्रिक कारें

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां)।

छोटी इलेक्ट्रिक कारें न सिर्फ किफायती होती हैं, बल्कि शहरों में आसान ड्राइविंग और कम कास्ट मेंटेनेंस के कारण लोगों की पहली पसंद बन रही हैं। ऐसे में 2026 में कई नई काम्पैक्ट इलेक्ट्रिक कारें लान्च होने जा रही हैं, जिनमें विनफास्ट वीएफ 3, किआ सिरोस ईवी और टाटा टियागो ईवी फेसलिफ्ट प्रमुख हैं। विनफास्ट वीएफ 3 कंपनी की पहली किफायती एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक कार होगी, जिसका डिज़ाइन काम्पैक्ट होते हुए भी मिनी-एसयूवी जैसा लुक देता है। इस ईवी को रेट्रो स्टाइलिंग के साथ बेसिक लेकिन आकर्षक इंटीरियर मिलेगा। यह दो बैटरी पैक 29.6 केडब्ल्यूएच और 37.2 केडब्ल्यूएच के साथ पेश होगी और दावा किया जा रहा है कि इसकी रेंज 326 किलोमीटर तक हो सकती है। लान्च के बाद यह कार इस सेगमेंट में मौजूद एमजी कामेट और टाटा टियागो ईवी जैसी कारों को कड़ी टक्कर देगी। किआ भी इस साल अपनी सब-4 मीटर इलेक्ट्रिक कार सिरोस ईवी बाजार में उतार सकती है। इसे हाल के महीनों में कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। उम्मीद है कि इसमें 42 केडब्ल्यूएच और 49 केडब्ल्यूएच बैटरी आप्शन दिए जाएंगे, जिनकी अधिकतम रेंज 369 किलोमीटर तक हो सकती है।

किआ की पहचान को देखते हुए इसमें प्रीमियम फीचर्स मिलने की पूरी संभावना है। टाटा टियागो ईवी फेसलिफ्ट भी इस साल पेश की जाएगी। इसे बाहरी डिजाइन में छोटे बदलाव मिल सकते हैं, जैसे नए बंपर, हेडलाइट और टेललाइट। मौजूदा माडल में 19.2 केडब्ल्यूएच और 24 केडब्ल्यूएच के बैटरी पैक उपलब्ध हैं, जिनकी रेंज क्रमश: 250 और 315 किलोमीटर है। उम्मीद है कि फेसलिफ्ट में इससे भी बड़ा बैटरी पैक शामिल किया जा सकता है। इन नए माडलों के आने से काम्पैक्ट इलेक्ट्रिक कारों का विकल्प और मजबूत होगा। बता दें कि देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है और कंपनियां अब प्राइस-सेंसिटिव भारतीय बाजार को ध्यान में रखते हुए काम्पैक्ट ईवी पर खास फोकस कर रही हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

खामेनेई को ...

यह नमाज सिर्फ इबादत नहीं, बल्कि प्रतिरोध और एकता का ऐतिहासिक प्रदर्शन बन गई।

अल जज़ीरा की एक टीम ने बताया कि भीड़ इजरायली और अमेरिकी बमबारी के बावजूद जरा सा भी भयभीत नहीं थी। ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद पहली बार ईरानी कौम इतनी बड़ी तादाद में सड़क पर आई थी। इससे पहले मिनाब की शहीद बच्चियों के जनाजे की नमाज में भी ऐसा ही माहौल देखने को मिला था। ईरानी मीडिया द्वारा शेयर किए गए फुटेज में राजधानी में इमाम खुमैनी की ग्रैंड मस्जिद के बाहर खुली जगह पर काले कपड़े पहने पुरुषों और महिलाओं की भीड़ दिख रही है। इस दौरान लाउडस्पीकर पर एक शख्स भीड़ को संबोधित करता है और अली खामेनेई के लिए दुख जताता है। इस शख्स ने कहा, खामेनेई हमारे समय में ईमान के प्रतीक थे, वे हमारे रखवाले थे। जबकि पास ही प्रार्थना की चटाई पर बैठे दूसरे लोग खुलेआम रो रहे थे।

पश्चिम में इलम और बोरुजेर्द और दक्षिण-पूर्व में ज़ाहेदान सहित ईरान के दूसरे शहरों से आए फुटेज में भी ऐसे ही दृश्य दिखे। इसमें कई नमाज़ पढ़ने वाले ईरानी झंडे पकड़े हुए थे। कुम और मशहद जैसे धार्मिक शहरों में भी यही मंजर देखने को मिला। कुम में महिलाएं रो-रोकर सीना पीट रही थीं, मशहद में पुरुष खामेनेई हमारे लीडर, हम शहीदों की औलाद के नारे लगा रहे थे। इस्फहान और शिराज में भी मस्जिदें खचाखच भरीं थीं। ईरान की सरकारी टीवी ने इसे ऐतिहासिक जुमे की नमाज बताया और कहा कि युद्ध के बावजूद ईरानी राष्ट्र नहीं टूटा, बल्कि और मजबूत हुआ।

जंग का सातवां दिन: हमले जारी

इस बीच जंग के सातवें दिन भी ईरान और इजरायल का एक दूसरे के ठिकानों पर हमला जारी रहा। शुक्रवार को जब ईरान ने इज़राइल और खाड़ी देशों के खिलाफ जवाबी हमलों की एक और लहर शुरू की, तो इज़रायली लड़ाकू विमानों ने बेरूत और तेहरान पर बमबारी की।

नेपाल में ...

वहां आरएसपी उम्मीदवार अमरेश कुमार सिंह ने शुरुआती बढ़त बना रखी है।

रौतहट-1 सीट से पूर्व प्रधानमंत्री और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के नेता माधव कुमार नेपाल पांचवें स्थान पर खिसक गये हैं, यहां भी आरएसपी पहले स्थान पर है।

गौरतलब है कि सितंबर में हुए जेन-जी आंदोलन के बाद संसद के निचले सदन के सदस्यों के चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान हुआ था।

नेपाल की प्रतिनिधि सभा में वैसे तो कुल 275 सीटें होती हैं, लेकिन प्रत्यक्ष चुनाव सिर्फ 165 सीटों के लिए होता है। प्रत्यक्ष चुनाव को फर्स्ट पास्ट द पोस्ट सिस्टम कहते हैं। इन 165 निर्वाचन क्षेत्रों में जिस उम्मीदवार को सबसे ज्यादा वोट मिलते हैं, वह जीत जाता है।

इसके बाद 110 सीट का चुनाव समानुपातिक प्रतिनिधित्व के जरिये होता है। इसमें पार्टी को कुल जितने प्रतिशत वोट मिलते हैं, उसी अनुपात में ये 110 सीटें बाँटी जाती हैं।

नेपाल में सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी या गठबंधन को 138 सीटों (275 का आधा) की आवश्यकता होती है।

रेवंत ठन...

कृषि ऋण माफी और रैतुभरोसा जैसी कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने कर्मचारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया कि हर पात्र गरीब परिवार को राशन कार्ड मिले, क्योंकि यह कई योजनाओं का लाभ उठाने के लिए अनिवार्य है।

महाभारत के पात्रों का संदर्भ देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद अनुसूचित जाति वर्गीकरण लागू करने वाला एकमात्र राज्य है। उन्होंने कहा, कई लोग कृष्ण या अर्जुन की प्रशंसा करते हैं, लेकिन मैं कर्ण का प्रशंसक हूँ, जो अपने मित्र के साथ खड़ा रहा। उसी तरह, मैं अपने मादिगा मित्रों के साथ खड़ा हूँ। उन्होंने भीम के पोते बर्बरीक का भी जिक्र किया जो कमजोरों के लिए लड़े थे। उन्होंने अंत में आश्वासन दिया कि पदोन्नति, उच्च शिक्षा और लिडकॉप भूमि की सुरक्षा जैसे मुद्दों को मादिगा कर्मचारियों के सहयोग से हल किया जाएगा।

रेवंत रेड्डी के 99 दिवसीय जनसंपर्क का आगाज़ मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को तेलंगाना में 99 दिवसीय जनसंपर्क अभियान प्रजा पालन-प्रगति प्रणालिका का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र से की गई, जहां मुख्यमंत्री ने शहर को वैश्विक स्तर के महानगर में बदलने के उद्देश्य से प्रमुख बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं की नींव रखी।

बुदवेल ट्रंपेट इंटरचेंज और इको-हिल पार्क की सौगात

इस अभियान की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री ने हिमायतसागर के पास कोथवलगुडा में बुदवेल ट्रंपेट इंटरचेंज का शिलान्यास किया और इको-हिल पार्क का उद्घाटन किया। शहर के विकास के लिए इन दोनों को अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजनाएं माना जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, ये परियोजनाएं हैदराबाद को अधिक आधुनिक, टिकाऊ और रहने योग्य बनाने में बड़ा योगदान देंगी।

24,500 करोड़ रुपये के बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू

राज्य सरकार ग्रेटर हैदराबाद सीमा के भीतर सड़कों, कनेक्टिविटी और नागरिक सुविधाओं में सुधार के लिए लगभग 24,500 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाएं चला रही है। हैदराबाद पहले से ही देश के सबसे तेजी से बढ़ते मेट्रो शहरों में से एक है। सरकार का लक्ष्य इन निवेशों के माध्यम से शहर की कार्यक्षमता और सुंदरता को और निखारना है।

वर्तमान में हैदराबाद में 158 किलोमीटर लंबी आउटर रिंग रोड मौजूद है। अब सरकार इसके विस्तार के रूप में 360 किलोमीटर लंबी क्षेत्रीय रिंग रोड बनाने की योजना पर काम कर रही है। आउटर रिंग रोड और आगामी रीजनल रिंग रोड के बीच संपर्क को मजबूत करने के लिए, सरकार दस नई ग्रीनफील्ड रेडियल सड़कोंफ का विकास कर रही है, जिससे यातायात और परिवहन व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव आएगा।

रियल एस्टेट ...

रियल एस्टेट में मंदी का सीधा असर सरकारी खजाने पर भी दिख रहा है। स्टाम्प और पंजीकरण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में जनवरी तक राजस्व लक्ष्य का 75.68 प्रतिशत प्राप्त कर लिया गया था। इसके विपरीत, वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनवरी तक बजट लक्ष्य का केवल 64.68 प्रतिशत ही हासिल हो सका है। सीएजी की गणना बताती है कि पिछले दो वर्षों में पंजीकरण राजस्व में लगभग 11 प्रतिशत की गिरावट आई है।

निवेशकों में रुको और देखो की नीति; आवासीय बिक्री 23% घटी

बाजार पर्यवेक्षकों का कहना है कि मुसी नदी के किनारों पर की जा रही गतिविधियों और हाईड्रा की कार्रवाई ने निवेशकों में डर पैदा कर दिया है। एनरॉक की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की तीसरी तिमाही में नए घरों की आपूर्ति में पिछले वर्ष की तुलना में 38 प्रतिशत की गिरावट आई है। हैदराबाद में आवासीय बिक्री भी 23 प्रतिशत घटकर 58,540 यूनिट से 44,885 यूनिट रह गई है। नाइट फ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट बताती है कि जनवरी 2026 में संपत्ति पंजीकरण में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

नीतिगत अनिश्चितता और प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय माहौल के कारण निवेशक वर्तमान में रुको और देखो का रुख अपना रहे हैं। इसके अतिरिक्त, हैदराबाद में ऑफिस स्पेस की रिक्तता दर देश के शीर्ष सात शहरों में सबसे अधिक दर्ज की गई है। हालांकि बाजार में भारी दबाव है, लेकिन कुछ डेवलपर्स को उम्मीद है कि भविष्य में बाजार की स्थिति स्थिर हो सकती है।

भारत...

और घरेलू परिस्थितियों पर अपनी राय रखी।

अपने संबोधन के दौरान ओवैसी ने इजराइल, संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे अंतरराष्ट्रीय संघर्षों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में बढ़ती हिंसा के गंभीर मानवीय परिणाम हो रहे हैं। ओवैसी ने जोर देकर कहा कि निरंतर संघर्ष से केवल आम नागरिकों की पीड़ा बढ़ेगी। उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रयासों और कूटनीतिक समाधानों का आह्वान किया।

केंद्र सरकार की नीतियों और सार्वजनिक धन के उपयोग पर सवाल

सांसद ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियों की कड़े शब्दों में आलोचना की। उन्होंने हाल ही में हुए एक कार्यक्रम में सार्वजनिक धन के उपयोग पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि उस आयोजन के लिए लगभग 63 लाख आवंटित किए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उस कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ मांगें उठाई गईं, जिनमें मुसलमानों के निर्वासन और हिंदू राष्ट्र की स्थापना जैसे विचार शामिल थे।

ओवैसी ने सवाल किया कि ऐसी गतिविधियों के लिए जनता के पैसे का आवंटन किस आधार पर जायज है। उन्होंने कहा कि सरकारी पैसा सभी नागरिकों के कल्याण के लिए होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से सार्वजनिक संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग को सुनिश्चित करने का आग्रह किया। एआईएमआईएम नेता ने कहा कि भारत को अपने संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए, जो हर नागरिक को समान अधिकार देते हैं।

अंत में, उन्होंने सांप्रदायिक सद्भाव और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की अपील करते हुए नागरिकों से एकजुट रहने और विभाजनकारी नैरेटिव से बचने का आग्रह किया। सभा का समापन शांति और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने वाले संदेशों और प्रार्थनाओं के साथ हुआ।

ईडी ने शराब...

मजबूर किया गया, जो निर्माता पैसे देने से इनकार करते थे, उनके भुगतान रोक दिए जाते थे। इस अवैध लेनदेन के लिए सिग्नल जैसे एन्क्रिप्टेड ऐप और वीओआईपी कॉल का उपयोग किया जाता था ताकि पहचान छिपाई जा सके।

हैदराबाद में छुपाया जाता था कैश

ईडी के अनुसार, यह सिंडिकेट हर महीने लगभग 100 करोड़ रुपये का अवैध राजस्व उत्पन्न कर रहा था। इस काली कमाई को सफेद करने के लिए जटिल जाल बुना गया। इकट्ठा किया गया कैश हैदराबाद के विभिन्न गुप्त ठिकानों पर जमा किया जाता था। कमाई को रियल एस्टेट क्षेत्र में लगाया गया। एशान्वी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स और टैग डेवलपर्स जैसी कंपनियों के जरिए जमीनें खरीदी गईं और आवासीय परियोजनाएं शुरू की गईं। सिंडिकेट ने ओल्विक, अर्योयो और डी-कार्ट जैसी कई मुखौटा कंपनियों का उपयोग करके पैसों की लेयरिंग की, ताकि इसे वैध व्यापारिक आय के रूप में दिखाया जा सके।

अब तक की जांच में 1,048.45 करोड़ रुपये के मनी ट्रेल का पता चला है, जो कैश, सोना और परिवहन अनुबंधों के रूप में वसूला गया था। ईडी इस घोटाले के अन्य सुरागों और इसमें शामिल अन्य रसूखदार लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

ईडी ने सौभाग्य इस्पात की 26.86 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क कीं

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक धोखाधड़ी के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए सौभाग्य इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसआईआईपीएल) की 26.86 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियां कुर्क की हैं। कुर्क की गई संपत्तियों में आवासीय फ्लैट, मकान और खुले भूखंड (ओपन प्लॉट्स) शामिल हैं।

आंध्रा बैंक के साथ करोड़ों की धोखाधड़ी का मामला

ईडी ने यह जांच सीबीआई, बेंगलुरु द्वारा कंपनी के निदेशकों और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर शुरू की थी। आरोपियों पर तत्कालीन आंध्रा बैंक (अब यूनियन बैंक ऑफ इंडिया) के साथ धोखाधड़ी करने और बैंक को भारी वित्तीय नुकसान पहुँचाने का आरोप है। जांच में सामने आया कि सौभाग्य इस्पात ने स्टील निर्माण इकाई की स्थापना और विस्तार के नाम पर बैंक से टर्म लोन और वर्किंग कैपिटल सुविधाएं प्राप्त की थीं।

फर्जी दस्तावेजों और कागजी टर्नओवर का खेल

ईडी की जांच के अनुसार, आरोपियों ने बैंक से अधिक क्रेडिट सीमा हासिल करने के लिए कई हथकंडे अपनाए:

जाली दस्तावेज: ऋण सीमा बढ़ाने के लिए फर्जी स्टॉक स्टेटमेंट, बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए वित्तीय आंकड़े और जाली प्रमाण पत्र बैंक में जमा किए गए।फंड की हेराफेरी: ऋण राशि का उपयोग उस उद्देश्य के लिए नहीं किया गया जिसके लिए वह स्वीकृत की गई थी। इसके बजाय, पैसों को संबंधित संस्थाओं और मएकमोडेशन एंट्रीफ प्रदाताओं के माध्यम से घुमाया गया।काल्पनिक टर्नओवर: कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूत दिखाने के लिए केवल कागजों पर सर्कुलर ट्रांजैक्शन (पैसे का घुमाव) कर काल्पनिक टर्नओवर पैदा किया गया।

31 करोड़ की शेष वसूली के लिए कुर्की की कार्रवाई

आरोपियों द्वारा अपनाए गए इन धोखाधड़ी के तरीकों से बैंक को कुल 46.52 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिसे मअपराध की कमाईफ माना गया है। बैंक ने बाद में 15.52 करोड़ रुपये की वसूली कर ली थी। पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम) जांच के दौरान, शेष 31 करोड़ रुपये में से 26.86 करोड़ रुपये की संपत्ति की पहचान की गई, जिसे अब आधिकारिक तौर पर कुर्क कर लिया गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 07 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

चौमहल्ला पैलेस में नगर पुलिस आयुक्त की इफ्तार पार्टी आयोजित

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पवित्र रमजान माह के अवसर पर नगर पुलिस आयुक्त द्वारा चौमहल्ला पैलेस में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जनप्रतिनिधि और पीस कमेटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर तेलंगाना के ट्रांसपोर्ट एवं बीसी वेलफेयर मंत्री पोन्नम प्रभाकर, डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस बी. शिवधर रेड्डी, नगर पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद, एडिशनल डायरेक्टर ऑफ पुलिस अमित गर्ग सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इसके अलावा पीस कमेटी के ऑल जोन सेक्रेटरी श्रीकिशन शर्मा, खैराताबाद जोन अध्यक्ष शशिकांत अग्रवाल, सिकंदराबाद जोन अध्यक्ष नारायण रेड्डी, जुबली हिल्स जोन अध्यक्ष तेजो विजयकुमारी, डॉ. एस. रविंदर, एडिशनल डीसीपी वेंकट रेड्डी, बालकदास तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

इफ्तार पार्टी के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने आपसी सौहार्द, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमंत्रित अतिथियों ने भाग लिया और रमजान के इस पावन अवसर पर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

प्रह्लाद मोदी और बांसुरी स्वराज ने माँ भाग्यलक्ष्मी के चरणों में नवाया शीश

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। धार्मिक और आध्यात्मिक उत्साह के बीच, देश की दो प्रमुख हस्तियों ने ऐतिहासिक चारमीनार स्थित मां भाग्यलक्ष्मी मंदिर में दर्शन किए। ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद मोदी एवं नई दिल्ली से लोकसभा सांसद व दिवंगत सुषमा स्वराज की सुपुत्री बांसुरी स्वराज ने माता का आशीर्वाद लिया।मंदिर परिसर पहुंचने पर दोनों अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। प्रहलाद मोदी और बांसुरी स्वराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माता की विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश की सुख-समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट की ओर से उन्हें माता का स्मृति चिन्ह और प्रसाद भेंट किया गया।

आधार मिसमैच के कारण 221 शिक्षकों के वेतन में देरी

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शिक्षा विभाग के 221 नियमित शिक्षकों को फरवरी महीने का वेतन अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। वित्त विभाग के आईएमएफ़आईएस पोर्टल पर मौजूद कर्मचारी विवरण और उनके आधार रिकॉर्ड के बीच विसंगति सामने आने के बाद यह स्थिति उत्पन्न हुई है। तेलंगाना स्टेट यूनाइटेड टीचर्स फेडरेशन (टीएसयूटीएफ) ने सरकार से लंबित वेतन जारी करने और प्रणाली में सुधार की अनुमति देने का आग्रह किया है।

टीएसयूटीएफ के नेताओं ने बताया कि यह मुद्दा तब प्रकाश में आया जब आईएफएमआईएस पोर्टल ने आधार डेटा और कर्मचारी रिकॉर्ड के बीच अंतर को चिन्हित किया। इस तकनीकी खामी के कारण 221 शिक्षकों का वेतन रुक गया है। यूनियन ने 25 फरवरी को वित्त विभाग के प्रधान सचिव और शिक्षा अधिकारियों को एक प्रतिनिधित्व सौंपा है, जिसमें पोर्टल पर एडिट विकल्प देने की मांग की गई है ताकि शिक्षक अपनी त्रुटियों को सुधार सकें और उन्हें भुगतान मिल सके।

टीएसयूटीएफ के अध्यक्ष चावा रवि और महासचिव ए. वेंकट ने संयुक्त बयान में कहा, जिन शिक्षकों के आधार में मिसमैच है, उनका फरवरी का वेतन तुरंत जारी किया जाना चाहिए और उन्हें विवरण सही करने का मौका दिया जाना चाहिए।ङ्क्ष उन्होंने जोर देकर कहा कि तकनीकी कारणों से कर्मचारियों के वेतन को रोकना उचित नहीं है और सरकार को मानवीय आधार पर इस पर त्वरित निर्णय लेना चाहिए।यूनियन ने यह भी जानकारी दी कि स्कूल शिक्षा निदेशक ई. नवीन निकोलस ने पहले ही वित्त विभाग को पत्र लिखकर शिक्षकों को अपनी जानकारी सत्यापित करने और सुधारने की अनुमति देने का अनुरोध किया है।

सेवा भाव सीखना है तो राधे-राधे ग्रुप से सीखें : अनिल अग्रवाल धरसुवाले

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित अन्न कार्यक्रम के अंतर्गत बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास श्रद्धा और सेवा भावना के साथ अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनिल अग्रवाल धरसुवाले ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का सेवा भाव वास्तव में प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से मानव सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है और यदि किसी को सच्चे सेवा भाव को समझना है तो उसे राधे-राधे ग्रुप के कार्यों से सीख लेनी चाहिए।उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में मानवता, सहयोग और संवेद-नशीलता की भावना को मजबूत करते हैं तथा जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने का माध्यम बनते हैं।कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, अनिल भाई, विनोद तोषनीवाल, गोविंदराम जी, अरुण विजयवर्गी, महेश गोयल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गी, पूजा सांघी, मीना अग्रवाल, अनीता सुगंधा और रेनू गुप्ता सहित अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया।

पोंगुलेटी ने इंदिराम्मा आवास के पहले चरण के लिए मार्च अंत की समयसीमा तय की

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्व मंत्री पोंगुल्येटी श्रीनिवास रेड्डी ने शुक्रवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि इंदिराम्मा आवास योजना के पहले चरण के तहत स्वीकृत सभी मकानों का निर्माण कार्य (ग्राउंडिंग) मार्च के अंत तक हर हाल में पूरा कर लिया जाए।

खम्मम के एकीकृत जिला कार्यालय परिसर में मप्रजा पालन-प्रगति प्रणालिकाफके 99 दिवसीय कार्यक्रम की तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि इस योजना का दूसरा चरण अप्रैल में शुरू होगा। उन्होंने अधिकारियों को पहले चरण के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि यदि कोई लाभार्थी निर्माण शुरू करने में रुचि नहीं रखता है, तो वह मकान किसी अन्य पात्र व्यक्ति को आवंटित कर दिया जाना चाहिए।

मंत्री ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में इस 99 दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

पोंगुल्येटी श्रीनिवास रेड्डी ने निर्देश दिया कि एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक कल्याण छात्रावासों के लिए तहसीलदार स्तर के अधिकारी को प्रभारी नियुक्त किया जाए। इन अधिकारियों को सप्ताह में कम से कम एक बार छात्रावासों का निरीक्षण करना होगा और छात्रों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की जांच करनी होगी। किसी भी प्रकार की लापरवाही के लिए प्रभारी अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। इसके साथ ही, उन्होंने सरकारी अस्पतालों में नैदानिक सुविधाओं सहित चिकित्सा उपकरणों के उचित उपयोग को सुनिश्चित करने के भी आदेश दिए।

राजस्व और वन विभाग के बीच क्षेत्राधिकार को लेकर चल रहे भूमि विवादों को सुलझाने के लिए मंत्री ने संयुक्त सर्वेक्षण के आदेश दिए। उन्होंने अधिकारियों से जिले में जहां भी संभव हो, इको-पर्यटन पार्क के प्रस्ताव तैयार करने को कहा। किसानों को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें फसल विविधीकरण, रासायनिक उर्वरकों के कम उपयोग और आधुनिक खेती के तरीकों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए।

बैठक में जिला प्रभारी एवं पशुपालन मंत्री वाकिटी श्रीहरी ने कहा कि कल्याणकारी योजन-ाओं का लाभ राजनीतिक संबद्धता से ऊपर उठकर हर पात्र परिवार तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने यह भी घोषणा की कि मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के तहत छात्रों को चिकन करी के स्थान पर मछली की करी परोसी जाएगी। इस बैठक में विधायक कुनमनेनी सांबशिव राव, जारे आदि नारायण और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भारत फ्यूचर सिटी में लगेगा डिस्ट्रिक्ट कूलिंग सिस्टम

इमारतों के बाहर अब नजर नहीं आएंगे एसी यूनिट

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी भारत फ्यूचर सिटी की भव्य इमारतों की खिड़कियों से अब एयर कंडीशनर की बदसूरत इकाइयां बाहर लटकती नजर नहीं आएंगी। शहर की सुंदरता को बनाए रखने के लिए सरकार यहाँ एक अत्याधुनिक भूमिगत प्रणाली लागू करने जा रही है, जो पूरी सिटी को ठंडा रखेगी।

गुजरात की गिफ्ट सिटी की तर्ज पर तेलंगाना में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर डिस्ट्रिक्ट कूलिंग सिस्टम लागू किया जा रहा है। इस तकनीक के तहत हर इमारत में अलग से आउटडोर एसी यूनिट लगाने की जरूरत नहीं होगी। इसके बजाय, एक केंद्रीय प्लांट में पानी को लगभग 5ओउ तक ठंडा किया जाएगा और फिर इसे भूमिगत पाइपलाइनों के नेटवर्क के माध्यम से पूरी सिटी की इमारतों तक पहुँचाया जाएगा। इमारतों के अंदर प्लेट हीट एक्सचेंजर्स इस ठंडक को आंतरिक सिस्टम में स्थानांतरित करेंगे, जिसके बाद गर्म पानी पुन: ठंडा होने के लिए प्लांट में वापस आ जाएगा।फ्यूचर सिटी के भीतर प्रस्तावित सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट को कई महत्वपूर्ण जोन में विकसित किया जा रहा है, जहाँ इस तकनीक का उपयोग- 300 एकड़ की एआई सिटी। 200 एकड़ की हेल्थ सिटी। 500 एकड़ का एजुकेशन हब और 3,000 एकड़ का लाइफ साइंसेज हब होगा।अधिकारियों के अनुसार, डिस्ट्रिक्ट कूलिंग सिस्टम न केवल शहर को आधुनिक रूप देगा, बल्कि ग्लोबल वार्मिंग से लड़ने में भी सहायक होगा। इसके मुख्य लाभ बिजली की बचत: पारंपरिक एसी के मुकाबले बिजली की खपत में 50 प्रतिशत तक की कमी आएगी।पर्यावरण संरक्षण: यह प्रणाली कार्बन उत्सर्जन को कम करती है और शहरी महीट आइलैंडफ प्रभाव को नियंत्रित करती है।कम लागत: रखरखाव का खर्च कम होगा और इमारतों में एसी यूनिट के लिए घेरने वाली जगह की बचत होगी।तेलंगाना राइजिंग विजन 2047 के तहत प्रस्तावित यह तकनीक वर्तमान में यूएई, ओमान और सऊदी अरब जैसे पश्चिम एशियाई देशों में व्यापक रूप से उपयोग की जा रही है। तेलंगाना में इंफोसिस कैंपस (पोचाराम) और आईटी कॉरिडोर की कुछ गेटेड कम्युनिटीज में भी इसे अपनाने पर विचार किया जा रहा है।

आसिफ नगर पुलिस स्टेशन के पास बाइक में आग लगी, बड़ा हादसा टल गया

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार को हैदराबाद के आसिफ नगर इलाके में चलती हुई दोपहिया बाइक में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। यह घटना आसिफ नगर पुलिस स्टेशन के सामने घटी , जहां पहले वाहन से धुआं निकलता देखा गया और फिर देखते ही देखते बाइक आग की लपटों में घिर गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग तब लगी जब बाइक चल रही थी। कुछ ही क्षणों में, वाहन से घना धुआं और आग की लपटें उठने लगीं, जिससे आसपास मौजूद लोग घबरा गए और कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय निवासियों ने तुरंत पुलिस और दमकल कर्मियों को सूचित किया। अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर शीघ्र ही काबू पा लिया, जिससे स्थिति एक बड़ी दुर्घटना में तब्दील होने से बच गई।

सौभाग्यवश, इस घटना में किसी को चोट या जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, आग लगने से दोपहिया वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि वाहन में तकनीकी खराबी के कारण आग लगी होगी । घटना की विस्तृत जांच फिलहाल जारी है।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि आग लगने के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जरूरत पड़ने पर आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा सकती है। इस बीच, घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी में नुकसान से परेशान व्यक्ति ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुकटपल्ली क्षेत्र में शुक्रवार, 6 मार्च को एक 37 वर्षीय निजी कर्मचारी ने ऑनलाइन सट्टेबाजी में कथित वित्तीय नुकसान के कारण आत्महत्या कर ली।

मृतक की पहचान वेंकटेश्वर रेड्डी के रूप में हुई है, जो पिछले पांच वर्षों से अपने परिवार के साथ विवेकानंद नगर में रह रहे थे। बताया जाता है कि उन्हें कई वर्षों से भारी आर्थिक नुकसान हो रहा था और इस नुकसान को सहन न कर पाने के कारण उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मृतक के घर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

कुकटपल्ली पुलिस स्टेशन के अधिकारियों के अनुसार, व्यक्ति ने आधी रात को आत्महत्या कर ली। ऑनलाइन सट्टेबाजी के कारण उसे लगभग 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ था। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुम्मेरा गांव के रजक परिवार के पीड़ितों को मिला बिना शर्त समर्थन

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, प्रजा एकता पार्टी ने नागरकर्नूल जिले के कुम्मेरा गांव के पीड़ित रजक परिवार के प्रति अपनी एकजुटता प्रकट की है।

बाग लिंगमपल्ली स्थित बीसी, एससी, एसटी और आर-जेएसी एवं डीसीपी राज्य कार्यालय में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस सभा में डॉ. विशारदन महाराज की उपस्थिति में पीड़ित रजक परिवार को बिना शर्त समर्थन देने की आधिकारिक घोषणा की गई। इस दौरान उपस्थित नेताओं ने परिवार के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करने का संकल्प लिया।बैठक को संबोधित करते हुए नेताओं ने स्पष्ट किया कि समाज के वंचित वर्गों पर होने वाले किसी भी प्रकार के उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कुम्मेरा गांव की इस घटना ने एक बार फिर सामाजिक सुरक्षा के मुद्दे को गरमा दिया है। संगठन ने परिवार को हर संभव कानूनी और नैतिक सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है।इस अवसर पर प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने कहा कि उनका संगठन सदैव दलित, पिछड़ा और शोषित वर्ग के अधिकारों के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहेगा। उन्होंने सरकार और प्रशासन से मांग की कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति को न्याय दिलाना है। कुम्मेरा गांव के रजक परिवार को तब तक समर्थन मिलता रहेगा जब तक उन्हें पूर्ण न्याय नहीं मिल जाता।

राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में

श्रीमद् भागवत कथा 9 अप्रैल से

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 9 अप्रैल से 15 अप्रैल तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक स्थान: बाहेती भवन, सिद्धांबर बाजार, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा।

इस आशय की जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी गई। विज्ञप्ति में श्रीनिवास सोमानी ने कहा कि कथा वाचक बाल व्यास सु श्री हरि प्रिया वैष्णवी अपनी अमृतमय मधुर वाणी से श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगी।श्रीमद् भागवत कथा के मुख्य यजमान, सह मुख्य यजमान, सात दिवसीय दैनिक यजमान, कलश यात्रा यजमान, श्रीकृष्ण जन्म उत्सव यजमान, श्रीकृष्ण रुकमणि विवाह उत्सव यजमान सहित सभी समाज के

बंधुओं से आग्रह है कि समिति अध्यक्ष के पास अपना नाम परिवार के साथ देकर पंजीकृत कराकर कार्यक्रमों के सहयोगी बनकर पुण्य का लाभार्थी बनें।

सभी समाज के बंधुओं से आग्रह है कि वे अपने परिवार के पितरों के निमित्त उनका नाम फोटो मूल पाठ के साथ पूजा में जुड़ सकते हैं, वे समिति अध्यक्ष के पास 28 मार्च से पहले पंजीकृत कर लें। आप सभी धर्मावलंबी बंधुओं से आग्रह है कि कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाने हेतु अपना तन, मन, धन से योगदान देकर श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन में सहभागी बनकर पुण्य के लाभार्थी बनें।

समिति को विश्वास है कि आपका सहयोग अवश्य प्राप्त होगा। श्रीमद् भागवत कथा में प्रतिदिन शाम आरती के पश्चात महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। सभी धर्मावलंबी बंधुओं को महाप्रसादी में सहयोग कर पुण्य का लाभ उठाएं।इसी संदर्भ में रविवार 8 मार्च सुबह 11 बजे सिद्धांबर बाजार, हैदराबाद में एक मीटिंग का आयोजन किया जाएगा। आप सभी समाज के धार्मिक बंधुओं को आमंत्रित हैं। आप सभी के सुझाव से भव्य रूप से कार्यक्रम सफल होगा। अत: आप सह परिवार इष्ट मित्रों सहित पधार कर श्रीमद् भागवत कथा को श्रवण कर जीवन को सार्थक बनाएं।अन्य जानकारी के लिए समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी से संपर्क किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सामाजीगुडा स्थित कटरिया होटल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की पुत्री बांसुरी स्वराज उपस्थित थीं। इस अवसर पर तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंदर राव एवं अन्य उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि बांसुरी स्वराज ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को इनकम टैक्स कैसे भरना है, अकाउंट कैसे करना है, इसकी जानकारी होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभी योजनाओं के बारे में भी महिलाओं को जानकारी होना आवश्यक है। बांसुरी स्वराज ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हम महिलाएं फूल नहीं, चिंगारी हैं।

अवसर पर महिलाओं का सम्मान भी किया गया और उनके योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता सपना गुप्ता ने बांसुरी स्वराज, डॉ. शिल्पा रेड्डी और प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव का स्वागत किया। इस अवसर पर सभी उपस्थित महिलाओं को महिला दिवस की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

श्री शांति गुरु मन्दिर चैतन्यपूरी के ट्रस्टी पदम कोठारी के नूतन गृह प्रवेश के अवसर पर उपस्थित श्री स्थानकवासी जैन संघ के अध्यक्ष किशोर मूथा, जैन सेवा संघ महिला विभाग की पूर्व अध्यक्ष जया जागीरदार, रिद्धिश जागीरदार, नरेश पारेख, आनंद बोहरा जैन, रेवतमल चोरादिया एवं अन्य।

आरामघर चौरस्ता स्थित श्री सर्व मनोकामना पूर्ति हनुमान मंदिर में विश्व व्याप्त राम नाम लेखन प्रचार के अंतर्गत राम नाम लेखन प्रचार में भाग लेते हुए एच. कुमार, रमेश एवं मंदिर के पुजारी गणेश जोशी महाराज।

सेंट लुईस में हर्षोल्लास के साथ मनाई होली

सेंट लुईस (अमेरिका), 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अमेरिका के सेंट लुईस में पावन पर्व होली बड़े ही उल्लासपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर भारतीय समुदाय के सदस्यों ने सेंट लुईस स्थित दुर्गा मंदिर में आयोजित होलिका दहन कार्यक्रम में भाग लेकर विधिवत पूजा-अर्चना की और सभी के सुख-समृद्धि की कामना की।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएँ दीं और भारतीय परंपराओं के अनुरूप इस पर्व की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस दौरान भारतीय संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने का संदेश भी दिया गया।इस अवसर पर पूर्वेश एवं ननीता अग्रवाल, कविता एवं अमित चंदसौरिया, लीना एवं हिमांशु ग्रोवर, प्रीति एवं अभिषेक चौहान, गायत्री एवं सचिन हिमपालनेरकर, लिसी एवं अनीश स्टेफन, छवि अग्रवाल, स्वरा, उन्नति, ओजस्वी, गीतांशी, अमाया सहित भारतीय समुदाय के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

रंग पंचमी विजय महोत्सव व होली मिलन समारोह कल

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगन्नाथद्वारा, खाकी अखाड़ा मठ बेगम बाजार पीठाधीश्वर मंहत अमृत दास खाकी जी के सान्निध्य में रंग पंचमी विजय महोत्सव और विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ होली मिलन समारोह का आयोजन 08/03/2026 रविवार सायं 5 बजे से किया जाएगा।कार्यक्रम में अवधी बघेली फाग तथा ब्रज के भजनों की प्रस्तुति होगी। भक्तजन पारंपरिक अंदाज में होली उत्सव का आनंद लेंगे और धार्मिक वातावरण में भक्ति गीतों का रसास्वादन करेंगे।

इस अवसर पर फूलों की होली भी खेली जाएगी। कार्यक्रम का समापन रात्रि 8:30 बजे महाआरती के साथ होगा, जिसके पश्चात प्रसादी का वितरण किया जाएगा।

जगन्नाथद्वारा के सभी भक्तगण और विंध्य क्षेत्र के सभी ब्राह्मणों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है। यह जानकारी संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

कमोडोर सुजय कपूर (रिटायर्ड) ने बीडीएल के निदेशक (उत्पादन) के रूप में कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कमोडोर सुजय कपूर (रिटायर्ड) ने भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन एक प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के निदेशक (उत्पादन) के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

बीडीएल में अपनी नियुक्ति से पहले, कमोडोर कपूर ने नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली में कमोडोर (आयुध उत्पादन और स्वदेशीकरण) के रूप में कार्य किया। एक मैकेनिकल इंजीनियर होने के साथ-साथ उनके पास एमबीए, एमएससी और रक्षा एवं सामरिक अध्ययन में एम.फिल की डिग्रियां हैं। वह अपने साथ भारतीय नौसेना में तीन दशकों से अधिक का समृद्ध और विविध अनुभव लेकर आए हैं।

अपने विशिष्ट नौसैनिक करियर के दौरान, कमोडोर कपूर ने आयुध कारखानों, डीपीएसयू और डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के सहयोग से कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने एंटी-सबमरीन रॉकेट, जटिल फ्यूज और उनके लॉन्चर, एंटी-मिसाइल डिफेंस रॉकेट, महत्वपूर्ण मिसाइल और टॉरपीडो विस्फोटक (सेफ्टी एंड आर्मिंग मैकेनिज्म सहित), टॉरपीडो और मिसाइल इलेक्ट्रॉनिक घटक, नेवल माइन्स, टॉरपीडो डिकोय और उनके लॉन्चर, जीवन रक्षक पायरोटेक्निक स्टोर और विमान पावर कार्ट्रिज आदि के सफल स्वदेशीकरण का नेतृत्व किया है।

उन्होंने नौसैनिक प्रतिष्ठानों के साथ-साथ आयुध कारखानों और कई एमएसएमई सहित उत्पादन एजेंसियों की आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों को सफलतापूर्वक लागू किया है, जिससे प्रक्रिया विश्वसनीयता, अनुपालन और परिचालन तैयारी को मजबूती मिली है।

प्रतिष्ठित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन और नेवल वार कॉलेज, गोवा के पूर्व छात्र रहे कमोडोर कपूर, परिचालन विशेषज्ञता के साथ रणनीतिक कौशल का मेल रखते हैं। उनका अनुभव उन्हें जमीनी हकीकत और उच्च-स्तरीय रणनीतिक योजना के बीच समन्वय बिठाने में सक्षम बनाता है, जो विशेष रूप से स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने और सशस्त्र बलों की युद्ध तैयारियों को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

खामेनेई की हत्या के विरोध में चारमीनार के पास प्रदर्शन

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने 28 फरवरी को इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा इस्लामिक गणराज्य पर किए गए हवाई हमलों में ईरान के अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के विरोध में शुक्रवार, 6 मार्च को चारमीनार पर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया।

कांग्रेस नेता राशिद खान के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन में शिया मुस्लिम समुदाय के कई सदस्य शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने ईरान और इस क्षेत्र में अमेरिका-इजरायल की बर्बरता के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने विश्व नेताओं से क्षेत्र में इजरायल के अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने की मांग की।

पुलिस ने शुरू में विरोध प्रदर्शन को रोकने की कोशिश की, जिस पर प्रदर्शनकारियों ने हुसैनालम स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) अंजनेयुलु पर पोस्टर छीनने और ले जाने का आरोप लगाया।

अन्नदान से खिली जरूरतमंदों की मुस्कान, सेवा से मजबूत होता समाज : रामप्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास शुक्रवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और समर्पण के भाव के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों, मजदूरों और राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सेवा का वातावरण देखते ही बन रहा था और जरूरतमंदों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति में सबसे श्रेष्ठ सेवा मानी जाती है। जब किसी भूखे व्यक्ति को भोजन मिलता है तो उसके चेहरे पर जो संतोष और खुशी दिखाई देती है, वही इस सेवा का सबसे बड़ा पुरस्कार होता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा चलाया जा रहा यह नियमित अन्नदान कार्यक्रम समाज के सहयोग, समर्पण और सामूहिक प्रयास का सुंदर उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि इस सेवा कार्य में हम सभी केवल एक माध्यम हैं, असली शक्ति भगवान की कृपा और समाज के सहयोग से मिलती है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और संवेदना की भावना को मजबूत करना भी है। जब लोग मिलकर किसी नेक कार्य को आगे बढ़ाते हैं तो वह सेवा समाज के लिए प्रेरणा बन जाती है।

रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना ही सच्ची मानवता है और इसी भावना के साथ ग्रुप के सभी सदस्य निरंतर सेवा कार्यों में भाग लेते हैं। उन्होंने कहा कि आगे भी इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाई जा सके।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, भगतराम गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, कृषिव गुप्ता, अवतार गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, महेश अग्रवाल एवं ई-जगन (चंपापेट) सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया।

स्नेह सुगंध क्लब ने खेली फूलों की होली

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । स्नेह सुगंध लेडीज क्लब की सनफ्लावर ग्रुप ने अपने महीने के कार्यक्रम में फूलों की होली का कार्यक्रम आयोजित किया। यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में प्रभा दूगड़ ने बताया कि स्नेह सुगंध लेडीज क्लब हर महीने एक कार्यक्रम आयोजित करती है।

इस बार सनफ्लावर ग्रुप की मंजू शर्मा, उमा डालमिया, उषा टिकमानी, कुसुम अग्रवाल, राजेश्री कोठारी, सुधा सुराणा एवं प्रतिभा अग्रवाल ने जीरा में स्थित गोवर्धननाथ जी की हवेली में फूलों की होली का कार्यक्रम किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में अध्यक्ष संगीता सिंघवी ने सभी का स्वागत किया। इसके बाद सेक्रेटरी रेनू बंसल ने पिछले महीने की रिपोर्ट पढ़ी। उसके बाद प्रभु के साथ होली खेलने का कार्यक्रम शुरू हुआ।

सुबह 11 बजे लगभग 35 सदस्यों की उपस्थिति में बहुत ही व्यवस्थित तरीके से झूमते-नाचते हुए गुलाब के फूलों और गुलाल के साथ श्रीनाथजी के साथ स्नेह सुगंध क्लब के हर एक सदस्य ने होली खेली तथा श्रीनाथजी का आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रभु के साथ होली खेलने का आनंद अद्भुत रहा।

इस अवसर पर बुरा न मानो होली है नामक गेम भी खिलाया गया, जिसकी विजेता नीता पटेल रहीं। सभी ने हंसी के फव्वारों के साथ खेल का भरपूर आनंद लिया। अंत में प्रसाद वितरण के साथ सभी ने श्रीनाथजी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

समाजोत्सव के रुप में भारतीय नववर्ष मनाने की तैयारी, 19 को निकलेगी भव्य धर्मयात्रा

सामाजिक एकता व सांस्कृतिक गौरव की भावना हो मजबूत : गणेश बोथरा

बीकानेर, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय संस्कृति में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को अत्यंत शुभ और पवित्र दिवस माना जाता है और इसी दिन से विक्रम संवत 2083 का प्रारंभ होगा। इस खास मौके पर संभाग मुख्यालय पर भारतीय नववर्ष समारोह समिति, बीकानेर महानगर की ओर से 19 मार्च को धर्मयात्रा निकाली जाएगी। समिति अध्यक्ष प्रसिद्ध उद्योगपति व समाजसेवी गणेश बोथरा ने यह जानकारी सूरदासाणी बगीची में पत्रकारों से बातचीत में दी। इस अवसर पर आरएसएस के टेकचंद बरड़िया, राजेश चूरा, भंवर पुरोहित, रामलाल कुम्हार, नवीन सिंह, विजय कोचर, जगदीश सोलंकी, मोहित जाजड़ा, ओमप्रकाश नायक, किशोर बांठिया, चंद्रकला आचार्य, मीनाक्षी सोनी व मीडिया प्रभारी दीपक हर्ष सहित अनेक मौजूद थे।

बोथरा ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी। यही दिन हिंदू चंद्र पंचांग की शुरुआत का प्रतीक भी माना जाता है और वसंत ऋतु के आगमन के साथ प्रकृति के नव जागरण का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि बीकानेर महानगर में सर्व हिन्दू समाज, विभिन्न सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, युवा संगठनों तथा मातृशक्ति के सहयोग से इस वर्ष भारतीय नव वर्ष को समाजोत्सव के रुप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इस आयोजन का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर जोड़ना, भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव की भावना को मजबूत करना है। समाज में व्यापक सहभागिता और उत्साह का वातावरण बनाने के लिए 10 मार्च 2026 तक महानगर की विभिन्न बस्तियों और मोहल्लों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में होली स्नेह मिलन, नुक्कड़ बैठकों का आयोजन, मोहल्ला स्तर पर सजावट, घरों में दीप प्रज्वलन तथा शंखनाद जैसे आयोजन शामिल होंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से लोगों को भारतीय नव वर्ष के महत्व से जोड़ने और अधिक से अधिक नागरिकों को इस उत्सव में सहभागी बनाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक मोहल्ले से आकर्षक धार्मिक और सांस्कृतिक झांकियां तैयार कर धर्मयात्रा में शामिल करने की योजना भी बनाई गई है। भारतीय नव वर्ष समारोह समिति के कार्यालय का विधिवत उद्घाटन 7 मार्च 2026, शनिवार को सायं 6:15 बजे जसोदा भवन, गोकुल सर्किल, बीकानेर में किया जाएगा।

एमएम. ग्राउंड से प्रारंभ होकर जूनागढ़ पहुंचेगी धर्मयात्रा..

बीकानेर महानगर में भव्य धर्मयात्रा पूर्व निर्धारित मार्ग एमएम. ग्राउंड से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए जूनागढ़ पहुंचेगी। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर समाज के लोगों द्वारा स्वागत, तिलक और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की जाएगी। इस धर्मयात्रा में विभिन्न सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, युवाओं, मातृशक्ति तथा विभिन्न समाजों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। पारंपरिक वेशभूषा, आकर्षक झांकियां और धार्मिक वातावरण के साथ यह आयोजन पूरे शहर में आस्था, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक एकता का संदेश देगा। समिति ने बीकानेर महानगर के सभी नागरिकों से आह्वान किया है कि वे अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर भगवा ध्वज लगाकर भारतीय नव वर्ष का स्वागत करें, घरों में दीप प्रज्वलित करें और परिवार सहित धर्मयात्रा में शामिल होकर इस आयोजन को भव्य और सफल बनाएं।

कर्नाटक बजट 2026-27

इंफ्रास्ट्रक्चर और अर्बन मोबिलिटी पर ज़ोर, व्यापारिक रफ़्तार के लिए 'टाइमली एग्जीक्यूशन' ज़रुरी : सज्जन राज मेहता

बेंगलूरु, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्नाटक सरकार द्वारा पेश किए गए वर्ष 2026-27 के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बेंगलूरु के प्रसिद्ध ट्रेड एक्टिविस्ट सज्जन राज मेहता ने इसे राज्य की आर्थिक प्रगति की दिशा में एक मिला-जुला लेकिन सकारात्मक कदम बताया है। मेहता ने कहा कि बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर और स्किल डेवलपमेंट पर दिया गया ध्यान व्यापारिक गतिविधियों को मज़बूत करने के लिए आवश्यक है। बजट में बेंगलूरु के रोड नेटवर्क, मेट्रो

विस्तार और शहरी बुनियादी ढांचे में निवेश की सराहना करते हुए मेहता ने कहा कि इससे सामान और लोगों की आवाजाही सुगम होगी, जिसका सीधा सकारात्मक असर ट्रेडिंग कम्युनिटी पर पड़ेगा।

उन्होंने रेखांकित किया कि बजट पर गारंटी स्कीम का वित्तीय भार स्पष्ट रुप से दिखाई दे रहा है। बहुत बड़ी राशि इन योजनाओं में दांव पर लगी है, जो अन्य विकास कार्यों के लिए चुनौती पेश कर सकती है। सरकारी खाली पदों को भरने और स्किल डेवलपमेंट पर सरकार के फोकस को उन्होंने युवाओं और उद्योगों के बीच की खाई को पाटने वाला एक अच्छा कदम बताया।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, अन्नदान से मिलती है सच्ची संतुष्टि : सतीश कुमार गुप्ता

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन सेवा और श्रद्धा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर मानवता और परोपकार का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सेवा करना ही सच्चा धर्म है और अन्नदान सबसे बड़ा पुण्य माना गया है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा लगातार किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं और इससे समाज में सहयोग व संवेदना की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, संजय गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदुजा, जयप्रकाश सारड़ा, कृषिव गुप्ता और अवतार गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया और सेवा कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया।

उद्योगों के हित में सकारात्मक पहल की जाती है यूपी में : नन्द गोपाल गुप्ता

लघु उद्योग भारती, बीकानेर इकाई द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री का अभिनंदन

बीकानेर, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री (औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन) नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भी लघु उद्योग भारती द्वारा भेजे गए उद्योग से संबंधित सुझावों एवं शिकायतों के समाधान को सरकार प्राथमिकता से करती है और उद्योगों के हित में सकारात्मक पहल की जाती है।

वे बीकानेर में लघु उद्योग भारती, बीकानेर इकाई द्वारा अभिनंदन चर्चा कार्यक्रम में बोल रहे थे।

इस अवसर पर हल्दीराम ग्रुप के प्रमुख मनोहर बाबू अग्रवाल, केंट आरओ के संस्थापक महेश गुप्ता तथा क्रिस्टल ग्रुप के प्रमुख राजेश जी गुप्ता का भी उपरन्ना ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर अतिथियों को होली पर्व की शुभकामनाएं भी प्रेषित की गईं।

कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल के रूप में सुभाष मित्तल, प्रांत अध्यक्ष बाल किशन परिहार, हर्ष कंसल, राजेश गोयल, विनोद धानुका, मनोज तलवारिया, विनोद गोयल, विनोद बाफना, नरेंद्र अग्रवाल, सुशील बंसल, के.के. मेहता, जुगल राठी सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

होली के रंग, कवियों के संग कवि सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 6 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज शा-हअलीबंडा शाखा के सहयोग से नगरद्वय के कवियों की 45 वर्षों से सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी हैदराबाद का कवि सम्मेलन होली के रंग, कवियों के संग मौज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल, कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सेलार सभागृह में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कवि सम्मेलन में हास्य-व्यंग्य, गीत व ग़ज़ल के रचनाकारों ने भाग लिया। गीत चाँदनी के अध्यक्ष व गीतकार श्री चंपालाल बैद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और गीत चाँदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने संचालन किया और संस्था की गतिविधियों से सभी को अवगत कराया। शाखा के संस्थापक श्री महावीर प्रसाद डोकानिया ने सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम में सभी कवियों को होली की विशेष माला, विशेष टोपी और स्मृति-चिह्न भेंट किये गये।

कवि सम्मेलन का उद् घाटन मुख्य अतिथियों और विशेष अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती देवी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं श्री अग्रसेन जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण तथा पूजा के साथ हुआ। पूर्व न्यायाधीश रेलवे और लोहिया विचार मंच हैदराबाद के अध्यक्ष श्री ठाकुर गोपाल सिंह और सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री अमृत कुमार जैन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मंच की शोभा बढ़ा रहे थे। कवि संतोष कुमार मिश्र माधुर्य और कवयित्री आशा ठाकुर ने अपनी सुमधुर वाणी में सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, अनुज कमार, अंजनी कुमार गोयल, डॉ. जगदंबा वमर्मा , सेवा निवृत्त प्रोफ़ेसर गुरुग्राम हरियाणा प्रांत और परमानंद बंसल, बतौर विशेष अतिथि मंच पर विराजित थे।

कवि सम्मेलन में सर्वश्री गोविंद अक्षय, सत्यनारायण काकड़ा, उमेशचंद्र श्रीवास्तव, अंजनी कुमार गोयल, पुष्पा वर्मा, शिव कुमार तिवारी कोहिरी, चंपालाल बैद, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, राजकुमार यादव, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, ठाकुर दिनेश सिंह, आर. दुर्गाराज पठून, डी. प्रेमराज, ललित अग्रवाल, सत्यनारायण काकड़ा, ममता मिश्रा, अनुप कुमार, सोनिया जयंत (मुंबई) आदि ने होली पर्व के महत्त्व पर तथा देश की ज्वलंत समस्याओं पर अपने गीत, ग़ज़ल, हास्य-व्यंग्य और नयी कविताओं का पाठ कर समाँ बाँध दिया और श्रोताओं से ख़ूब वाह-वाही लूटी।

मुख्य अतिथि श्री ठाकुर गोपाल सिंह ने कहा कि गीत चाँदनी ने हैदराबाद के सामाजिक क्षेत्र में एक पहचान बनाई है और देश के विभिन्न भागों के अलग-अलग भाषाओं के कवियों को मंच पर लाकर देश की प्रगति में योगदान दिया है। अन्य वक्ताओं ने भी होली की शुभकामनाएँ देते हुए अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध समाजसेवी अमृत कुमार जैन ने भी सभी कवियों, कवित्रियों और श्रोत-ाओं को होली की बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ दीं। ठाकुर दिनेश सिंह, परमानंद बंसल, डॉ. जगदंबे वर्मा, गीतकार चंपालाल बैद ने भी अपने महत्वपूर्ण विचार रखे और होली पर्व के महत्व प्रकाश डाला। इस अवसर पर गीत चाँदनी के कवि डी. प्रेमराज द्वारा गीतकार चंपालाल बैद को भाग्यशाली कवि के रूप में 1100/- रुपयों की राशि से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में गीत चाँदनी के गीतकार श्री चंपालाल बैद, कवि गोविंद अक्षय, कवि संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव (संयोजिका) एवं अग्रवाल समाज शाह-अली-बंडा शाखा के सहयोगी सर्वश्री महावीर प्रसाद डोकानिया, राजू भाई चाटवाला, आनंद संघी, फतेह चंद मित्तल, पवन कुमार डोकानिया आदि के नाम सम्मिलित हैं। सर्वश्री रवींद्र सिंह भदोरिया, दयावती यादव, नंदकुमार यादव अयोध्या, उत्तर प्रदेश, अर्चना यादव अयोध्या उत्तर प्रदेश, अरुण कुमार जैन आदि ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गौरवान्वित किया।

डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव और श्री फतेहचंद मित्तल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

महिला उत्सव में भाग लेंगी अग्र महिला समिति

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शनिवार को उप्पल स्थित आत्म गौरव भवन में संपन्न हो रहे महिला उत्सव 2026 में अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा की अग्र महिला समिति सक्रिय रूप से भाग लेंगी।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में समिति की प्रधान संयोजिकाएं सरला अग्रवाल और रश्मि अग्रवाल ने बताया कि प्रातः 10:00 बजे दोमलगुड़ा स्थित भारत स्काउट एंड गाइड परिसर के समीप से एक विशेष बस में अग्र महिला समिति की 45 सदस्याएं उप्पल स्थित आत्म गौरव भवन के लिए प्रस्थान करेंगी और सुबह 11:00 से 5:30 बजे तक संपन्न होने वाले सभी कार्यक्रमों में सक्रियता से भाग लेंगी।

दोमलगुड़ा शाखा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी और सचिव प्रतीक अग्रवाल इस विशेष बस को हरी झंडी दिखाकर उप्पल के लिए रवाना करेंगे। इस संदर्भ में आयोजित महिला समिति की बैठक में संयोजिकाएं सीमा अग्रवाल, दीपा डालमिया, शालिनी केडिया, दीप्ति झुनझुनवाला, ज्योति गुप्ता, नेहा अग्रवाल और ज्योति धानूका भी उपस्थित थीं।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Kodikonda Satheesh Kumar, R/o D.No.1-10C, Kamalapadu (V), Vajrakarur (M), Anantapur (D), A.P-515832, have changed my child name from K TONYEESVAR to KODIKONDA TONYEESVAR, vide affidavit No.dt.4-3-2026, before Sec-Bad Court

CHANGE OF NAME & DOB
I, No.16129848M Nk KOTTAPALLI JAYARAM, Residing at 2-24, Vill: Buridivalasa, PO:Chiguruvalasa, Teh:Sarubujjili, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532190 that my mother name and DOB is changed from KOTTAPALLI SRIDEVI, DOB:18-07-1975 to KOTTAPALLI KALAVATHI, DOB:01-01-1988 and my father DOB is changed from 15-05-1971 to 01-01-1971 vide affidavit dt:06-03-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, KHUMANTHEM IBECHAOBE DEVI Mother of Service No. 14678387N Nk KHUMANTHEM SANATOMBA SINGH, Resident of Vill:Nagairangbam Makha Leikai, L.O:Langjing, Dist:Imphal-West,Manipur-795113 have changed my name and DOB from KHUMANTHEM IBECHAOBE DEVI, DOB:01-07-1945 to KHUMANTHEM IBECHAOBI DEVI, DOB:15-10-1941 vide affidavit dt:06-03-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, RAMA LAXMI Mother of Service No.JC 878052K Nb/Sub VENKATESWARA RAO KODE, R/o. Vill:Modugagunta, PO:Modugagunta, Teh:Tadepalligudem, Dist:West Godavari, Andhra Pradesh - 534145 have changed my name from RAMA LAXMI to KODE RAMALAKSHMI vide affidavit dt:06-03-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, RAMUDU father of Service No.JC 878052K Nb/Sub VENKATESWARA RAO KODE, R/o.Vill:Modugagunta, PO:Modugagunta, Teh: Tadepalligudem, Dist:West Godavari, Andhra Pradesh-534145 have changed my name from RAMUDU to KODE RAMULU vide affidavit dt:06-03-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, KODE LEELASAIPRASANNA Spouse of Service No.JC 878052K Nb/Sub VENKATESWARA RAO KODE, R/o.Vill:Modugagunta, PO:Modugagunta, Teh: Tadepalligudem, Dist:West Godavari, Andhra Pradesh-534145 have changed my name from KODE LEELASAIPRASANNA to KODE LEELA SAI PRASANNA vide affidavit dt:06-03-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, VIJAYA LAXMI Spouse of CH KODANDA RAM REDDY, Residing at VKS Residency, H.No.1-57-276/B, B-Block, Road No.1, Street No.2, Sriram Nagar Colony, Kondapur, Ranga Reddy District, Telangana-500084 have changed my name from VIJAYA LAXMI to CHINTAPALLI VIJAYA LAXMI vide Affidavit dt:6-3-2026 before 1 Spl Judicial Magistrate, Medchal Malkajgiri Dist, at L.B.Nagar.

CHANGE OF NAME & DOB
I, B PADMAWATI, is legally wedded spouse of Army No.13907207Y, Rank. EX-SEPOY/AA, Name: B HEMANT RAO presently resident of H.No.12-45/1, Plot.No.600 & 601, Vill: RAJSUKH NAGAR, PO: NAGARAM, Teh: KEESARA, Dist: MEDCHAL MALKAJGIRI, State: TELANGANA, Pin: 500083, do hereby declare that I want to change my name from B PADMAWATI to BURAGAPU PADMAVATI. I have changed my Date of Birth from 01-07-1948 to 03-03-1948. That my date of Birth is 03-03-1948

CHANGE OF NAME
I, Army No. 15822090A L/Nk KISHOR ASHOK SOMVANSHI of AOC Records, C/o.56 APO, Secunderabad that I have changed my name from SOMVANSHI KISHOR ASHOK to KISHOR ASHOK SOMVANSHI.

CHANGE OF NAME
I, M Manikandan R/o Vill: Karunakkamuthan Patti, P. O:Karrunakkamuthan Patti, Teh:Uthamapalayam, Dist:Theni, State:Tamilnadu, Pin:625516 have changed my name from M MANIKANDAN to MANIKANDAN MAYE vide affidavit dt:07-03-2026 before Judicial Magistrate Court, Hyderabad, Telangana.

CHANGE OF NAME & DOB
I, ROSE GOUNDER, Father of No. 16114062H SPR MURUGAN R, Resident of 170, PILLAIYAR KOVIL STREET, VILLAGE: ANANDHAPURAM, POST: GUDALUR, DISTRICT : TIRUVANNAMALAI, TAMIL NADU – 606907 have changed my name and DOB from ROSE GOUNDER, DOB : 01-07-1960 to ROSE D, DOB : 10-05-1960 vide Affidavit No. 41AA 250384 dt 05-03-2026.

CHANGE OF NAME
I, SOMVANSHI PRIYANKA KISHOR Spouse of Army No. 15822090A L/Nk KISHOR ASHOK SOMVANSHI of AOC Records, C/o.56 APO, Secunderabad have changed my name from SOMVANSHI PRIYANKA KISHOR to PRIYANKA KISHOR SOMVANSHI vide affidavit dt 06-03-2026 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

सीएम रेवंत रेड्डी ने मुसी नदी के किनारे नाइट इकोनॉमी का रखा प्रस्ताव

कोथवलगुडा इको पार्क का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा है कि राज्य सरकार मुसी नदी के किनारों पर नाइट इकोनॉमी (रात्रि अर्थव्यवस्था) को बढ़ावा देगी। इसका उद्देश्य बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना और शहर के रात्रि एवं झील पर्यटन को जमीनी स्तर से विकसित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश का कोई भी शहर हैदराबाद से सुंदर नहीं है और बेहतर योजना के साथ इसे विश्व स्तरीय बनाया जा सकता है।

एलोन मस्क और ट्रम्प जैसे दिग्गजों को आकर्षित करने का लक्ष्य

कोथवलगुडा इको पार्क के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हम दुनिया का सबसे महान शहर बना रहे हैं। यह तो बस शुरुआत है। यहाँ जो विकास होगा, वह एलोन मस्क से लेकर ट्रम्प तक, दुनिया के किसी भी व्यक्ति को यहाँ आने के लिए प्रेरित करेगा। हम हाल ही में ट्रम्प से जुड़े व्यावसायिक संगठनों से यहाँ आने के बारे में बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चारमीनार, उस्मानिया अस्पताल और गोलकुंडा जैसे ऐतिहासिक स्थलों वाले इस शहर को पिछले खराब शासन और अतिक्रमण ने गंदगी के ढेर पर लाकर खड़ा कर दिया है।

मुसी रिवरफ्रंट विकास और विस्थापितों का पुनर्वास

मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों, विशेषकर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी सरकार शहर की भलाई के लिए कुछ करती है, तो विरोध शुरू हो जाता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विकास परियोजनाओं के कारण विस्थापित होने वाले लोगों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा, जो लोग अपनी जमीन या घर खोएंगे, उन्हें पूरा समर्थन और पुनर्वास दिया जाएगा, यह मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि शमशाबाद जल्द ही एक सेंट्रल बुलेट ट्रेन हब बनेगा, जो बेंगलुरु, अमरावती और चेन्नई को हाई-स्पीड रेल से जोड़ेगा।

75 करोड़ की लागत से तैयार हुआ कोथवलगुडा इको पार्क

हिमायतसागर के पास स्थित इस नए इको पार्क को 75 करोड़ की अनुमानित लागत से विकसित किया गया है। इस पार्क की मुख्य विशेषताओं में 1.5 किलोमीटर लंबा बोर्डवॉक और एक विशाल पक्षीशाला (बर्ड एवियरी) शामिल है, जहाँ पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां रखी गई हैं।

नाइट इकोनॉम के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सूर्यास्त से सूर्योदय तक चलने वाली आर्थिक गतिविधियां, जिसमें संस्कृति, मनोरंजन और रिटेल शामिल हैं, शहर की जीडीपी में एक-तिहाई तक योगदान दे सकती हैं और हजारों नौकरियां पैदा कर सकती हैं।

इस कार्यक्रम में चेवेल्ला सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, नगरकुर्नूल सांसद डॉ. मल्लु रवि, विधायक टी. प्रकाश गौड़ और एचएमडीए कमिश्नर सरफराज अहमद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

वायु सेना के सुखोई विमान दुर्घटना में दोनों पायलटो की मौत

नयी दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां)। वायु सेना का लड़ाकू विमान सुखोई 30 गुरुवार को असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इसमें सवार दोनों पायलटो की मौत हो गई है।

वायु सेना के प्रवक्ता ने शुक्रवार सुबह विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना में विमान के दोनों पायलटो स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रवेश दुर्गाकर की मौत हो गयी है। प्रवक्ता ने कहा कि वायु सेना दुख और संकट की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के प्रति शोक और संवेदना व्यक्त करती है।

उन्होंने कहा कि दुर्घटना जोरहाट से 60 किलोमीटर दूर हुई। दुर्घटना के तुरंत बाद से वायु सेना की ओर से व्यापक बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

इससे पहले वायु सेना ने गुरुवार देर रात बताया था कि एक सुखोई विमान के निर्धारित समय पर वापस नहीं पर आने पर खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया था। प्रवक्ता ने कहा था कि एक सुखोई लड़ाकू विमान के निर्धारित समय पर वापस नहीं आने की सूचना मिली है। इस विमान ने असम के जोरहाट हवाई अड्डे से नियमित प्रशिक्षण उड़ान भरी थी और इससे गुरुवार शाम सात बजकर 42 मिनट पर अंतिम बार संपर्क हुआ था।

आवासीय स्कूल से छात्र लापता

माता-पिता का मंचेरियाल में विरोध प्रदर्शन

मंचेरियाल, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिले के चेन्नूर के सरकारी महात्मा ज्योतिबा फुले आवासीय विद्यालय से लापता हुए एक छात्र के माता-पिता ने अधिकारियों से उसे ढूंढने के लिए कदम उठाने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। अभिभावक अपने बेटे पेद्दापोलू विष्णुवर्धन के लापता होने पर चिंतित थे, जो स्कूल में कक्षा 9 का छात्र था।

उन्होंने स्कूल अधिकारियों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएं कि छात्र उनकी अनुमति के बिना परिसर से बाहर न जाएं। विरोध प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और अभिभावकों को शांत करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया।

खबर के अनुसार, छात्र अपने दोस्त के जन्मदिन में शामिल होने के लिए करीमनगर गया था। जब वह वहां से वापस लौट आया, तो अभिभावकों ने अपना विरोध वापस ले लिया।

पुलिस ने बताया कि छात्र को सुरक्षित रूप से वापस स्कूल लाया गया, जिससे अभिभावकों को राहत मिली।

गुडेली सृजना ने णझडउ में लहराया परचम, हासिल की 55वीं रैंक

पेद्दापल्ली, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो):

तेलंगाना की गुडेली सृजना ने शुक्रवार को संघ लोक सेवा आयोग (णझडउ) द्वारा घोषित सिविल सेवा परीक्षा 2025 के परिणामों में 55वीं रैंक हासिल की है। पेद्दापल्ली जिले की रहने वाली सृजना वर्तमान में डीएसपी (ऊढ्झ) के रूप में कार्यरत हैं और पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण ले रही हैं।इस परीक्षा में अनुज अग्निहोत्री ने प्रथम, राजेश्वरी सुवे एम ने द्वितीय और आकांश ढुल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

गच्चीबोवली में गैस का गुब्बारा फटने से चार लोग घायल

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । गच्चीबोवली स्थित ब्रह्माकुमारीज़ परिसर में शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे एक विशाल गैस का गुब्बारा फटने से चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। गच्चीबोवली पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब परिसर में मौजूद कर्मचारियों ने उड़कर आए इस गुब्बारे को पकड़ने की कोशिश की।

हादसे में घायल हुए चार कर्मचारी

घायलों की पहचान प्रसाद, कृष्णा, सुरेंद्र और श्रीनु के रूप में हुई है। गच्चीबोवली निरीक्षक के. बालराजू ने बताया, प्रसाद लगभग 50 प्रतिशत तक झुलस गए हैं, जबकि अन्य तीन लगभग 30 प्रतिशत झुलसे हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए दो निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

होली कार्यक्रम के लिए किया गया था प्रबंध

प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि यह गुब्बारा मसंध्या कन्वेंशनफ से उड़कर आया था। बताया जा रहा है कि इसे मरंगदेसी होली इवेंट मैनेजमेंटफ द्वारा आयोजित एक होली कार्यक्रम की सजावट के हिस्से के रूप में वहां बांधा गया था। पुलिस ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन राहुल नामक व्यक्ति द्वारा किया गया था। जांच के आधार पर अधिकारियों ने पुष्टि की है कि गुब्बारा होली कार्यक्रम के सेटअप का ही हिस्सा था।

आयोजक के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज

गच्चीबोवली पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में आयोजक के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस इस मामले की आगे की जांच कर रही है कि गुब्बारा वहां से कैसे छूटा और सुरक्षा मानकों में क्या कमी रही।

आंध्र प्रदेश में 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर लगेगा प्रतिबंध

विजयवाड़ा, 06 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विधानसभा में एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि राज्य सरकार 13 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य किशोरों को ऑनलाइन दुनिया के हानिकारक प्रभावों और असुरक्षित सामग्री से बचाना है।

विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि आईटी मंत्री नारा लोकेश ने सोशल मीडिया के बढ़ते दुरुपयोग पर एक विस्तृत अध्ययन किया है और इसे नियंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण सिफारिशें सौंपी हैं। सरकार जल्द ही इस निर्णय को अंतिम रूप देगी और अगले 90 दिनों के भीतर इसके लिए विस्तृत गाइडलाइंस जारी की जाएगी। नायडू ने चेतावनी दी कि बढ़ते व्हाइट-कॉलर अपराधों और डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए कड़े कदम उठाना अनिवार्य है।

3.32 लाख करोड़ का बजट और राज्य का पुनर्निर्माण

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 20 महीनों में गठबंधन सरकार ने पिछली सरकार के प्रशासनिक और वित्तीय झटकों के बाद शासन व्यवस्था को स्थिर करने का काम किया है। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष के लिए 3.32 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया है। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोग से राज्य का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने जल जीवन मिशन और पोलावरम परियोजना को पुनर्जीवित करने पर भी जोर दिया।

स्वर्ण आंध्र विजन 2047 और निवेश का लक्ष्य

भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए सीएम नायडू ने स्वर्ण आंध्र विजन 2047 का अनावरण किया। उन्होंने बताया कि 25 नई नीतियों के माध्यम से 20 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं, जिससे 23 लाख रोजगार पैदा होने की संभावना है। इसके साथ ही, हर घर के लिए फैमिली बेनिफिट मैनेजमेंट सिस्टम कार्ड जारी किया जाएगा। बिजली क्षेत्र में सुधार करते हुए एससी और एसटी परिवारों को मपीएम सूर्य घर योजनाफ के तहत रूफटॉप सोलर पैनल दिए जाएंगे।

विपक्ष पर निशाना और तिरुमला लड्डू विवाद

विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आधिकारिक विपक्ष का दर्जा जनता के जनादेश पर निर्भर करता है, न कि सदन से भागने पर। उन्होंने पिछली सरकार पर सार्वजनिक संपत्तियों को गिरवी रखने का आरोप लगाया। साथ ही, तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर के लड्डू प्रसादम में घी की कथित मिलावट के मुद्दे पर उन्होंने जवाबदेही की मांग की और कहा कि इससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। उन्होंने अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों से जिम्मेदार आचरण सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

कर्नाटक में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया और मोबाइल फोन पर प्रतिबंध

बेंगलुरु, 06 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को एक बड़ा नीतिगत फैसला लेते हुए 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों द्वारा मोबाइल फोन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। सरकार ने यह कदम बच्चों पर मोबाइल और विशेष रूप से सोशल मीडिया के बढ़ते प्रतिकूल प्रभावों को देखते हुए उठाया है।

वित्त विभाग का प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में राज्य का बजट पेश करते हुए इस प्रतिबंध का उल्लेख किया। बजट प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सरकारबच्चों द्वारा मोबाइल के बढ़ते उपयोग और सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों को रोकने के उद्देश्य से 16 वर्ष से कम उम्र के छात्रों द्वारा मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाएगी इससे पहले मुख्यमंत्री ने कुलपतियों के सम्मेलन में भी इस प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया था।

मेटा ने दी सुरक्षा संबंधी चेतावनी

कर्नाटक सरकार के इस कदम पर फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। मेटा ने आगाह किया कि इस तरह के प्रतिबंध किशोरों को कम सुरक्षित या अनियमित प्लेटफॉर्म की ओर धकेल सकते हैं।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि वे स्थानीय कानूनों का पालन करेंगे, लेकिन साथ ही यह भी तर्क दिया कि किशोर हर हफ्ते लगभग 40 ऐप का उपयोग करते हैं, इसलिए सिर्फ कुछ कंपनियों को लक्षित करने से वे सुरक्षित नहीं रहेंगे।

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित कदम

सरकार का मानना है कि इस प्रतिबंध से छात्रों का ध्यान पढ़ाई की ओर अधिक केंद्रित होगा और वे साइबर बुलिंग व ऑनलाइन खतरों से सुरक्षित रह सकेंगे। मुख्यमंत्री ने विशेषज्ञों की राय और शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियों को देखते हुए इस नीति को लागू करने का निर्णय लिया है। आने वाले दिनों में स्कूलों और अभिभावकों के लिए इसके कार्यान्वयन से जुड़े विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जा सकते हैं।

टीजीएप्सेट : 5 जिलों में टेस्ट ज़ोन ब्लॉक, सीटों की संख्या से अधिक आए आवेदन

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी हैदराबाद ने पांच जिलों में ढक्र एअझउएढ परीक्षा केंद्रों के स्लॉट (सीटें) भर जाने के बाद वहां के टेस्ट ज़ोन को ब्लॉक कर दिया है। इन जिलों में स्थानीय केंद्रों की क्षमता से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।

इन 5 जिलों में अब नहीं मिल सकेगा केंद्र

प्रशासन द्वारा महबूबनगर, नलगोंडा, संगारेड्डी, आदिलाबाद और निजामाबाद में टेस्ट ज़ोन बंद कर दिए गए हैं। अब पंजीकरण कराने वाले छात्र इन जिलों में परीक्षा केंद्र का चयन नहीं कर पाएंगे।

एक अधिकारी ने स्पष्ट किया, इन जिलों के टेस्ट ज़ोन में वास्तविक क्षमता से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसलिए, पंजीकरण के दौरान ये ज़ोन अब दिखाई नहीं देंगे। उम्मीदवारों को अपने निकटतम उपलब्ध ज़ोन का चयन करना होगा और प्राथमिकता के आधार पर ही केंद्र आवंटित किए जाएंगे।

अब तक 96 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त

आंकड़ों के अनुसार, अब तक इंजीनियरिंग परीक्षा के लिए 64,861 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है, जबकि कृषि और फार्मेसी के लिए 31,918 आवेदन आए हैं। वहीं, 113 उम्मीदवारों ने दोनों स्ट्रीम के लिए आवेदन किया है। वर्तमान में पंजीकरण प्रक्रिया आधिकारिक वेबसाइट https://eapcet.tgche.ac.in na Omar h¡&

महत्वपूर्ण तिथियां और विलंब शुल्क

बिना विलंब शुल्क के आवेदन करने की अंतिम तिथि 4 अप्रैल है। इसके बाद, 250 रुपये और 500 रुपये के विलंब शुल्क के साथ आवेदन क्रमशः 10 और 15 अप्रैल तक स्वीकार किए जाएंगे। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार, कृषि और फार्मेसी की परीक्षा 4 और 5 मई को होगी, जबकि इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा 9, 10 और 11 मई को निर्धारित की गई है।

तेलंगाना में लू का अलर्ट: स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

हैदराबाद, 06 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।तेलंगाना के सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशालय ने राज्य में आने वाले दिनों में बढ़ते तापमान और लू की स्थिति को देखते हुए नागरिकों के लिए एक सार्वजनिक परामर्श जारी किया है। पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में पहले ही अधिकतम तापमान 40ओउ के पार दर्ज किया जा चुका है, जिसके मद्देनजर सावधानी बरतने की अपील की गई है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग हैदराबाद के अनुसार, अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। इसी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को गर्मी से होने वाली बीमारियों से बचने के लिए निवारक उपायों के प्रति सतर्क किया है। सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक डॉ. बी. रविंदर नायक ने नागरिकों को हाइड्रेटेड रहने और सीधे धूप के संपर्क में आने से बचने की सलाह दी है।

विशेषज्ञों ने विशेष रूप से दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच धूप में निकलने से बचने को कहा है। एडवाइजरी में कहा गया है कि प्यास न लगने पर भी पर्याप्त पानी पिएं। निर्जलीकरण से बचने के लिए ओआरएस, नींबू पानी, छाछ और ताजे फलों के रस का सेवन करने का सुझाव दिया गया है। लोगों से अपील की गई है कि वे शरीर में पानी की कमी न होने दें।

स्वास्थ्य विभाग ने तरबूज, खरबूजा, संतरा, अंगूर और खीरा जैसे उच्च जल सामग्री वाले मौसमी फलों और सब्जियों को आहार में शामिल करने की सिफारिश की है। इसके अलावा, नागरिकों को ढीले सूती कपड़े पहनने, बाहर निकलते समय टोपी या छाते से सिर ढकने और धूप में चलते समय जूते-चप्पल का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.